{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 19 मई 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 234
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	75,315.04
निफ्टी	-	23,649.95
सोना	-	1,56,220
चांदी	-	2,90,000
डॉलर	-	96.32

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सैमसंग के 45 हजार कर्मचारी करेंगे हड़ताल

नई दिल्ली। दुनिया इस समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में तेजी से आगे बढ़ रही है। हर बड़ी कंपनी एआई की रेस में लगी है और इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत है चिप यानी सेमीकंडक्टर। लेकिन इसी बीच दुनिया की सबसे बड़ी चिप बनाने वाली कंपनियों में से एक सैमसंग में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैमसंग के करीब 45 हजार कर्मचारी हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। यह कंपनी के इतिहास की सबसे बड़ी हड़ताल मानी जा रही है। खास बात यह है कि ये वही कर्मचारी हैं जो कंपनी के मेमोरी चिप प्लांट्स में काम करते हैं, यानी वही जगह जहां से एआई, स्मार्टफोन, लैपटॉप और सर्वर के लिए जरूरी चिप्स बनते हैं। इस हड़ताल की वजह सिर्फ एक नहीं है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें बेहतर सैलरी, बोनस और काम के हालात चाहिए। एआई बूम की वजह से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है, लेकिन कर्मचारियों को उसका फायदा उतना नहीं मिला। यही असंतोष अब बड़े आंदोलन में बदलता दिख रहा है।

आप नेता दीपक सिंगला गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला को 155 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि ये पूरी कार्रवाई महेश टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े 155 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड मामले में की गई है। इस वित्तीय घोटाले के तार आम आदमी पार्टी के पहले से ही गिरफ्तार पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा से भी जुड़े हुए हैं। इसी कड़ी को जोड़ने और अहम सबूत जुटाने के लिए जांच एजेंसी ने ये पैन इंडिया ऑपरेशन चलाया और वित्तीय हेरफेर के पुख्ता सबूत मिलने के बाद आप नेता को हिरासत में ले लिया है। वहीं, ईडी की इस कार्रवाई पर आप प्रमुख केजरीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

टीचर-इंजीनियर समेत 10 की मौत

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में सोमवार सुबह 7.30 बजे मैजिक वाहन और ट्रक की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। ये सभी मैजिक वाहन में सवार थे। 9 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में सरकारी टीचर और इंजीनियर भी शामिल हैं। हादसा जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर अदलीसपुर गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मैजिक वाहन लखीमपुर से सिसैया की तरफ से जा रहा था। इसे बहराइच से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मारी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

महाराष्ट्र के पालघर में कंटेनर और ट्रक की टक्कर में 12 बारातियों की मौत, 25 गंभीर रूप से घायल

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले से सोमवार तड़के एक अत्यंत हृदयविदारक घटना सामने आई। मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर कासा क्षेत्र के पास बारातियों से भरे एक ट्रक और तेज रफ्तार कंटेनर के बीच हुई भीषण टक्कर में 12 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

मृतकों में महिलाएं और मासूम बच्चे भी शामिल हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं।

पुलिस के प्रारंभिक निरीक्षण और चश्मदीदों के बयानों के अनुसार, दुर्घटना का मुख्य कारण कंटेनर चालक की तेज रफ्तार और घोर लापरवाही रही। सोमवार तड़के करीब चार बजे, जब राष्ट्रीय राजमार्ग पर अंधेरा और हल्का कोहरा था, गुजरात की ओर जा रहे एक विशाल कंटेनर ट्रक ने नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रहे छोटे आईशर ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी।

बारातियों से भरा ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त

टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों वाहन पलट गए और बारातियों से भरा ट्रक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रक में सवार लोग डहाणू तहसील के बापूगांव से एक शादी समारोह में जा रहे थे। इस छोटे ट्रक में 40 से अधिक लोग सवार थे। पुलिस आशंका जता रही है कि सुबह के वक्त कंटेनर ड्राइवर को नींद की झपकी आई होगी।

हादसे के बाद राजमार्ग पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सबसे पहले राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचित किया। इसके बाद कासा पुलिस और हाईवे रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची।

क्रेन की मदद से वाहनों को हटाकर घायलों को निकाला

क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सीधा कर नीचे दबे यात्रियों को बाहर निकाला गया। 25 गंभीर घायलों को तुरंत पास के कासा उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां छह लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। इनमें से गंभीर रूप से घायल चार लोगों को मुंबई और ठाणे के अस्पतालों में भेजा गया है। इस भीषण दुर्घटना के कारण मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया और कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने पंचनामा कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और क्रेन से मलबे को हटाकर यातायात बहाल कराया।

मृतकों के परिजनों के लिए 5-5 लाख की आर्थिक सहायता

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि फरार कंटेनर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कंटेनर चालक दुर्घटना के बाद से ही फरार है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित की हैं।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों के लिए पांच-पांच लाख रुपयों की अनुग्रह राशि की घोषणा की गई है, तथा घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। घायलों का इलाज निशुल्क करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नीट पेपर लीक मामला

सीबीआई ने लातूर में कोचिंग संचालक को पकड़ा, मोबाइल पर मिला प्रश्नपत्र

छात्र सड़क पर, राहुल ने मांगा प्रधान का इस्तीफा

नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामला दिन पर दिन तूल पकड़ता जा रहा है। देशभर में छात्र सड़क पर उतर कर आंदोलन कर रहे हैं और सरकारी सिस्टम पर सवाल खड़े कर रहे हैं। वहीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तत्काल इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घोटाले के कारण परीक्षा रद्द होने से देश के 22 लाख से ज्यादा छात्रों का भविष्य और उनकी दो साल की कड़ी मेहनत बर्बाद हो गई है। उधर, सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के लातूर शहर से सोमवार को एक कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर के रूप में हुई है, जो रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस नाम से कोचिंग संस्थान चलाता है। एजेंसी द्वारा की गई तलाशी के दौरान मोटेगांवकर के मोबाइल फोन पर मेडिकल प्रवेश परीक्षा का एक लीक हुआ प्रश्न पत्र मिला था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

सीबीआई के मुताबिक मोटेगांवकर संगठित गिरोह का हिस्सा है, जो नीट पेपर लीक कराने और आगे फैलाने में शामिल है। उसने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 23 अप्रैल को ही पेपर और आंसर की हासिल की और कई लोगों को दी थी। सीबीआई ने 15 मई को मोटेगांवकर से उसके घर पर 8 घंटे पूछताछ की थी। मोटेगांवकर का लातूर समेत 7 जिलों में रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस नाम का कोचिंग सेंटर है। रविवार को सीबीआई ने रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस के मेन ऑफिस पर छापा मारकर कई डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोचिंग सेंटर का 100 करोड़ का टर्नओवर है।

रूसी तेल पर भारत का दोटूक संदेश : अमेरिकी रियायत मिले या नहीं, खरीदारी रहेगी जारी

नई दिल्ली । वैश्विक ऊर्जा बाजार में जारी उथल-पुथल के बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपना रुख पूरी तरह साफ कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से स्पष्ट कहा गया है कि रूसी कच्चे तेल पर अमेरिका प्रतिबंधों में ढील दे या न दे, भारत अपनी जरूरत और कारोबारी हितों के आधार पर खरीदारी जारी रखेगा।

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत ने प्रतिबंधों में छूट से पहले भी रूसी तेल खरीदा, छूट के दौरान भी खरीदा और आगे भी खरीद जारी रहेगी। उनका कहना है कि भारत के लिए सबसे अहम मुद्दा ऊर्जा सुरक्षा, स्थिर आपूर्ति और व्यावसायिक लाभ है, न कि किसी एक देश की नीतिगत रियायत। यह बयान ऐसे समय आया है जब अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों में तनाव, पश्चिम एशिया में संघर्ष और आपूर्ति बाधाओं की वजह से वैश्विक तेल बाजार दबाव में है। ऐसे हालात में भारत वैकल्पिक स्रोतों के साथ-साथ रियायती तेल की उपलब्धता को प्राथमिकता दे रहा है।

ऊर्जा विश्लेषकों के आंकड़ों के मुताबिक मई महीने में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि यह आयात तेईस लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच चुका है, जबकि पूरे महीने का औसत करीब उन्नीस लाख बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है।

अमेरिका ने समुद्री आपूर्ति संकट के बीच मार्च में अस्थायी छूट दी थी, जिसकी अवधि अब समाप्त हो चुकी है। हालांकि भारत ने साफ कर दिया है कि उसकी खरीद नीति किसी राजनीतिक दबाव से नहीं, बल्कि आर्थिक जरूरत, ऊर्जा सुरक्षा और बाजार की व्यवहारिकता से तय होगी। यह बयान वैश्विक ऊर्जा राजनीति के बीच भारत के आत्मनिर्भर और संतुलित रुख को दर्शाता है।

डॉलर-क्रूड की कीमतों ने बिगाड़ा खेल, तेल कंपनियों को रोजना 1380 करोड़ का घाटा

पेट्रोल-डीजल होंगे और महंगे !

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जंग के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बने रहने के कारण घरेलू तेल कंपनियों को हर दिन लगभग 1,380 करोड़ रुपए का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस अंडर-रिकवरी (घाटे) को पूरी तरह से पाटने और कंपनियों को संकट से उबारने के लिए पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में 25 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी करने की आवश्यकता जताई जा रही है।

पिछले हफ्ते सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल की कीमतें 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ाने के बाद भी, भारतीय फ्यूल रिटेलर्स को अभी भी नुकसान हो रहा है। जानकारों के अनुसार फ्यूल रिटेलर्स की लागत पूरी नहीं हो पा रही है। विश्लेषकों के अनुसार, उन्हें मार्केटिंग मार्जिन पर भी बराबरी पर आने के लिए कीमतों में 25 रुपए प्रति लीटर की और बढ़ोतरी की जरूरत है। इन विश्लेषकों का अनुमान है कि तेल मार्केटिंग कंपनियों को रोजाना 1,380 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

डॉलर के मुकाबले 96.35 पर पहुंचा रूपया

अमेरिकी डॉलर के सामने भारतीय रुपया पस्त होकर सोमवार को अपने ऐतिहासिक निचले स्तर पर लुढ़क गया है। डॉलर की लगातार बढ़ती ताकत के बीच पहली बार एक डॉलर की कीमत 96.23 रुपये पर पहुंच गई है। शुक्रवार को जब बाजार बंद हुआ था, तब यह आंकड़ा 95.97 पर था, लेकिन सप्ताहांत के बाद बाजार खुलते ही रुपये में भारी बिकवाली दर्ज की गई। इस भारी गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में लगातार गहराता भू-राजनीतिक तनाव है। इस संकट ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया है। फिलहाल ब्रेंट क्रूड ऑयल 111 डॉलर प्रति बैरल के खतरनाक स्तर को पार कर गया है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख समुद्री रास्ता है, वहां किसी भी तरह की रुकावट की आशंका ने वैश्विक निवेशकों को डरा दिया है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है, इसलिए तेल के दाम बढ़ने से देश का आयात बिल तेजी से बढ़ता है। इसी चिंता के कारण निवेशकों के बीच घबराहट फैली है।

विदेशी-निवेशकों ने मई में निकाले 27,048 करोड़

विदेशी निवेशकों ने इस महीने (मई) भारतीय शेयर बाजार से अब तक 27,048 करोड़ की नकदी निकाल ली है।

केरल में अब सतीशन सरकार

तिरुवनंतपुरम। केरल में अब वीडी सतीशन युग का आगाज हो गया है। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सोमवार सुबह वीडी सतीशन को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। वीडी सतीशन की सरकार में कुल 20 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। वीडी सतीशन की सरकार में आईयूएमएल के पीके कुन्हालीकुट्टी, कांग्रेस के रमेश चेन्निथला, सनी जोसेफ के. मुरलीधरन, मॉन्स जोसेफ, आरएसपी नेता शिबू बेबी जॉन और केरल कांग्रेस (जैकब) के अनूप जैकब जैसे सीनियर नेताओं शामिल किया गया है। सतीशन की सरकार में शपथ लेने वाले 14 विधायक पहली बार मंत्री बने हैं।

राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री समेत कई शीर्ष नेता मौजूद रहे। वीडी सतीशन का शपथ ग्रहण समारोह तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में हुआ। सीएम के साथ ही उनकी पूरी कैबिनेट ने भी आज ही शपथ ली। सीएम वीडी सतीशन ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि 60 साल बाद यूडीएफ की पूरी कैबिनेट ने एक साथ शपथ ली।

सतीशन की कैबिनेट में 20 मंत्रियों को शामिल किया गया है और सोमवार को ही उन्हें राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाई गई। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के अलावा राज्य के पूर्व सीएम और वामपंथी नेता पिनाराई विजयन, भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखरन भी सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता राज्य के विभिन्न हिस्सों से राज्य की राजधानी पहुंचे हैं। केरल की 140 सदस्यीय विधानसभा के लिए 9 अप्रैल को चुनाव हुए थे और 4 मई को परिणाम जारी हुए थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन ने 102 सीटें जीती हैं, जबकि एलडीएफ को 35 और भाजपा को तीन सीटें मिली हैं।

प्रेमानंद महाराज की बिगड़ी तबीयत

अनिश्चितकाल के लिए रुकी पदयात्रा; भक्त हुए निराश

नई दिल्ली। वृंदावन के प्रसिद्ध प्रेमानंद महाराज का स्वास्थ्य एक बार फिर से बिगड़ गया है। इसकी वजह से उनकी पदयात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। इतना ही नहीं उनके दर्शन भी रोक दिए गए हैं। इसके बाद हजारों श्रद्धालु निराश हैं। रविवार की देर रात बड़ी संख्या में भक्त उनके दर्शन के लिए वृंदावन पहुंचे थे, लेकिन प्रेमानंद महाराज हमेशा की तरह सुबह 3 बजे पदयात्रा के लिए रवाना नहीं हुए। आश्रम से उनके शिष्य उनकी जगह आए और लाउडस्पीकर के जरिये भक्तों को इसकी जानकारी दी।

शिष्यों ने बताया कि महाराज जी की अस्वस्थता के कारण सोमवार से होने वाली पदयात्रा स्थगित की जा रही है। श्रद्धालुओं से सड़क किनारे भीड़ न लगाने और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। इस घोषणा के बाद भक्तों को बिना दर्शन के ही लौटना पड़ा। आश्रम से जुड़े लोगों ने बताया कि महाराज जी पिछले करीब 21 सालों से किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण डॉक्टर की सलाह पर उन्हें विश्राम दिया जा रहा है।

आश्रम ने अभी तक पदयात्रा और दर्शन के फिर से शुरू होने की घोषणा नहीं की है। प्रेमानंद महाराज हर रोज सुबह केली कुंज आश्रम से सौभरी वन तक लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चलते हैं। प्रेमानंद महाराज न केवल आध्यात्मिक क्षेत्र में बल्कि सोशल मीडिया पर भी बेहद लोकप्रिय हैं । यूट्यूब पर उनके करीब 76 लाख फॉलोअर्स, इंस्टाग्राम पर 24 लाख और फेसबुक पर 10 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ-साथ आशुतोष राणा, हेमा मालिनी, मीका सिंह और कई अन्य प्रसिद्ध हस्तियां भी उनके अनुयायी बताई जाती हैं।

कुछ ना कहना

शराब घोटाला मामले की सुनवाई अब जज स्वर्ण कांता नहीं जस्टिस मनोज जैन करेंगे

नई दिल्ली। कथित शराब घोटाले मामला जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के बाद अब नई बेंच को ट्रांसफर किया जा चुका है। इस मामले की सुनवाई अब जस्टिस मनोज जैन करेंगे। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत छह आप नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के बाद जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने खुद को इस मामले से अलग कर लिया था। वहीं, अवमानना केस की सुनवाई जस्टिस नवीन चावला और रविंद्र जस्टिस रविंदर दुडेजा की खंडपीठ करेगी। दोनों ही मामलों की सुनवाई मंगलवार को होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के अलावा दुर्गेश पाठक और विनय मिश्रा के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए मामले को किसी और बेंच को ट्रांसफर किए जाने का ऐलान किया था। अब इस मामले को जस्टिस मनोज जैन की कोर्ट में ट्रांसफर किया गया है।

एक तरफ जहां मंगलवार को शराब घोटाले मामले की सुनवाई शुरू होगी तो दूसरी तरफ अवमानना मामले की भी शुरुआत होगी। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस रविंदर दुडेजा की बेंच के सामने इस मामले को सूचीबद्ध किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जमानत नियम है, जेल अपवाद

उमर खालिद और शरजील इमाम मामले पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी -कहा- त्वरित सुनवाई का अधिकार खत्म नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए (गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के मामलों में जमानत को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि 'जमानत नियम है और जेल अपवाद।' अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामलों में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न दिए जाने पर भी अप्रत्यक्ष रूप से सवाल उठाए हैं।

जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यूएपीए जैसे कठोर कानूनों के मामलों में भी आरोपी के त्वरित सुनवाई के अधिकार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि लंबी अवधि तक मुकदमे का लंबित रहना जमानत देने का आधार बन सकता है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट एक ऐसे मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें आरोपी पर जम्मू-कश्मीर में कथित तौर पर नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद को फंडिंग करने वाले सीमा-पार सिंडिकेट से जुड़े होने का आरोप है। इसी दौरान अदालत ने व्यापक टिप्पणी करते हुए कहा कि कठोर कानून लागू होने मात्र से किसी व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार समाप्त नहीं हो जाते।

पीठ ने जनवरी में सुप्रीम कोर्ट की एक अन्य दो-न्यायाधीशों वाली बेंच के फैसले के कुछ पहलुओं पर भी आपत्ति जताई। उस फैसले में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। अदालत ने कहा कि संबंधित बेंच ने तीन-न्यायाधीशों वाली पीठ के उस पूर्व फैसले का सही तरीके से पालन नहीं किया, जिसमें कहा गया था कि मुकदमे में अत्यधिक देरी होने पर जमानत दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भारतीय न्याय व्यवस्था में व्यक्तिगत स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार है और किसी भी आरोपी को अनिश्चितकाल तक जेल में रखना उचित नहीं माना जा सकता। अदालत की इस टिप्पणी को यूएपीए मामलों में जमानत को लेकर एक महत्वपूर्ण कानूनी संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

भीषण गर्मी से यात्रियों को मिली राहत, प्रतीक्षालय में लगे पंखे

लाइट व्यवस्था भी सुधरी, लेकिन पेयजल सुविधा अब भी अधूरी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है जहां खबर का संज्ञान लेते हुए नगर के एक समाजसेवी ने बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में पंखों की व्यवस्था करा दी है ।जिसके चलते यात्रियों को इस भीषण गर्मी में काफी राहत मिल गई है। आपको बताएं कि पदमेश न्यूज़ और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार द्वारा 15 मई को यात्री प्रतीक्षालय में समस्याओं का अंबार, बैठने उठने तक की नहीं है व्यवस्था, हैडिंग व भीषण गर्मी में पंखे बंद, कंठ तर करने पानी तक नही सब हैडिंग के साथ एक खबर का प्रमुखता से प्रकाशन किया था ।जिसमे नगर के बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में असुविधाओं को बताया था ।जिसमें दोनों यात्री प्रतीक्षालय में बैठने की कुर्सी टूटी होने, साफ सफाई की उचित व्यवस्था न होने, यात्री प्रतीक्षालय में लगे पंखे खराब होने ,दीवारों में जहां-तहा विज्ञापन चस्पा होने सहित पेयजल के इंतजाम न होने की समस्या बताई थी, वही मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उईके को भी मामले से अवगत कराया था। जहां खबर का संज्ञान लेते हुए नगर के समाजसेवी लक्ष्मण खूबचंदानी ने कर्मचारी भेजकर वस्तु स्थिति का पता लगाया और यात्री प्रतीक्षालय में महीनों से बंद पंखों को हटाकर दूसरे 3 पंखे लगवा दिए हैं, जिससे इस भीषण गर्मी में यहां पहुंचने वाले यात्रियों को काफी हद तक राहत मिल गई है।

साफ सफाई कर बनाई गई प्रकाश व्यवस्था

भीषण गर्मी के बीच यात्रियों की परेशानी को लेकर प्रकाशित खबर का असर अब दिखाई देने लगा है। लंबे समय से अव्यवस्थाओं से जूझ रहे यात्री प्रतीक्षालय में आखिरकार पंखे लगा दिए गए हैं, जिससे यात्रियों को गर्मी से काफी राहत मिलने लगी है। साथ ही प्रतीक्षालय में प्रकाश व्यवस्था सुधारते हुए लाइट भी लगाई गई हैं, जिससे रात के समय यात्रियों को अब अंधेरे का सामना नहीं करना पड़ेगा।

गर्मी उमस व गंदगी से परेशान हो रहे थे यात्री

ज्ञात हो कि यात्रियों को गर्मी, उमस और अंधेरे के कारण यहां भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद समाजसेवी लक्षण खूबचंदानी ने पहल करते हुए अपने कर्मचारियों को मौके पर भेजा और प्रतीक्षालय में पंखे लगवाकर राहत दिलाई। इस कार्य की यात्रियों ने सराहना की है

पेयजल की अबतक नहीं बनाई गई व्यवस्था

नगर के बस स्टैंड स्थित पुराने यात्री प्रतीक्षालय में बिजली विद्युत लाइन को दुरुस्त कर पंखे,साफ सफाई प्रकाश आदि की व्यवस्था तो बना दी गई है लेकिन अभी भी पेयजल व्यवस्था पूरी तरह से दुरुस्त नहीं हो सकी है ।जबकि भीषण गर्मी में सबसे ज्यादा आवश्यकता ठंडे पेयजल की है, लेकिन अब तक पानी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है ।कई यात्रियों को बाहर से पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। हालांकि नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड के अलग-अलग जगहो पर पानी की केन रखवाकर पेयजल की व्यवस्था बनाई गई है लेकिन यह व्यवस्था यात्री प्रतीक्षालय में नहीं है ।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि प्रतीक्षालय में स्थायी पेयजल सुविधा, वाटर कूलर और नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यात्रियों को पूरी तरह राहत मिल सके।

नीट एग्जाम लीक मामले के बीच एक और फर्जीवाड़े का हुआ राजफाश

भोपाल/दमोह । देश भर में जहाँ इन दिनो नीट एग्जाम लीक मामले को लेकर मचे बवाल के बीच दमोह में फर्जी डॉक्टरों के नेटवर्क का भी भांडाफोड़ हुआ है। यहाँ एमबीबीएस की फर्जी मेडिकल डिग्री और नकली दस्तावेजों के आधार पर आरोपी फर्जी डॉक्टर निजी अस्पतालों में मरीजों का इलाज करते पाए गए। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही भरी कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे है। फर्जी डॉक्टरो तैयार करने वाला गिरोह किन-किन शहरों में फैला है, इसकी शुरुआती छानबीन में ही जॉच के तार राजधानी भोपाल तक पहुंच गये है। जानकारी के अनुसार दमोह जिले के आरोग्य केंद्र में फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी कर रहे दो डॉक्टरो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं एक मुन्नाभाई जबलपुर से दबोचा गया है।

ऐसे हुआ फर्जी डॉक्टरो का राजफाश

पुलिस अफसरो के मुताबिक जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी सीएमएचओ ऑफिस से दमोह पुलिस को आवेदन देते हुए बताया गया कि डॉ. कुमार सचिन यादव (ग्वालियर) और डॉ. राजपाल गौर (सीहोर) ने दमोह नगर के सुभाष कॉलोनी में संजीवनी क्लीनिक में भर्ती के समय एमबीबीएस की डिग्री, मेडिकल काउंसलिंग का रजिस्ट्रेशन और दूसरे दस्तावेज जमा किए थे। जॉच में यह सब संदिग्ध पाये गये है। हैरानी वाली बात यह है की इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दोनों आरोपी साल भर से नौकरी करते हुए मरीजो का इलाज भी कर रहे थे। मामले की गंभीरता देखते हुए कोतवाली थाने में मामला कायम कर शुरुआती जॉच के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

पूछताछ में मुरैना के तीसरे आरोपी का नाम आया सामने

पकड़े गए आरोपियों कुमार सचिन यादव (ग्वालियर) और राजपाल गौर से पूछताछ में एक और नाम का खुलासा हुआ। पुलिस को पता चला की अजय मौर्य (मुरैना) भी इसी तरह के जाली दस्तावेजो के आधार पर जबलपुर के संजीवनी अस्पताल में ढाई साल से तैनात था। पुलिस ने अजय मौर्य को भी मामले में आरोपी बनाते हुए उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है। सूत्रो के मुताबिक पुलिस को पूछताछ में जानकारी मिली है, कि वह भी संजीवनी अस्पताल से जुड़ा हुआ था, और फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराने में उसकी भूमिका हो सकती है।

फर्जी डिग्री पर भोपाल एनएचएम विभाग से नियुक्ति का खुलासा

दमोह पुलिस अफसरो के मुताबिक पकड़े गये दोनों फर्जी डॉक्टर पिछले करीब एक साल से दमोह की शासकीय संजीवनी क्लीनिक में काम कर रहे थे, और इनकी नियुक्ति भी प्रदेश की राजधानी भोपाल से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा की गई थी। सूत्रो के अनुसार पूरे फर्जीवाड़े में राजधानी भोपाल स्तर की संस्थाओं की भूमिका पुलिस की जॉच के दायरे में है। अधिकारियो का कहना है की प्रारंभिक जांच में भोपाल स्तर की कुछ संस्थाओं की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। ऐसे में जांच का दायरा और बढ़ाया जा सकता है। पूछताछ में यह बात भी सामने आई है की दोनो आरोपियो की तरह ही रकम लेकर कई और लोगों को फर्जी डॉक्टर बनाया गया है। पुलिस ने उन लोगों की जानकारी जुटाना शुरु कर दी है, जो फर्जी एमबीबीएस डिग्री और रजिस्ट्रेशन उपलब्ध कराते थे। स्वास्थय विभाग के अफसरो का कहना है, कि विभागीय जॉच कमेटी की छानबीन में सामने आया की दमोह के संजीवनी अस्पताल में दो डॉक्टरो के फर्जी डिग्री पर काम करने का खुलासा हुआ है। कागजों की जांच कराये जाने पर उनकी डिग्रियां नकली निकलीं। अधिकारियो ने बताया कि इन डॉक्टर्स की नियुक्ति सीधे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल से हुई थी। इसलिए पहले ज्यादा छानबीन नहीं की गई थी। लेकिन जब शिकायत मिली और जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने पर पुलिस को कार्रवाई के लिए लिखा गया। मामले में सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(3), 338, 336(3) एवं 340(2) के तहत मामला कायम कर आरोपी कुमार सचिन यादव और राजपाल गौर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है।

राजस्थान की गर्म हवाओं से तपेगा मप्र

भोपाल। मप्र में सोमवार को दिन में लू जैसी स्थिति रही। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, आगामी चार दिन यानि 21 मई तक प्रदेश में दो से तीन डिसे तक तापमान में बढ़ोतरी होगी। साथ ही दिन में लू यानी हीटवेव चलने की पूरी संभावना रहेगी। आगामी दिन गर्मी की वजह से परेशानी भरे हो सकते है।

मौसम विज्ञान केंद्र भोपाल के वैज्ञानिक डा. अरुण शर्मा के मुताबिक, आगामी चार दिनों तक मौसम पूरी तरह से शुष्क और साफ रहेगा। इस वजह से तापमान में दो से तीन डिसे की बढ़ोतरी होगी। चूंकि पूरे प्रदेश का तापमान 42 डिसे से ऊपर चल रहा है। ऐसे में आगामी दिनों में अंचल का तापमान 45 डिसे तक पहुंच सकता है और लू भी चल सकती है। चूंकि राजस्थान की तरफ से गर्म हवा मप्र में आ रही हैं, इसलिए भी गर्मी बढ़ रही है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि 25 मई से शुरू होने वाला नौतपा इस बार काफी तपने वाला साबित हो सकता है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मई महीने में मप्र में सामान्यत- पश्चिमी हवाएं चलती हैं, जिनकी वजह से गर्मी अधिक महसूस होती है। दोपहर बाद हवाओं की रफ्तार बढ़ने से दिन और अधिक असुविधाजनक हो जाते हैं। हाल के वर्षों में जलवायु चक्र प्रभावित होने से तापमान में और अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

प्रदेश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है और आने वाले चार दिन लोगों के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं रहने वाले हैं। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में सूरज आग उगल रहा है, जबकि गर्म हवाओं ने दिन के साथ रातों का चैन भी छीन लिया है। मौसम केंद्र भोपाल ने 21 मई तक प्रदेश के बड़े हिस्से में हीट वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल प्रदेश में किसी प्रभावी वेदर सिस्टम के सक्रिय नहीं होने से मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है और तापमान लगातार बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटों के आंकड़ों को देखें तो पश्चिमी मध्य प्रदेश में राजगढ़ सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा रतलाम में 44.8 डिग्री, खंडवा में 44.5 डिग्री और गुना में 43.7 डिग्री तापमान रिकार्ड हुआ। राजधानी भोपाल भी तेज गर्मी की चपेट में रही, जहां पारा 42.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं पूर्वी मध्यप्रदेश में खजुराहो और नौगांव में 44.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। दमोह और टीकमगढ़ में भी पारा 43 डिग्री के पार रहा।

मौसम विभाग की दिव्या ई सुरेंद्रन के अनुसार कि अगले चार दिनों तक प्रदेश में बारिश की कोई संभावना नहीं है। 18 मई को ग्वालियर, चंबल, रीवा और सागर संभाग के साथ भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग के कई जिलों में हीट वेव का असर रहेगा। 19 मई को गर्मी का दायरा और बढ़ेगा। नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ और धार जैसे पश्चिमी जिलों में गर्म हवाएं लोगों को झुलसाएंगी, जबकि ग्वालियर, भिंड, मुरैना और दतिया समेत उत्तरी बेल्ट में लू का प्रकोप बना रहेगा। वहीं, 20 और 21 मई को हालात और ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के दक्षिणी जिलों बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट और मंडला को छोड़ दें तो प्रदेश का अधिकांश हिस्सा हीट वेव की चपेट में रहेगा। भोपाल, सीहोर, विदिशा, रायसेन, सागर, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा और सीधी समेत बुंदेलखंड और बघेलखंड क्षेत्र में लू का तीखा असर देखने को मिलेगा।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि, शुष्क उत्तर-पश्चिमी हवाएं लगातार मध्य भारत की ओर आ रही हैं, जिससे तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई के आसपास केरल पहुंचने की संभावना है, लेकिन मध्य प्रदेश में मानसून की राहत आने में अभी समय लगेगा। भीषण गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। लगातार पानी, ओआरएस, छाछ और नींबू पानी पीने की अपील की गई है। बाहर निकलते समय हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने और सिर ढंककर रखने की सलाह दी गई है।

सनातनी परंपराओं के माध्यम से राजनीतिक मजबूती की कोशिश

विधायक जयवर्धन सिंह के लगातार घटते वोट बैंक से चिंतित दिग्विजय सिंह की रणनीति

भोपाल। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह हमेशा से ही राजनीतिक विवादों में रहे हैं, खासकर उनके मुस्लिम तुष्टीकरण वाले बयानों को लेकर। लेकिन अब राजनीतिक परिस्थितियों और परिवार की राजनीतिक विरासत की चुनौतियों ने उन्हें अपनी रणनीति में बदलाव करने के लिए मजबूर कर दिया है। हाल ही में दिग्विजय सिंह ने अपने बेटे और राघौगढ़ विधानसभा क्षेत्र के तीन बार के विधायक जयवर्धन सिंह के जनाधार को मजबूत करने के लिए सनातनी परंपराओं और धार्मिक आयोजनों की ओर रुख किया है। दिग्विजय सिंह ने सोमवार से 28 मई तक राघौगढ़ के ग्राम भैंसाना में भव्य 151 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ का आयोजन किया है। इस आयोजन का औपचारिक उद्देश्य विश्व कल्याण, आध्यात्मिक शांति और पर्यावरण शुद्धि है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसका असली मकसद स्थानीय हिंदू मतदाताओं के बीच राघौगढ़ परिवार की पकड़ को मजबूत करना और जयवर्धन सिंह के राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित बनाना है।

इस धार्मिक महायज्ञ में केवल धार्मिक क्रियाकलाप ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रम भी शामिल हैं। प्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा को आमंत्रित किया गया है ताकि वे धर्ममय संबोधन दें और शिवतांडव स्तोत्र का हिंदी भावानुवाद प्रस्तुत करें। इसके अलावा, प्रख्यात कवि और रामकथा वाचक कुमार विश्वास को भी महायज्ञ में शामिल होने का निमंत्रण भेजा गया है। आयोजकों का मानना है कि इन हस्तियों की उपस्थिति धार्मिक कार्यक्रम को न केवल भव्य बनाएगी, बल्कि जयवर्धन सिंह के राजनीतिक जनाधार को भी मजबूती प्रदान करेगी। गौरतलब है कि राघौगढ़ विधानसभा क्षेत्र हमेशा से ही कांग्रेस के लिए एक मजबूत किला माना जाता रहा है। लेकिन पिछले चुनावों में घटते हुए जीत के मार्जिन ने यह दिखा दिया कि अब इस क्षेत्र में कांग्रेस को निरंतर अपने जनाधार को बनाए रखने के लिए अधिक सक्रिय रणनीति अपनानी होगी। दिग्विजय सिंह और जयवर्धन सिंह की नई रणनीति—धार्मिक आयोजनों और सनातनी छवि के माध्यम से—कहा जा रहा है कि यह उनके लिए आवश्यक डैमेज कंट्रोल का हिस्सा है। विश्लेषकों के अनुसार, यदि महायज्ञ और धर्म-संस्कृति के माध्यम से जनता के साथ उनकी पहचान मजबूत होती है, तो यह अगले चुनाव में जयवर्धन सिंह के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। वहीं, यदि यह प्रयास असफल रहता है, तो भाजपा का तुष्टिकरण और सांप्रदायिक विभाजन का नैरेटिव कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण बना रहेगा।

राजनीतिक पृष्ठभूमि और चुनौती

जयवर्धन सिंह का राजनीतिक करियर राघौगढ़ में मजबूत माना जाता रहा है, लेकिन हाल के विधानसभा चुनावों ने यह स्थिति चुनौतीपूर्ण बना दी है। 2013 में जब वे पहली बार चुनाव लड़े थे, तो उन्हें 58,204 वोटों की भारी जीत मिली थी। 2018 में भी उन्होंने 46,697 वोटों से जीत दर्ज की। लेकिन 2023 के विधानसभा चुनाव में उनके और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच का अंतर केवल 4,505 वोट रह गया। यह उनके राजनीतिक करियर में अब तक का सबसे कम जीत का अंतर था। विश्लेषकों के अनुसार, इस बार हार-जीत के अंतर में कमी का प्रमुख कारण भाजपा द्वारा राघौगढ़ राजघराना और दिग्विजय सिंह की मुस्लिम परस्त छवि को चुनावी मुद्दा बनाना था। भाजपा ने यह प्रचार फैलाया कि राघौगढ़ राजघराना तुष्टिकरण की राजनीति करता है, और इसका असर स्थानीय ग्रामीण और शहरी हिंदू मतदाताओं के बीच देखा गया। कई मतदाता इस वजह से कांग्रेस से छिटक कर भाजपा की ओर चले गए।

इस चुनावी नतीजे ने जयवर्धन सिंह और उनके पिता दिग्विजय सिंह को यह एहसास दिलाया कि अब राघौगढ़ में अपने जनाधार को बनाए रखने के लिए उन्हें नई रणनीति अपनानी होगी। इसके तहत उन्होंने हिंदू धार्मिक परंपराओं और महायज्ञ जैसे आयोजनों के माध्यम से अपनी सनातनी छवि को जनता के बीच पुन- स्थापित करने का काम शुरू किया है। जयवर्धन सिंह का हाल में बागेश्वर धाम की हिंदू एकता यात्रा में शामिल होना भी इसी रणनीति का हिस्सा था। यह यात्रा स्थानीय हिंदू मतदाताओं के बीच यह संदेश देने के लिए थी कि वे अपने परिवार और राजनीतिक विरासत के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के भी समर्थक हैं।

दिग्विजय सिंह ने भी खुद को सनातनी परंपराओं के समर्थक के रूप में प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। इंदौर में हाल ही में भाजपा नेता उषा ठाकुर के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने खुलकर कहा कि वे हमेशा से सनातन धर्म को मानते आए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके इस जोर देने के बाद ही कई भाजपा नेताओं ने हिंदू शब्द छोडकर सनातन शब्द का प्रयोग शुरू किया। अपने सनातनी धर्म के प्रमाण के तौर पर दिग्विजय सिंह अक्सर कठिन नर्मदा परिक्रमा और नियमित एकादशी उपवास का हवाला देते हैं। इससे पहले उनकी भगवा आतंकवाद या विवादित बयानों के कारण उन पर हिंदू विरोधी होने के आरोप लगते रहे हैं। इस नैरेटिव को बदलने के लिए अब वे खुले तौर पर अपनी सनातनी पहचान को सामने ला रहे हैं।

मार्च 2026 में दिग्विजय सिंह ने अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन किए। यह कदम भी उनकी नई राजनीतिक रणनीति का हिस्सा था। रामलला दर्शन और महायज्ञ जैसे आयोजन सीधे तौर पर स्थानीय जनता को यह संदेश देते हैं कि राघौगढ़ राजघराना पूरी तरह सनातन परंपराओं और धार्मिक मूल्यों से जुड़ा हुआ है।

आम सूचना

सूचना हो कि ग्राम नंदोरा, प.ह.क्र. 64/37 रा.नि.मं. माटे, तह0 किरनापुर, जिला बालाघाट में स्थित खसरा क्र0 35, 37/3, 37/6, 37/7, 83/2 और 88/4/2 रकबा क्रमश: 0.275, 1.274, 0.303, 0.991, 1.685 और 1.109 हेक्टेयर भूमि जिसे इस सूचना में सौदेशुदा भूमि कहा गया है, विक्रेतागण (1) राजेश फागूलाल सोनेकर निवासी बूढ़ी बालाघाट (2) विजेन्द्र सूर्यप्रसाद नागवंशी निवासी मरारी मोहल्ला बालाघाट और (3) अनिल रामनाथ बघेले निवासी कुम्हली खैरलांजी ने मेरे पक्षकार श्री संदीप जगदीश सरोज निवासी किरनापुर बालाघाट को विक्रय करने का लिखित अनुबंध दि0 06.03.2025 को करते हुए भूमि की पूरी कीमत मेरे पक्षकार से प्राप्त कर ली थी जिसका विक्रय पत्र माह माह जून 2025 में निष्पादित होना था मेरे पक्षकार के विक्रय अनुबंध के प्रभावी रहते हुए तीनों विक्रेतागण ने दि. 12.09.2025 और 02.02.2026 को निजामुद्दीन रंगरेज और अजहर रंगरेज के पक्ष में सौदेशुदा भूमियों के बिक्री पत्र निष्पदित कर दिये गये है इसलिए मेरे पक्षकार द्वारा सौदेशुदा भूमि के विक्रय अनुबंध के विनिर्दिष्ट पालन सहित क्रेताओं के बिक्री पत्र को रद्द करने हेतु विक्रेतागण सहित दोनों क्रेताओं के विरूद्ध सिविल न्यायालय बालाघाट में सिविल वाद प्रस्तुत किया जा रहा है। सौदेशुदा भूमियां संभाव्य सिविल वाद की विषयवस्तु होकर विवादित है जिसे निजामुद्दीन और अजहर रंगरेज को किसी और को अंतरित करने का का कानूनी अधिकार नहीं है। अत: सूचना हो कि कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन के बाद सौदेशुदा भूमियां जिनका विवरण उपर दिया गया है, किसी भी रूप में अपने पक्ष में अंतरित/अर्जित/भारित करने हेतु अग्रसर न हो। यदि कोई भी व्यक्ति, इस सूचना के प्रकाशन के बाद सौदेशुदा भूमियों को अपने पक्ष में अर्जित / अंतरित / भारित करता है या ऐसा करने का प्रयत्न या अनुबंध करता है तो ऐसा अर्जन / अंतरण/भारण या उसका अनुबंध, अवैधानिक और अनाधिकृत होकर मेरे पक्षकार के विरूद्ध बंधनकारी, प्रभावी और प्रवर्तनीय नहीं होगा और मेरे पक्षकार द्वारा संस्थित किए जाने वाले सिविल वाद में विचारण न्यायालय द्वारा पारित की जाने वाली डिक्री के अधीन होगा।

जितेन्द्र मंगलानी, अधिवक्ता
(बालाघाट 88033-88433)

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने नक्सल उन्मूलन अभियान में उत्कृष्ट योगदान हेतु डीजीपी मकवाणा, वरिष्ठ अधिकारियों एवं हॉक फोर्स के जवानों को किया सम्मानित

भोपाल। मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ स्थित बस्तर के बादल अकादमी में आयोजित "उजर बस्तर" कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा, मध्यप्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं हॉक फोर्स के अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित किया। मध्यप्रदेश पुलिस को यह सम्मान बालाघाट एवं छत्तीसगढ़ सीमा से लगे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सफल एंटी नक्सल ऑपरेशन्स, प्रभावी अंतरराज्यीय समन्वय, मजबूत खुफिया नेटवर्क, दुर्गम क्षेत्रों में सतत अभियान संचालन तथा सुरक्षा एवं विकास आधारित पुलिसिंग मॉडल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रदान किया गया। सम्मानित अधिकारियों में पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश कैलाश मकवाणा, विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव, पुलिस आयुक्त भोपाल एवं तत्कालीन आईजी बालाघाट ज़ोन संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सिंगरौली एवं तत्कालीन कमांडेंट हॉक फोर्स बालाघाट शियाज़ के. एम., पुलिस उपायुक्त भोपाल एवं तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एंटी नक्सल ऑपरेशन बालाघाट आदर्श कांत शुक्ला शामिल रहे। इसके साथ ही हॉक फोर्स के निरीक्षक राम पदम शर्मा, निरीक्षक अतुल शुक्ला, निरीक्षक राजेश धुर्वे तथा सहायक उप निरीक्षक ब्रजेश राजावत को भी उनके साहस, समर्पण एवं सफल ऑपरेशनल भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस की हॉक फोर्स एवं एंटी नक्सल ऑपरेशन इकाइयों ने विगत वर्षों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगातार रणनीतिक एवं साहसिक अभियान संचालित किए हैं। इन अभियानों के दौरान नक्सली गतिविधियों एवं उनके नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार किया गया, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त ऑपरेशन संचालित किए गए। जिससे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र पुलिस के बीच समन्वित कार्रवाई को नई मजबूती मिली। आधुनिक तकनीक, सटीक इंटेलिजेंस एवं कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में निरंतर ऑपरेशन के माध्यम से हॉक फोर्स ने नक्सली संगठनों की गतिविधियों, मूवमेंट एवं लॉजिस्टिक

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

गर्रा रेलवे ओवरब्रिज की ऊंचाई को लेकर उठे सवाल

तकनीकी स्वीकृति और भारी वाहनों की आवाजाही पर लोगों ने जताई चिंता, विभाग बोला- मानकों के अनुरूप हो रहा निर्माण

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज की तकनीकी स्वीकृति और उसकी ऊंचाई को लेकर बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ लोगों द्वारा दावा किया जा रहा है कि पुल निर्माण में तकनीकी मानकों और नियमों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया है, जिससे भविष्य में भारी वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया पर चर्चा करने वाले कुछलोगों का कहना है कि सामान्य तौर पर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे भारी वाहनों की सुरक्षित आवाजाही के लिए लगभग 7.50 मीटर ऊंचाई आवश्यक मानी जाती है। आरोप लगाया जा रहा है कि गर्रा ओवरब्रिज में निर्माण के दौरान केवल करीब 5 मीटर की ऊंचाई ही छोड़ी गई है, जो भविष्य में बड़े और ऊंचे वाहनों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण में पर्याप्त ऊंचाई नहीं रखी गई तो आने वाले समय में परिवहन व्यवस्था और भारी वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। इसी मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं और तकनीकी स्वीकृति को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। हालांकि विभागीय अधिकारियों ने इन आरोपों को निराधार बताया है। अधिकारियों का कहना है कि ओवरब्रिज का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों और स्वीकृत डिजाइन के अनुसार किया जा रहा है। विभाग के मुताबिक पुल के नीचे छोड़ी गई लगभग 5 मीटर ऊंचाई भारी वाहनों की आवाजाही के लिए पर्याप्त है और कुछ लोग बिना तथ्य के भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं।

शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए विभिन्न स्थानों पर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। सरेखा रेलवे ओवरब्रिज से जहां आवागमन शुरू हो चुका है, वहीं भटेरा और गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माण कार्य अभी जारी है। इनमें गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहा ओवरब्रिज अंतिम चरण में पहुंच चुका है और संभावना जताई जा रही है कि आने वाले कुछ दिनों में इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। हालांकि ओवरब्रिज के पूर्ण होने से पहले ही इसकी ऊंचाई को लेकर विवाद और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों और कुछ वाहन चालकों का आरोप है कि ब्रिज निर्माण के दौरान भारी वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए विद्युत हाईटेंशन तारों के बीच पर्याप्त ऊंचाई नहीं छोड़ी गई। उनका कहना है कि जहां भारी वाहनों के सुरक्षित आवागमन के लिए अधिक ऊंचाई आवश्यक थी, वहां विभाग द्वारा लगभग 5 मीटर की ही ऊंचाई रखी गई है। लोगों का मानना है कि भविष्य में इससे बड़े और ऊंचे वाहनों को निकलने में परेशानी आ सकती है। इसी मुद्दे को लेकर कई लोगों ने मौके के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे वीडियो और पोस्ट में विभागीय अधिकारियों तथा निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कई

लोगों ने कमेंट करते हुए आरोप लगाया कि ब्रिज निर्माण के दौरान तकनीकी स्वीकृति, ड्राइंग और डिजाइन के पहलुओं पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन कमियों पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में यातायात प्रभावित हो सकता है। सोशल मीडिया पर बढ़ती चर्चाओं और आरोपों के बीच जब इस पूरे मामले को लेकर सेतु विभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह सनोडिया से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने वायरल किए जा रहे दावों को भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अधूरी और गलत जानकारी के आधार पर सोशल मीडिया में वीडियो और रील बनाकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। एसडीओ ने बताया कि वर्तमान में भी डेंजर रोड मार्ग पर गर्रा और नवेगांव की ओर रेलवे के दो अंडरब्रिज मौजूद हैं, जहां भारी वाहनों के लिए केवल 4 मीटर की ऊंचाई उपलब्ध है और वहां से लगातार भारी वाहन गुजर रहे हैं। इसके मुकाबले गर्रा रेलवे ओवरब्रिज में 5 मीटर की ऊंचाई छोड़ी गई है, जो तकनीकी मानकों के अनुरूप है और भारी वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त मानी गई है।

किसी प्रकार की कोई परेशानी नही होंगी- अर्जुनसिंह

अर्जुन सिंह सनोडिया ने बताया कि ओवरब्रिज निर्माण के दौरान समन्वय समिति की बैठक में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई थी। इतना ही नहीं, कलेक्टर बालाघाट की मौजूदगी में भी इस पर निर्णय लिया गया था कि गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ब्रिज में भारी वाहनों के लिए 5 मीटर की ऊंचाई रखी जाएगी, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। अर्जुन सिंह सनोडिया ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर गलत तथ्यों के साथ वीडियो प्रसारित कर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का दुष्प्रचार कर रहे हैं, जो उचित नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी वास्तविकता और तकनीकी पक्ष को समझना जरूरी है।

समता सैनिक दल की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परम् पूज्य डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर द्वारा गठित समता सैनिक दल जिला शाखा बालाघाट की आवश्यक बैठक दिनांक 17 मई रविवार को स्थानीय सम्यक बुद्ध विहार गंगानगर बूढ़ी में आयोजित की गई बैठक समता सैनिक दल के जिला प्रभारी शीलरत्न बन्सोड के मुख्य आतिथ्य एवं समता सैनिक दल बालाघाट के जिला बौद्धिक प्रमुख अधिवक्ता आदर्श मेश्राम की अध्यक्षता में आयोजित कि गई थी। इस बैठक में समता सैनिक दल जिला शाखा एवं नगर शाखा के कुछ पदों में बदलाव किया गया। इसी तारतम्भ में समता सैनिक दल जिला बालाघाट के जिला अध्यक्ष इंजी.अमित वासनिक, जिला प्रचारक सिद्धार्थ बन्सोड तथा समता सैनिक दल नगर शाखा बालाघाट के नगर अध्यक्ष सिद्धार्थ मेश्राम को सर्व सहमती से नियुक्त किया गया। तत्पश्चात संगठन की आगामी गतिविधियों पर चर्चा कि गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों को एस.एस. डी. प्रभारी शीलरत्न बन्सोड द्वारा बुद्ध चरित्र चंद्रोदय नामक ग्रन्थ भेंट कर, सम्मानित किया गया। तथा नवयुक्त पदाधिकारियों को उपस्थित समता सैनिक दल के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने बधाई दी । इस अवसर पर मुख्य रूप से समता सैनिक दल जिला महासचिव रितिक बोमारडे, उपाध्यक्ष प्रीति रावतकर, कोषाध्यक्ष स्नेहलता मेश्राम, संगठक रोहित उके, सह संगठक वैभव भालेराव, नगर संगठक प्रतीक निकोसे, नगर सचिव आयुष गोंडाने, नगर कार्यकारिणी सदस्य गौतमा बागड़े, जिला कार्यकारिणी सदस्य राजा बिम्बिसार, गंगानगर समिति अध्यक्ष आयुष्मति बरखा खोबरागडे, विजेंद्र गढ़पाले, वंदना गजभीये, राजेश खोब्रागडे इत्यादि समता सैनिक दल के समस्त पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। उक्त जानकारी एस.एस.डी. जिला महासचिव रितिक बोमारडे द्वारा प्रेसविज्ञति जारी कर दी गई है।

भीषण गर्मी क्ब असर- धू- धू कर जल उठा हनुमान चौक परिसर का ट्रांसफार्मर

बढ़ते तापमान और ओवरलोड के चलते आग लगने की कही जा रही बात, दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी के बीच सोमवार दोपहर शहर के व्यस्त हनुमान चौक क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक बिजली ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। जहा देखते ही देखते ट्रांसफार्मर से तेज लपटें और धुआं उठने लगा, जिससे आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। उधर घटना की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग और दमकल अमला मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। तब कही जाकर स्थानीय लोगो ने राहत की सास ली।

स्थानियजनो के अनुसार सोमवार दोपहर के समय अचानक ट्रांसफार्मर से चिंगारियां निकलनी शुरू हुईं। कुछ ही पलों में ट्रांसफार्मर आग की लपटों से घिर गया। गर्मी और तेज तापमान के कारण आग तेजी से फैलती दिखाई दी, जिससे आसपास मौजूद लोगों में भय का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस, बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचा और सुरक्षा व्यवस्था के बीच आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। बिजली सप्लाई तत्काल बंद कर क्षेत्र को सुरक्षित किया गया, जिसके बाद दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे

की मशक्कत कर उक्त आग पर नियंत्रण पाया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन ट्रांसफार्मर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

विघुत सप्लाई रही बाधित

उधर घटना के बाद क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी के बीच बिजली बंद होने से दुकानदारों, व स्थानिय रहवासियों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। कई दुकानों में काम प्रभावित हुआ तो वहीं घरों में लोग उमस और गर्मी से परेशान नजर आए।

भीषण गर्मी व ओवर लोड बताई जा रही वजह

स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों लगातार बढ़ते तापमान के कारण बिजली की खपत काफी बढ़ गई है। एयर कूलर, एसी और अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग से ट्रांसफार्मरों पर अतिरिक्त लोड पड़ रहा है, जिसके चलते इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। नागरिकों ने विद्युत विभाग से पुराने और क्षमता से कम ट्रांसफार्मरों को बदलने तथा नियमित मेंटेनेंस कराने की मांग की है। उधर विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने प्राथमिक जांच में ओवरलोड और अत्यधिक गर्मी से आग लगने का संभावित कारण बताया है। विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को बदलकर ने बिजली व्यवस्था बहाल किया गया है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो घायल, घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सोमवार की दोपहर दो अलग-अलग स?क हादसे में मोटरसाइकिल फिसलने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पहला मामला भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांगुलपारा घाटी गोलाई है। जहां मोटरसाइकिल फिसलने से थाना किरनापुर ग्राम सुसवा निवासी 35 वर्षीय राकेश पिता लिखीराम सोनवाने घायल हो गए। तो वही दूसरा मामला नगर के भटेरा मार्ग का है। जहां अज्ञात वाहन की ठोस से मोटरसाइकिल फिसलने से ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगी आवास टोला (लिंगा) निवासी से 37 वर्षीय संजय पिता स्व. दिलीप ईठोले के घायल होने पर उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार जारी है। उधर मामले की सूचना मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर के डायरी संबंधित थाना पहुंचाई है, इसके आधार पर संबंधित थाना पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

गांगुलपारा गोलाई में मोटरसाइकिल फिसलकर गड्ढे में घुसी

पहला मामला भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांगुलपारा घाटी गोलाई का है जहां गांगुलपारा गोलाई में मोटरसाइकिल फिसलने से मोटरसाइकिल में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया, जबकि उसके साथ मोटरसाइकिल में सवार उसके दो दोस्त सुरक्षित है। घायल व्यक्ति का नाम थाना किरनापुर ग्राम सुसवा निवासी राकेश सोनवाने बताया गया है, जानकारी के मुताबिक

राकेश मजदूरी का कार्य करता है, जो एक दिन पूर्व 17 मई रविवार को भण्डेरी मेंढकी में अपने रिश्तेदारी गया था, जब वह 18 मई सोमवार को अपने दोस्त नरेश बसेने और छोटू सोनवाने के साथ मोटरसाइकिल से वापस बालाघाट आ रहा था तभी बंजारी और गांगुलपारा घाटी के बीच गोलाई में मोटरसाइकिल अचानक से अनियंत्रित होकर फिसल गई, जो रोड किनारे गड्ढे में जा गिरी, जिससे राकेश के दाहिने पैर,घुटने ,एडी,फसली सहित शरीर के अन्य हिस्सों में अंदरूनी चोट आई है। जबकि उसके साथ मोटरसाइकिल में सवार उसके दोनो दोस्त सही सलामत बताए गए हैं। उधर घटना के बाद बंजारी घाटी की तरफ से आ रही एक ऑटो में उसके दोस्तों ने बिठाकर उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार जारी है।

पीछे से ठोस मारकर अज्ञात मोटरसाइकिल चालक हुआ फरार

दूसरा मामला नगर के भटेरा रोड का है जहां मोटरसाइकिल फिसलने से ग्रामीण थाना नवेगांव ग्राम कटंगी आवास टोला निवासी 37 वर्षीय संजय इठोले सड़क दुर्घटना मे घालय हो गया। बताया गया कि संजय मजदूरी का काम करते हैं जो नगर के वार्ड नंबर 10 स्थित एक अस्पताल में मच्छर जाली का नाप लेने के लिए गए थे, नाप लेने के बाद जब वह अपनी मोटरसाइकिल से वापस दुकान आ रहे थे तब भटेरा रोड स्थित होटल के पास पीछे से आ रही एक अज्ञात मोटरसाइकिल चालक ने लापरवाही पूर्वक तेज रफ्तार से मोटरसाइकिल चलाते हुए उन्हें ठोस मार दी और फरार हो गया, जहां मोटरसाइकिल की ठोस से संजय सड़क पर गिर गए जिससे उनके दाहिने घुटने,पैर, एडी अंगूठे के पीछे सहित शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई है। उधर घायल संजय ने फोन पर मामले की जानकारी अपने साथी पृथ्वीराज दमाहे और लालचंद कटरे को दी, जिन्होंने मोटरसाइकिल से उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है जहां उनका उपचार जारी है।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 18 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख?य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने विभिन्न विभागों के समय-सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित रहे।

बैगा समुदाय के सर्वे कार्य में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया गया कि सबसे दूर सबसे पास अभियान के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के ऐसे लोगों का सर्वे निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए, जो शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। इस अभियान के अंतर्गत चिन्हित ग्रामों में स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिये गए। साथ ही सर्वे की प्रतिदिन की रिपोर्ट ऑनलाइन डैशबोर्ड पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए। श्रम पदाधिकारी को श्रमयोगी मानधन योजना में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप श्रमिकों का शीघ्र पंजीयन कराने के लिए कहा गया। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाओं को कामधेनु योजना के तहत ऋण प्रकरण तैयार कर शीघ्र ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

स्वरोजगार योजनाओं एवं पलायन छात्रावास पर विशेष जोर

बैठक में स्वरोजगार एवं हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत ऋण वितरण के प्रकरण शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि वे नए वित्तीय वर्ष के लक्ष्य की प्रतीक्षा न करें, बल्कि गत वर्ष के लक्ष्य के अनुरूप ही कार्यवाही प्रारंभ करें। सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया गया कि काम के लिए पलायन करने वाले परिवारों के बच्चों को छात्रावासों में प्रवेश दिलाने हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं। सभी बीआरसी के माध्यम से ऐसे परिवारों से संपर्क कर बच्चों को पलायन छात्रावास में शीघ्र प्रवेश दिलाने को कहा गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान और सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग को जिला कार्यक्रम अधिकारी को आंगनवाड़ी केंद्रों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य शीघ्र पूर्ण कर पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क इकाई के महाप्रबंधक को नक्सल क्षेत्र की अति महत्वपूर्ण 10 सड़कों का कार्य तेजी से पूरा कराने को कहा गया। बैठक में जानकारी दी गई कि 10 में से 5 सड़कों का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष 5 सड़कों का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को लंबित शिकायतों के निराकरण में तेजी लाने एवं विभागीय ग्रेडिंग में सुधार करने के निर्देश दिए गए।

करोड़ों की लागत से बने राजाभोज मंडी कॉम्पलेक्स के 72 कमरों की आवंटन प्रक्रिया जल्द

अवैध कब्जाधारियों को अल्टीमेटम, दुकानदारों ने की कीमतें कम रखने की मांग

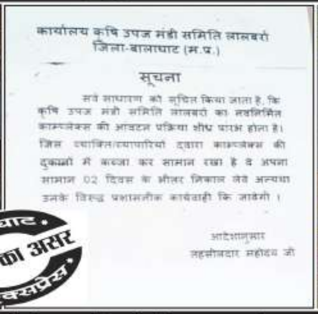

दुकानें आवंटित होने से बेरोजगारों को रोजगार और शासन को मिलेगा राजस्व

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के सबसे व्यस्ततम हाईस्कूल मार्ग पर वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने स्थित करोड़ों की लागत से बना राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स आखिरकार जल्द ही गुलजार होने जा रहा है। मंडी बोर्ड अधोसंरचना विकास निधि से 4.38 करोड़ रूपये की भारी-भरकम लागत से 4 से 5 वर्ष पूर्व इस दो मंजिला इमारत का निर्माण किया गया था। लेकिन आवंटन और नीलामी प्रक्रिया न होने के कारण यह भव्य भवन पिछले लंबे समय से उपेक्षा का शिकार था। वहीं नीलामी न होने और देख-रेख के अभाव के कारण करोड़ों रूपये की लागत से बना यह कॉम्पलेक्स कचरे और गंदगी के ढेर में तब्दील हो रहा था, जिससे भवन भी खराब हो रहा था। क्षेत्र के बेरोजगार युवा और स्थानीय दुकानदार लगातार इन 72 कमरों की नीलामी प्रक्रिया शुरू करने की मांग कर रहे थे। इस गंभीर समस्या को लेकर बालाघाट एक्सप्रेस अखबार ने पूर्व में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया था।

वहीं समाचार प्रकाशन के बाद मंडी प्रशासन के अधिकारी हरकत में आये। जिसके बाद अधिकारियों द्वारा भोपाल स्तर पर राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी कॉम्पलेक्स के 72 कमरों की जल्द नीलामी करने हेतु पत्र व्यवहार किया गया। शासन से हरी झंडी मिलने के बाद अब मंडी प्रशासन ने इस दिशा में तेजी से काम शुरू कर दिया है। जिससे ऐसा लग रहा है कि जल्द ही राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स में बने 72 कमरों की आबंटन की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। जिससे बेरोजगारों एवं छोटे व्यापारियों को दुकान मिलने से उन्हे रोजगार भी मिलेगा एवं मंडी प्रशासन को राजस्व भी प्राप्त होगा।

अवैध कब्जाधारियों को दो दिन की मोहलत, होगी कानूनी कार्यवाही

आपको बता दें कि क्षेत्र के बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से विगत वर्ष पूर्व राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स का निर्माण करवाया गया था। जिसका निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद लोकार्पण भी हो चुका था परन्तु नीलामी की प्रक्रिया नही हो पा रही थी। वहीं देख-रेख के अभाव में भवन एवं परिसर में गंदगी फैलने के साथ ही कुछ स्थानों से टुट-फुट भी होने लगी है। जिससे ऐसा लग रहा था कि शासन की करोड़ों रूपयों की राशि व्यर्थ में बह जायेगी। राजाभोज जैविक एवं प्राकृतिक मंडी काम्पलेक्स की नीलामी की प्रक्रिया जल्द शुरू करने एवं नियमित रूप से साफ-सफाई करवाये जाने की मांग को लेकर बालाघाट एक्सप्रेस अखबार द्वारा पूर्व में बार-बार समाचार प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यान आकर्षण करवाया गया था। ताकि मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों की नीलामी हो जाती है तो जो दुकानदार फुटपाट पर दुकान लगा रहे है एवं जिन लोगों की दुकानें अतिक्रमण कार्यवाही में पूर्व में टुट चुकी है सहित अन्य बेरोजगारों को कमरे मिल जायेगें। जिससे उन्हे रोजगार मिलेगा और जो लोग फुटपाथ पर दुकान लगाकर व्यापार कर रहे है उन्हे फुटपाथ पर दुकान नही लगाना पड़ेगा। जिसके बाद मंडी प्रशासन हरकत में आया और नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वही लालबर्रा कृषि उपज मंडी प्रशासन द्वारा गत दिवस कॉम्पलेक्स परिसर में एक महत्वपूर्ण सूचना चस्पा की गई है। इस नोटिस के माध्यम से जानकारी दी गई है कि नवनिर्मित कॉम्पलेक्स की आवंटन प्रक्रिया शीघ्र ही प्रारंभ होने वाली है। इसके साथ ही जिन लोगों ने कॉम्पलेक्स की दुकानों में अवैध रूप से कब्जा कर अपना सामान रखा हुआ है, उन्हें दो दिनों के भीतर सामान हटाने के सख्त निर्देश दिये गये है। मंडी प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में अवैध कब्जा नहीं हटाया गया, तो संबंधितों के विरूध्द वैधानिक व दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।

रोजगार और राजस्व के खुलेंगे मार्ग

मंडी प्रशासन की इस सक्रियता से अब स्थानीय लोगों और बेरोजगार युवाओं में उम्मीद की नई किरण जागी है। जल्द ही 72 कमरों की नीलामी प्रक्रिया पूरी होने से जहां एक ओर स्थानीय बेरोजगारों और छोटे व्यापारियों को व्यापार के लिए पक्की दुकानें मिलेंगी। वहीं दूसरी ओर शासन और मंडी प्रशासन को भी बड़े पैमाने पर राजस्व (टैक्स) की प्राप्ति होगी। वहीं मंडी काम्पलेक्स की नीलामी प्रक्रिया होने की सुगबुगाहट शुरू होते ही नगर के बेरोजगार युवाओं और फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले छोटे दुकानदारों ने शासन-प्रशासन से एक विशेष गुहार लगाई है। व्यापारियों का कहना है कि लंबे समय के इंतजार के बाद यह प्रक्रिया शुरू हो रही है, इसलिए इन कमरों (दुकानों) की शुरूआती कीमत (बेस प्राइज) को न्यूनतम रखा जाये। ताकि गरीब और मध्यम वर्गीय बेरोजगार युवा भी आसानी से दुकान ले सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

आबंटन की प्रक्रिया जल्द की जायेगी - ठाकरे

दूरभाष पर चर्चा में कृषि उपज मंडी सचिव वायआर ठाकरे ने बताया कि लालबर्रा के हाई स्कूल मार्ग वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के सामने मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है और 72 कमरे बने है। जिसकी आबंटन की प्रक्रिया जल्द होने वाली है, जिसकी तैयारी शुरू कर दी है और जिन लोगों ने काम्पलेक्स में बने कमरों में अवैध रूप से कब्जा कर सामने रखे है। उन्हे जल्द खाली करने कहा गया है एवं नोटिस भी चस्पा कर दिया गया है। समयावधि पर कमरे खाली नही करेगें तो उनके विरूध्द वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

खबर प्रकाशन के बाद बंद कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण कार्य हुआ शुरू

राहगीर एवं स्थानीयजनों ने तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के मुख्य आवागमन मार्ग लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग पर लंबे समय से अधर में लटके कल्वर्ट बॉक्स पुलिया निर्माण कार्य को लेकर प्रशासन आखिरकार हरकत में आ गया है। समाचार पत्र बालाघाट एक्सप्रेस द्वारा जनहित से जुड़ी इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाये जाने के बाद संबंधित विभाग ने सुध ली है और बंद पड़े निर्माण कार्य को युध्द स्तर पर प्रारंभ कर दिया है। कार्य में आई इस तेजी से अब उम्मीद जागी है कि जल्द ही कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण कार्य पुर्ण हो जायेगा। पुलिया एवं कुछ दुरी तक छुट्टी सड़क का निर्माण हो जाने से वर्तमान में आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल जायेगी। राहगीर एवं स्थानीयजनों ने लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग स्थित श्वेताम्बर जैन मंदिर के आगे बन रहे कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण तीव्र गति एवं गुणवत्तापूर्ण करवाने की मांग प्रशासन से की है।

तेजी से चल रहा काम

गौरतलब है कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग 600 मीटर की सड़क का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और एक स्थान पर सड़क के बीच से पानी निकासी के लिए कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन यह कार्य धीमी गति से होने और निर्माण कार्य के चलते इस मार्ग से आवागमन बंद हो जाने से सभी को वर्तमान में आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित कर विभाग से इस अधूरे कार्य को जनहित में जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की गई थी। वहीं खबर की गंभीरता को समझते हुए संबंधित विभाग के आला अधिकारी सक्रिय हुए और उन्होंने ठेकेदार को तत्काल कार्य शुरू करने के निर्देश दिये है। बंद कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रारंभ कर दिया है। वहीं राहगीर एवं स्थानीयजनों ने निर्माण कंपनी के ठेकेदार एवं अधिकारियों ने कल्वर्ट बॉक्स पुलिया का निर्माण कार्य जल्द पुर्ण करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

क्षत्रिय राजाभोज पवार समाज संगठन की आवश्यक बैठक संपन्न

बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित पवार मंगल भवन में सोमवार को क्षत्रिय राजाभोज पवार समाज संगठन की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक क्षत्रिय राजाभोज पवार समाज संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में गत दिवस लालबर्रा अस्पताल के भूमिपूजन कार्यक्रम में जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे कार्यक्रम में उपस्थित हुए थे और उनकी उपस्थिति को लेकर सोशल मीडिया एवं कुछ समाचार पत्रों में भ्रामक जानकारी फैलाई गई थी और पवार समाज के जनप्रतिनिधि को लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। जिसकी सामाजिक पदाधिकारियों एवं उपस्थितजनों ने निंदा की है। साथ ही बिना वास्तविक तथ्य मनगढततथ्यों के आधार पर जिला पंचायत सभापति श्री ठाकरे एवं समाज को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है जिसके प्रति भी नाराजगी जताई गई। वहीं बैठक में सामाजिक गतिविधियों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर आगामी रणनीति तैयार की गई। इस अवसर पर चेतनलाल पटले अध्यक्ष क्षत्रिय राजाभोज संगठन पवार समाज ब्लॉक लालबर्रा, रमेश गौतम संयोजक, ईश्वरी चौधरी उपाध्यक्ष, धनराज पटले कोषाध्यक्ष, डुलेन्द्र ठाकरे जिला पंचायत सभापति, सुखचंद राहंगडाले, दुर्गाप्रसाद टेम्भरे, सिवेश राहंगडाले, रामचरण पटले, भोजराज राहंगडाले, रेकचंद कटरे, गुलाब पटले, फत्तेसिंह पटले, डिगनलाल चौधरी, हेमराज बोपचे, मदनगोपाल राणा, कमलेश चौधरी, मुकेश पटले, विनोद ठाकरे, विमल बिसेन, लेखचंद क्षीरसागर, देवीप्रसाद तुरकर, मोहनलाल क्षीरसागर, राजकुमार शरणागत, जितेंद्र गौतम, मानसिंह कटरे, छगनलाल टेम्भरे, देवाजी बिसेन, सोहनलाल पटले, डोमेश्वर हनवत, धनराज पटले, महेतराम ठाकरे, योगराज चौधरी, दुर्जनलाल सोनवाने, सोमचंद कटरे, लेखराम, रूपलाल, तामेश्वर चौधरी, महेशप्रसाद, प्रभाकर बिसेन, बृजेशकुमार, साकेतराज टेम्भरे, इंद्रकुमार, योगेश्वर, संतोष बोपचे, देवेंद्र सोनवाने, रामकुमार सोनवाने, संदीप पटले, राजेंद्र पारधी, शिव हनवत, हर्ष बिसेन, संजीवनसिंह राणा, दीपक चौधरी, डिलेश्वर ठाकरे, रामकिशोर ठाकरे, धनसिंह हनवत, भगतसिंह सोनवाने, अनुप पटले व व्यंकट राहंगडाले सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

कांग्रेस कमेटी नगर महामंत्री नियुक्त हुए रोहित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष संजयसिंह उइके की अनुशंसा एवं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर की सहमति पश्चात नगर अध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी द्वारा रोहित सांखला को नगर कांग्रेस कमेटी महामंत्री नियुक्त किया है। वहीं नगर कांग्रेस नवनियुक्त महामंत्री रोहित सांखला ने बताया कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर पार्टी हित में काम किया जायेगा। वहीं रोहित सांखला के नगर कांग्रेस महामंत्री बनने पर उन्हें ईस्टमित्र, परिजन एवं संगठन की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कर संगठन को मजबूत करने की अपेक्षा जताई है।

लालबर्रा 132 केव्ही उपकेंद्र में मानसून पूर्व रखरखाव कार्य 20 मई को

क्षेत्र में प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी विद्युत आपुर्ति सेवा बंद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आगामी मानसून के मौसम को ध्यान में रखते हुए विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी कड़ी में लालबर्रा स्थित 132 केव्ही उपकेंद्र में आगामी 20 मई को मानसून पूर्व विशेष रखरखाव और परीक्षण कार्य किया जाना तय हुआ है। इस कार्य के चलते उपकेंद्र के 40 एमव्हीए ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस किया जायेगा। जिसके लिए प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली गुल (विद्युत आपूर्ति सेवा बंद) रहेगी। चर्चा में विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता सरफराज कुरैशी ने बताया कि 20 मई को प्रात: 9 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक शटडाउन रहेगा। इस अवधि के दौरान 132 केव्ही उपकेन्द्र लालबर्रा में 40 एमव्हीए ट्रांसफार्मर का मानसून पूर्व रख-रखाव यानि की ट्रांसफार्मर की जांच, मरम्मत और तकनीकी परीक्षण का कार्य किया जायेगा। जिसके लिए 132 केव्ही उपकेन्द्र लालबर्रा से निकलने वाले 33 केव्ही फीडर की आपूर्ति एवं मेंटेनेंस कार्य के लिए 33 केव्ही बैंक फीड सप्लाई की आवश्यकता होगी। श्री कुरैशी ने बताया कि वर्तमान में लालबर्रा उपकेन्द्र का भार 25 एमडब्ल्यू है एवं शटडाउन अवधि में लालबर्रा उपकेन्द्र की विद्युत की आपूर्ति 132 केव्ही उपकेन्द्र बालाघाट-लालबर्रा फीडर द्वारा लालबर्रा उपकेन्द्र के संपूर्ण 25 एमडब्ल्यू की आपूर्ति संभव नही है। आगे बताया कि इस मेंटेनेंस कार्य के चलते 20 मई को प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति सेवा बंद रहेगी।

विधायक विवेक पटेल ने मरार समाज की पृष्ठभूमि से राजनीति में आगे बढ़ रही महिला का किया अपमान-श्रीमती सरिता दांदरे

विधायक पटेल के नपा कार्यकाल का खोला जायेगा काला चिठा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विधायक विवेक पटेल के आरोपो को सिरे से नकारते हुऐ कहा है कि विधायक पटेल एक महिला जन प्रतिनिधि के रूप में मेरी कार्य क्षमता, मेरी कार्य-शैली पर सवाल उठाने वाले होते कौन है। ऐसा करके आपने मरार समाज की पृष्ठभूमि से राजनीति में आगे बढ़ रही महिला का अपमान किया है। गौरतलब है की गत दिवस विधायक विवेक पटेल ने प्रेसवार्ता के माध्यम से नपा परिषद पर आरोपो की बौछार की थी। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने कहा की एक अध्यक्ष के रूप में पिछले ३ साल के कार्यकाल में शहर में चौतरफा उल्लेखनीय विकास कार्य हो रहे है, जिसकी चर्चा पूरे जिले में होती है। और शायद यही बौखलाहट विवेक पटेल को हो रही है कि इतने कार्यो का १० प्रतिशत कार्य भी वो अपने नगर पालिका कार्य काल में काम नही करा पाये थे।

विधायक पटेल स्वयं अपने गिरेबान में झाके की उनके कार्यकाल में कितनी फर्जी खरीदी हुई

नपा अध्यक्ष श्रीमती दांदरे ने कहा की विधायक पटेल स्वयं अपने गिरेबान में झाके की उनके कार्यकाल में कितनी फर्जी खरीदी, फर्जी बिल एवं कमीशन बाजी हुई है, वो सर्व विदित है। यही कारण है कि यहाँ हमने शासन के एक एक पैसे से असंख्य बहुमूल्य, बहुआयामी निमार्ण कार्य कराये जो दिख भी रहा है। जिसके बताने के लिये कार्यकाल के अंत में विकास पुस्तिका भी हमको छपाना पडेगा। किन्तु पटेल के कार्यकाल में किताब तो दूर एक पन्ना छापने लायक कार्य भी नही हुये थे। सिर्फ पद का और पैसो का दुरूपयोग किया गया एवं बिना कार्य किए लाखो के बिल निकाले गये।

जनता ने उनके कहने से वोट दिया तो जनता की सुनवाई करना भी उनकी जवाबदारी है

नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने कहा कि विगत नगर पालिका चुनाव में तत्कालीन समय में वारासिवनी की जनता ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में भरोसा कर भाजपा, कांग्रेस को छोड़कर बाल्टी छाप की निर्दलीय सरकार बनाई। जब जनता ने उनके कहने से वोट दिया तो आम जनता की सुनवाई करना भी उनका कर्तव्य एवं जवाबदारी भी है। आज नगर पालिका में जनता दरबार मेरे नेतृत्व में एवं गुड्डा भैया के मार्गदर्शन में हो लग रहा है। इसमें किसी का पेट नही दुखना चाहिये। प्रदीप जायसवाल गुड्डा भैया हमारे नेता है, उन्ही के मार्गदर्शन से ही वारासिवनी नगर पालिका शहर के बुर्जगो, महिलाओं, बच्चो एवं व्यापारियों के सपनो को साकार करते हुऐ बड़े शहरो के तर्ज पर समस्त विकास कार्यो को अंजाम देकर एक आदर्श शहर का निमार्ण कर रही है। जिससे वारासिवनी की जनता पुन: स्व. कस्तुरचंद वर्मा, श्रीमती स्मिता जायसवाल के उल्लेखनीय कार्य काल को याद कर रही है।

सिर्फ हाथ हिलाने से और शादीयो में नाचने से विधायकी नही होती

नपा अध्यक्ष सरिता दांदरे ने कहा की विधायक पटेल अपने कार्य शैली को देखे कि उन्होने अपने कार्यकाल में जनता की किसी समस्या को उठाने हेतु कभी जन आंदोलन नही किया। कभी सड़को पर नही उतरे। कही पुतला दहन नही किया बजाये इसके जब भी कोई मंत्री या मुख्यमंत्री दौरे पर आते है, तो उनकी चरण वंदना करते है एवं मंच पर चुपचाप बैठे रहते है। और शासन के बजट से अब तक एक रूपया नही ला पाये है। आज क्षेत्र में जितने भी कार्य चल रहे है, सभी गुड्डा भैया के कार्यकाल में स्वीकृत है। सिर्फ हाथ हिलाने से, शादीयो में नाचने से विधायकी नही होती है।

शासकीय महाविद्यालय के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल को सौंपा ज्ञापन

विधि संकाय के नये भवन में अन्य विषय की क्लासेस लगने से अध्यापन कार्य में हो रही दिक्कते

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय विधि संकाय के तीनो वर्ष के विद्यार्थीयों ने सोमवार को पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल को ज्ञापन सौंपकर अध्यापन कार्य में आ रही दिक्कतो से अवगत कराया है। विधि विभाग के लगभग दो दर्जन छात्र छात्राओं ने ज्ञापन के माध्यम से बताया की विधि विभाग के नये भवन में अन्य संकाय की क्लासेस लगने से अब अध्यन कार्य में तकलीफो का सामना करना पड रहा है। इस दौरान फ रहान खान, सिद्वार्थ उके, आकाश खरोले, प्रतिभा उइके, दिक्षा उइके, शानू मेश्राम, पायल मरकाम, भारती मडावी, मेघा श्यामकुंवर, राम कोल्से, कुलदीप मात्रे, तिश्या उके, ग्रेसी देशमुख, हिमानी मडावी, अनामिका, रोशनी, सिद्वी बिसेन, खुश्बू ठाकरे सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे। छात्र फरहान खान ने बताया की पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने तात्कालिन समय में यह नया भवन विधि विभाग को समर्पित किया था। कितूं अब महाविधालय के द्वारा इस भवन में हिंदी विभाग, राजनिती विभाग और ईतिहास विषय के छात्रों की क्लासेस भी लगायी जा रही है। जिसके कारण विधि संकाय के विद्यार्थीयों को अध्ययन कार्य में तकलीफो का सामना करना पड रहा हैं। जगह की कमी के कारण विधि विभाग की लायब्रेरी भी संचालित नही हो पा रही है और लीगल क्लासेस भी नही लग पा रही है। इसी तरह विधि संकाय सिक्स सेमेस्टर की छात्रा प्रतिभा उइके ने बताया की इस नये भवन की सौगात तात्कालिन समय में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने अनुदान के रूप में देकर इसे विधि विभाग को प्रदान किया था। किंतु अब महाविद्यालय प्रंबधन और जनभागीदारी समिति इस भवन को कालेज का बताकर अन्य विषयो की क्लासेस भी इसी भवन मे संचालित कर रही हैं। जिससे विधि संकाय के तीनो साल के लगभग १५० विद्यार्थीयों को अध्ययन कार्य में बेहद दिक्कत का सामना करना पड रहा है। ज्ञापन के बाद पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने विधि संकाय के विद्यार्थीयो को आश्वस्त कराया है की उनकी समस्या के संबध में महाविद्यालय प्रंबधन समिति से चर्चा की जायेगी। साथ ही जरूरत पडी तो वे स्वंय महाविद्यालय में आकर विधि संकाय की अध्ययन कार्य की दिक्कतो को जल्द दूर कर करने का कार्य करेंगे।

कटंगी विधायक पारधी कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अनुसरण

ईवी कार से कर रहे क्षेत्र में भ्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र सिंह मोदी के द्वारा वैश्विक समस्याओं को देखते हुए उर्जा संरक्षण और राष्ट्रहित में ईंधन वाहनो का कम प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा ईंधन के कम उपयोग करने की सलाह देते कुछ दिनों पूर्व की गई है। जिस के बाद से लगातार जन प्रतिनिधियों द्वारा ईवी वाहनों का उपयोग बढ़ा दिया गया है और प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा भी प्रधानमंत्री के आव्हान के बाद अपनी काफिले में वाहनों की कटौती की गई और साथ ही दिल्ली भ्रमण के दौरान मेट्रो में सफ़र करते नज़र आए। कटंगी विधायक गौरव पारधी ने बताया कि विश्व में युद्ध के बाद हालत ख़राब हुई है और वैश्विक स्तर पर भी ईंधन की कमी और महंगाई बढ़ी है। जिसको ध्यान में रखते हुए और राष्ट्रहित में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ईंधन वाहनों के उपयोग से कम करने का आवाहन किया था और प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा उनके बातों को अनुसरण करते हुए अपनी काफ़ीले से वाहनों की कमी की। साथ ही मेट्रो में सफ़र किया है और इन सब चीज़ों को देखते हुए मैंने भी पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए और राष्ट्रहित में ईवी चार पहिया वाहन ख़रीदा है और उसी से क्षेत्र भ्रमण और अन्य स्थानों पर भ्रमण कर रहा हूं। साथ ही हम सभी को ईवी वाहनो का उपयोग ज्यादा करना चाहिए। जिससे पर्यावरण भी सुरक्षित रह सके और राष्ट्रहित में अपना योगदान भी दे सके।

उपयोग करने के लिए आव्हान किया है। गौरतलब है कि कटंगी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी के द्वारा डीजल वाहन के उपयोग बंद कर ईवी चार पहिया वाहन से क्षेत्र का भ्रमण और साथ ही अन्य स्थानों पर सफ़र किया जा रहा है। जहाँ एक तरह

मदनपुर में जंगली सूअरों का आतंक से किसान परेशान

रबी की कटाई के बीच खरीफ सीजन को लेकर किसान चिंतित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मदनपुर में इन दिनों किसान और ग्रामीण जंगली सूअरों के बढ़ते आतंक से बेहद परेशान हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि किसानों का अपने ही खेतों में अकेले जाना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। जंगली सूअर ना केवल फसलों को बेरहमी से नष्ट कर रहे हैं बल्कि इंसानों पर भी जानलेवा हमला करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ग्रामीणों के द्वारा इस गंभीर समस्या को लेकर वन विभाग को लिखित शिकायत भी दर्ज कराई जा चुकी है लेकिन वर्तमान तक विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे पूरे क्षेत्र के ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है।

आगामी खरीफ सीजन को लेकर सता रहा डर

प्राप्त जानकारी के अनुसार मदनपुर और आसपास के इलाकों में जंगली सूअर किसानों के लिए एक बड़ी जी का जंजाल बन चुके हैं। वर्तमान में गर्मी का दौर चल रहा है जिसमें रबी की फसल धान, गेहूं, चना, अलसी, सरसों आदि की कटाई और गहाई के काम में सूअरों का झुंड खेतों में दौड़कर फसलों को पैरों तले रौंदकर और जमीन खोदकर खाता रहा है। जिससे किसानों की मेहनत की गाढ़ी कमाई मिट्टी में मिल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में सूखा समय होने के कारण इन जंगली सूअरों ने गांवों के पास स्थित तालाबों डबरियों और नालों के पास की झाड़ियों में अपना पक्का ठिकाना बना लिया है। जैसे ही खेतों में नई फसल लगती है इनकी उपस्थिति चौबीसों घंटे वहां बनी रहती है। किसान अभी से चिंतित हैं कि दो महीने बाद जब खरीफ धान का मुख्य सीजन शुरू होगा तब यह समस्या और अधिक विकराल रूप ले लेगी। यदि समय रहते इनका समाधान नहीं किया गया तो आगामी सीजन में खेती करना नामुमकिन हो जाएगा। यह समस्या सिर्फ फसलों के नुकसान तक सीमित नहीं है बल्कि अब यह इंसानी जान पर बन आई है। ग्राम मदनपुर में जंगली सूअरों ने दो ग्रामीणों पर अचानक हमला कर दिया था जिसमें वे गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है और कोई भी किसान अकेले अपने खेत की तरफ जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। चूंकि वर्तमान में ग्रीष्मकाल के कारण खेत खाली हैं और सूखा समय है इसलिए मदनपुर के किसानों ने वन विभाग से मांग की है कि अधिकारी और मैदानी अमला तत्काल जंगली सूअरों को खेती वाले क्षेत्र से खदेड़कर वापस घने जंगलों की तरफ भेजे। ताकि आगामी खरीफ सीजन में किसानों को बड़ी राहत मिल सके और किसी भी अप्रिय जनहानि को रोका जा सके।

जंगली सूअर के आतंक से किसान बहुत परेशान है- सदन मानेश्वर

सदन मानेश्वर ने बताया कि जंगली सूअर बहुत परेशान करती है खेतों के तरफ दौड़ती रहती है इनकी संख्या बहुत ज्यादा हो गई है। यह किसी एक छोर पर नहीं चारों तरफ फैली हुई है और अपना स्थाई ठिकाना भी इन्होंने बना रखा है। वन विभाग को इसकी शिकायत भी करे थे परंतु आज तक कुछ नहीं हुआ है पिछले करीब ५ वर्षों से यह स्थिति खेतों के तरफ बनी हुई है। किसान खरीफ और रबी में जो भी फसल लगाता है उसे यह नुकसान पहुंचती है तो वहीं व्यक्ति को भी जान का डर लगा रहता है। महिलाएं खासतौर कर अकेले खेत नहीं जा पाती है वन विभाग को यह जंगली सूअर को खदेड़ना चाहिए।

जंगली सूअर से किसानों की फसल होती है प्रभावित- श्याम मात्रे

श्याम मात्रे ने बताया कि हमारे यहां जंगली सूअर का आतंक है बारिश होती है तो खेतों में इनका डेरा रहता है। अभी तालाब और नाले के किनारे में यह रहती है अभी गर्मी के मौसम में भी हम खेत नहीं जा पाते हैं। हम शिकायत करते हैं कोई असर नहीं होता है जंगली सूअर से दो व्यक्ति पहले ही घायल हो चुके हैं वह भी खेत काम करने गए थे। हमारा यह जो घर है उसके पीछे खेत है उसमें जंगली सूअर के बच्चे थे अभी सुखे समय है तो इन्हें भागना चाहिए ताकि बाद में होने वाले नुकसान से हम बच सके। क्योंकि यह खेतों में धान की फसल को रौंदती है उसकी बाली को खा जाती है अदरक गुइया जो भी फसल लगती है उसे यह खोदकर बर्बाद कर देती है। ५ वर्ष से अधिक का समय हो गया है दिक्कत हर किसान को है अभी खाली समय है तो इन्हें यहां से भगाया जाना चाहिए। यदि हम जंगली सूअर को कुछ करेंगे तो वन विभाग वाले हमें जेल भेज देंगे मगर उसको क्यों नहीं खदेड रहा पता नहीं।

मध्य प्रदेश में तेल पर टैक्स संकट- देश में तीसरा सबसे महंगा पेट्रोल, पड़ोसी राज्यों से भारी अंतर

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें पूरे देश में पेट्रोल-डीजल को महंगा कर रही हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में उपभोक्ताओं पर इसकी मार कहीं अधिक पड़ रही है। यहां पेट्रोल देश में तीसरा सबसे महंगा बिक रहा है, जिसकी मुख्य वजह राज्य का जटिल कर मॉडल को बताया जा रहा है। 16 मई, 2026 की राज्यवार रेट सूची के अनुसार, मध्य प्रदेश में पेट्रोल 109.71 रुपये प्रति लीटर है, जो केवल आंध्र प्रदेश (112.33 रुपये) और तेलंगाना (112.23 रुपये) से कम है। डीजल भी 94.88 रुपये के साथ देश के शीर्ष पांच महंगे राज्यों में शामिल है। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की तुलना में मध्यप्रदेश में पेट्रोल करीब 13 और डीजल 4 रुपये से अधिक महंगा है। यूपी में पेट्रोल 96.99 रुपये और डीजल 90.25 रुपये है, जिससे मप्र में पेट्रोल 12.72 रुपये और डीजल 4.72 रुपये महंगा पड़ रहा है। इस बड़ी कीमत के अंतर का कारण राज्य का विशिष्ट कर ढांचा है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में पेट्रोल पर 29 प्रतिशत वैट, 2.50 रुपये प्रति लीटर फिक्स टैक्स और 1 प्रतिशत सेस लगता है। इसी तरह, डीजल पर 19 प्रतिशत वैट, 1.50 रुपये प्रति लीटर फिक्स टैक्स और 1 प्रतिशत सेस लगाता है। मप्र में वैट डीलर कमीशन पर भी लगता है, यानी कर केवल तेल की मूल कीमत पर नहीं, बल्कि अन्य हिस्सों पर भी जुड़ता है, जिससे अंतिम कीमत काफी बढ़ जाती है। इस उच्च राधान नीति के गंभीर परिणाम राज्य के राजस्व पर भी पड़ रहे हैं। मध्य प्रदेश डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह के अनुसार, पड़ोसी राज्यों में सस्ता डीजल होने के कारण सीमावर्ती जिलों के उपभोक्ता वहीं से तेल भरवाते हैं। इस वजह से मप्र सरकार का करीब 4 से 5 हजार करोड़ रुपये का सालाना कारोबार दूसरे राज्यों में स्थानांतरित हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार तेल के दाम कम करती है, तब यह राजस्व वापस मध्य प्रदेश में आ सकता है और कुल राजस्व 16 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। हालांकि, इन सबके बावजूद, मध्य प्रदेश सरकार की पेट्रोलियम उत्पादों पर सेल्स टैक्स/वैट से होने वाली कमाई में पिछले एक दशक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पीपीएसी के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 में राज्य को इससे 6,831.8 करोड़ रुपये मिले थे, जो 2024-25 में बढ़कर 15,329.4 करोड़ रुपये हो गए ूू यानी एक दशक में 124 प्रतिशत की बढ़ोतरी। वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में ही पेट्रोलियम टैक्स से 11,395.3 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है, जो प्रति माह औसतन 1,266 करोड़ रुपये की आय दर्शाता है।

जनता का गुस्सा ही भाजपा सरकार का असली रिपोर्ट कार्ड -जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश में आपकी सरकार के मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड अब किसी बंद कमरे की समीक्षा बैठक में नहीं, बल्कि जनता के आक्रोश, विधायकों की नाराजगी और आपकी ही सरकार के भीतर उठे सवालों में खुलकर सामने आ रहा है। यह बात मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र जारी करते हुए कही है। पटवारी ने कहा कि एक तरफ आपकी प्रभारी मंत्री खुद स्वीकार कर रही हैं कि अलीराजपुर में विधायक नागर सिंह चौहान का शराब कारोबार समन्वय और शासन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। दूसरी तरफ देश की पहली वॉटर प्लस सिटी' इंदौर में जनता पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रही है और भाजपा विधायक तक सार्वजनिक कार्यक्रम छोड़कर जलसंकट पर अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। पटवारी ने कहा कि यह विपक्ष का आरोप नहीं है, यह आपकी सरकार के भीतर से निकलती हुई सच्चाई है। आप मंत्रियों से पूछ रहे हैं कि वे कितनी रातें जिलों में रुके, कितनी बैठकें कीं, कितने कार्यकर्ताओं से मिले? लेकिन जनता पूछ रही है कि कितने घरों तक पानी पहुंचा? कितनी बेटियां शराब और अपराध के डर से सुरक्षित हैं? कितने युवाओं का भविष्य नशे से बचा? कितने शहरों और गांवों में व्यवस्था बची हुई है? उन्होंने कहा कि आज हालत यह है कि जहां जनता पानी के लिए सड़कों पर है, वहां आप प्रचार में व्यस्त हैं। जहां विधायक जलसंकट पर कार्यक्रम छोड़ रहे हैं, वहां मंत्री समीक्षा की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं। जहां शराब माफिया सत्ता के संरक्षण में फल-फूल रहे हैं, वहां प्रशासन बेबस दिखाई देता है।

भीषण गर्मी की मार से झुलसता भारत

देश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। राजस्थान से लेकर गुजरात महाराष्ट्र ओडिशा उत्तरप्रदेश बिहार झारखंड मध्यप्रदेश और आंध्रप्रदेश तक गर्म हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग लगातार चेतावनी जारी कर रहा है कि दिन के समय धूप और लू से बचें क्योंकि तापमान कई इलाकों में 42 से 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर में 48.3 डिग्री तापमान रिकॉर्ड होने के बाद पूरा पश्चिमी भारत मानो आग की भट्टी में बदल गया है। राजस्थान इस समय देश का सबसे गर्म राज्य बना हुआ है। बाड़मेर लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर फलोदी जोधपुर और बीकानेर में भी तापमान 45 डिग्री के ऊपर पहुंच चुका है। मौसम विभाग ने बाड़मेर जैसलमेर और जोधपुर में रेड अलर्ट जारी कर लोगों को दोपहर में घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। हालात इतने खराब हैं कि जालोर में गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई। बिजली उपकरणों के ओवरहीट होने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। दूसरी ओर जैसलमेर में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का समय बदलना पड़ा ताकि जवानों को तेज धूप और लू से राहत मिल सके। अब पुलिसकर्मी सुबह और शाम की शिफ्ट में काम कर रहे हैं। गुजरात में भी स्थिति कम गंभीर नहीं है। उत्तर और दक्षिण गुजरात में हीटवेव के कारण लोगों की दिनचर्या बदल गई है। अहमदाबाद सूरत राजकोट और वडोदरा जैसे शहरों में दोपहर के समय बाजार सूने दिखाई देते हैं। लोग सुबह जल्दी और शाम को ही बाहर निकलना पसंद कर रहे हैं। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने बच्चों बुजुर्गों और मजदूरों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़कों पर ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। लोग लस्सी छाछ नींबू पानी और बर्फ के गोलों से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में भी सूरज आग बरसा रहा है। नागपुर अकोला और विदर्भ के कई हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। खेतों में काम करने वाले किसान और निर्माण कार्यों में लगे मजदूर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ओडिशा और आंध्रप्रदेश में समुद्री नमी के कारण उमस भी बढ़ गई है जिससे लोगों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बिहार झारखंड और उत्तरप्रदेश में भी लू ने लोगों को बेहाल कर दिया है। कई शहरों में अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। भीषण गर्मी का असर केवल इंसानों पर ही नहीं बल्कि पशु पक्षियों पर भी दिखाई दे रहा है। पेड़ों के नीचे जानवर छांव तलाशते नजर आते हैं जबकि पक्षी पानी की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। कई जगह सामाजिक संगठनों और छात्रों ने परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था शुरू की है। यह पहल गर्मी के इस कठिन समय में संवेदनशीलता का उदाहरण बन रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल गर्मी का स्वरूप और अधिक खतरनाक होता जा रहा है। जंगलों की कटाई बढ़ते प्रदूषण और अनियोजित शहरीकरण ने तापमान को और बढ़ाया है। शहरों में कंक्रीट और डामर की सड़कों के कारण गर्मी अधिक महसूस होती है। जल स्रोतों के सूखने और भूजल स्तर गिरने से समस्या और गंभीर बन रही है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। लू और भीषण गर्मी से बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए।

परीक्षा पेपर लीक,मूल्यांकन अनियमितताएं परीक्षा माफियाओं का बढ़ता नेटवर्क डंक

शिक्षा व्यवस्था केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास,आर्थिक प्रगति और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला बनी-पेपर लीक और मूल्यांकन अनियमितताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई अत्यंत आवश्यक

वैश्विक स्तरपर वर्तमान डिजिटल आधुनिक और प्रौद्योगिकी आधारित युग में शिक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता,ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली,डिजिटल मूल्यांकन क्लाउड डेटा स्टोरेज और इंटरनेट आधारित प्रशासनिक तंत्र ने शिक्षा क्षेत्र को अत्यधिक तेज,सुविधाजनक और वैश्विक बना दिया है। आज एक छात्र मोबाइल फोन से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकता है, ऑनलाइन परीक्षा दे सकता है, डिजिटल मार्कशीट प्राप्त कर सकता है और पुनर्मूल्यांकन तक की प्रक्रिया घर बैठे पूरी कर सकता है। लेकिन दूसरी ओर यही तकनीकी युग शिक्षा प्रणाली के सामने एक गंभीर संकट भी खड़ा कर रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानींगोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि परीक्षा पेपर लीक, मूल्यांकन अनियमितताएं, साइबर धोखाधड़ी, डेटा चोरी और परीक्षा माफियाओं का बढ़ता नेटवर्क अब शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को चुनौती देने लगा है।सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अनेक नियम, कानून, डिजिटल सुरक्षा प्रणाली और निगरानी तंत्र होने के बावजूद पेपर लीक की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। यह स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों में परीक्षा सुरक्षा और मूल्यांकन पारदर्शिता एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है।ऐसे संवेदनशील माहौल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई द्वारा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों के बाद पुनर्मूल्यांकन और रीचेकिंग की विस्तृत प्रक्रिया घोषित करना अत्यंत महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शनिवार, 16 मई 2026 को बोर्ड ने स्पष्ट किया कि उत्तर पुस्तिकाओं की जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और छात्र हितैषी बनाने के लिए तीन चरणों वाली ऑनलाइन प्रणाली लागू की जाएगी इसमें सत्यापन उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी और पुनर्मूल्यांकन की सुविधाएं दी जाएंगी। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में छात्रों और अभिभावकों द्वारा मूल्यांकन त्रुटियों, गलत टोटलिंग, अनदेखे प्रश्नों और कम अंक दिए जाने को लेकर अनेक शिकायतें सामने आती रही हैं। डिजिटल युग में केवल परीक्षा लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि परीक्षा परिणामों की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक हो गया है।

साथियों बात अगर हम सीबीएसई द्वारा घोषित प्रक्रिया के चरणों की करें तो पहला महत्वपूर्ण चरण उत्तर पुस्तिका की स्कैन की गई फोटोकॉपी उपलब्ध कराना है। जिन छात्रों को अपने मूल्यांकन पर संदेह है, वे 19 मई से 22 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करके अपनी उत्तर पुस्तिका की कॉपी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए प्रति विषय 700 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। यह व्यवस्था छात्रों को अपने उत्तरों को स्वयं देखने और मूल्यांकन प्रक्रिया को समझने का अवसर प्रदान करती है। पहले छात्रों को यह पता ही नहीं चल पाता था कि परीक्षक ने उत्तरों की जांच किस प्रकार की है, किन प्रश्नों में अंक कटे हैं और क्या कोई प्रश्न बिना जांचा रह गया है। लेकिन अब उत्तर पुस्तिका की डिजिटल कॉपी उपलब्ध होने से छात्र अपने प्रदर्शन का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण कर सकेंगे। यह कदम शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा सुधार माना जा रहा है।

साथियों दूसरा चरण अंकों के सत्यापन का है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत छात्र यह जांच करवा सकते हैं कि उत्तर पुस्तिका के कुल अंक सही तरीके से जोड़े गए हैं या नहीं तथा कहीं कोई प्रश्न बिना जांचे तो नहीं रह गया। इसके लिए आवेदन की तिथियां 26 मई से 29 मई 2026 निर्धारित की गई हैं और शुल्क 500 रुपये प्रति विषय रखा गया है।यह प्रक्रिया इसलिए अत्यंतआवश्यक है क्योंकि कई बार मानवीय त्रुटियों के कारण अंक जोड़ने में गलती हो जाती है। भारत जैसे विशाल परीक्षा तंत्र में जहां लाखों उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन होता है, वहां छोटी-छोटी त्रुटियां भी छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर सकती हैं। एक अंक कम या अधिक होने से कॉलेज प्रवेश, मेरिट सूची, छात्रवृत्ति और प्रतियोगी परीक्षाओं की पात्रता तक प्रभावित हो सकती है। इसलिए अंक सत्यापन की सुविधा छात्रों के अधिकार और न्यायपूर्ण मूल्यांकन का सटीक रूप से महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

साथियों तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण चरण पुनर्मूल्यांकन यानी री-इवैल्यूएशन का है। यदि किसी छात्र को लगता है कि उसके उत्तरों का उचित मूल्यांकन नहीं हुआ है या अंक अपेक्षा से कम दिए गए हैं, तो वह प्रश्नवार पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए भी आवेदन अवधि 26 मई से 29 मई 2026 तक रखी गई है और प्रति प्रश्न 100 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। यह व्यवस्था छात्रों को एक प्रकार का अकादमिक न्याय प्रदान करती है। कई बार परीक्षक की व्यक्तिगत व्याख्या, समय का दबाव या मानवीय चूक छात्रों के अंकों को प्रभावित कर सकती है। पुनर्मूल्यांकन प्रणाली ऐसे मामलों में सुधार का अवसर देती है। हालांकि सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि पुनर्मूल्यांकन के बाद अंक बढ़ भी सकते हैं, घट भी सकते हैं और यथावत भी रह सकते हैं। जांच के बाद जो अंक निर्धारित होंगे, वही अंतिम माने जाएंगे। यह नियम छात्रों को सावधानीपूर्वक निर्णय लेने के लिए सटीक रूप से प्रेरित करता है।

साथियों सीबीएसई द्वारा सभी प्रक्रियाओं को पूर्णतः ऑनलाइन करना भी डिजिटल शिक्षा प्रणाली की दिशा में एक बड़ा कदम है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि आवेदन केवल आधिकारिक वेबसाइट और परिणाम पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगेऑफलाइन आवेदन या स्कूलों के माध्यम से भेजे गए प्रपत्र अमान्य माने जाएंगे। इससे न केवल प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी बल्कि भ्रष्टाचार और मध्यस्थता की संभावना भी कम होगी। डिजिटल प्रणाली छात्रों को घर बैठे आवेदन करने की सुविधा देती है और रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने में भी मदद करती है। हालांकि इसके साथ साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता की चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। यदि शिक्षा प्रणाली को पूर्णतः डिजिटल बनाना है तो मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचे की भी आवश्यकता होगी ताकि छात्रों की जानकारी और परीक्षा डेटा सुरक्षित रह सके।सीबीएसई ने यह भी घोषणा की है कि जो छात्र अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहते हैं या कंपार्टमेंट श्रेणी में हैं, उनके लिए सप्लीमेंट्री परीक्षा 15 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी। इसके लिए ‌लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स‌ भरने की प्रक्रिया 2 जून 2026 से शुरू होगी। यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए राहत का माध्यम है जो किसी कारणवश अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल असफल घोषित करना नहीं, बल्कि छात्रों को सुधार और पुनः अवसर प्रदान करना भी होना चाहिए। यही कारण है कि दुनिया की उन्नत शिक्षा प्रणालियां निरंतर मूल्यांकन, वैकल्पिक परीक्षा और सुधारात्मक अवसरों पर जोर दे रही हैं।

साथियों, हाल ही में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट यूजी पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की गई कार्रवाई ने पूरे देश को झकझोर दिया। सीबीआई ने कथित मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया, जो महाराष्ट्र के लातूर का एक केमिस्ट्री प्रोफेसर बताया जा रहा है। जांच एजेंसी के अनुसार वह नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ा हुआ था और इसी कारण उसे प्रश्न पत्रों तक पहुंच प्राप्त थी। यह मामला केवल एक अपराध की कहानी नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था के भीतर मौजूद विश्वास संकट का प्रतीक बन चुका है। जब परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े लोग ही गोपनीयता भंग करने लगें, तब आम छात्रों और अभिभावकों का भरोसा स्वाभाविक रूप से डगमगाने लगता है। भारतीय समाज में सदियों से शिक्षा को ईमानदारी, परिश्रम और नैतिकता का माध्यम माना गया है, लेकिन जब ‌घर का भेदी लंका ढाए‌ जैसी स्थिति सामने आती है तो पूरी व्यवस्था कटघरे में खड़ी दिखाई देती है। यही कारण है कि अब शिक्षा मंत्रालय परीक्षा एजेंसियों और राज्य सरकारों को केवल तकनीकी सुधार नहीं बल्कि कठोर रणनीतिक और नैतिक सुधारों की भी आवश्यकता महसूस हो रही है।

साथियों, दरअसल, पेपर लीक की घटनाएं केवल परीक्षा रद्द होने या छात्रों की परेशानी तक सीमित नहीं रहतीं। इनके दूरगामी सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव होते हैं। लाखों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, परिवार अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करते हैं, कोचिंग उद्योग अरबों रुपये का कारोबार करता है और पूरा भविष्य एक परीक्षा पर निर्भर हो जाता है। ऐसे में यदि पेपर लीक हो जाए तो ईमानदार छात्रों का मनोबल टूटता है, समाज में अविश्वास बढ़ता है और योग्यता आधारित व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यही कारण है कि आज दुनिया के विकसित देशों में परीक्षा सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया जा रहा है।अमेरिका ब्रिटेन, चीन, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देशों ने डिजिटल एन्क्रिप्शन, मल्टी लेयर ऑथेंटिकेशन, लाइव मॉनिटरिंग और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी तकनीकों का उपयोग शुरू किया है। भारत भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन विशाल जनसंख्या और बहुस्तरीय प्रशासनिक ढांचे के कारण चुनौतियां कहीं अधिक जटिल हैं। साथियों आज शिक्षा व्यवस्था केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास, आर्थिक प्रगति और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला बन चुकी है। यदि परीक्षा प्रणाली पर से विश्वास समाप्त हो जाए तो पूरी प्रतिभा आधारित व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। इसलिए पेपर लीक और मूल्यांकन अनियमितताओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। केवल छोटे कर्मचारियों को पकड़ लेने से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए संगठित परीक्षा माफियाओं, तकनीकी अपराधियों और भ्रष्ट नेटवर्क पर व्यापक कार्रवाई करनी होगी। साथ ही परीक्षा प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा मंत्रालय को अब बहुस्तरीय सुरक्षा रणनीति अपनानी चाहिए। प्रश्न पत्र निर्माण से लेकर वितरण और मूल्यांकन तक हर चरण में डिजिटल ट्रैकिंग, एन्क्रिप्शन और निगरानी आवश्यक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम, ब्लॉकचेन तकनीक और सुरक्षित क्लाउड सर्वर जैसे उपाय भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन, फेस रिकग्निशन और लाइव निगरानी भी लागू की जा सकती है। लेकिन तकनीक के साथ-साथ नैतिक शिक्षा और प्रशासनिक ईमानदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

ईरान -इजराइल अमेरिका सयुंक्त युद्ध को टालना चाहिए

परिश्रम और खेल कूद में भाग लेंगे तो आप स्वस्थ रहेंगे और साथ ही आप अपने रोज के सभी कार्य सक्रिय रूप से कर पाएंगे। हम मनुष्य को मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार से स्वस्थ रहना बहुत ही आवश्यक होता है जिसमें खेल कूद बहुत अहम भूमिका निभाते है।खेल-कूद से हमारे मन का तनाव दूर होता है और इससे मन और शरीर को शांति मिलती है। कभी-कभी यही खेल कूद जीवन के मुश्किल समय में शरीर को शक्ति देता है। खेल-कूद शरीर में रक्त संचरण को सही रखता है।नियमित रूप से खेलकूद में भाग लेने वाले लोग समय के महत्व को सही रूप में समझ पाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि खेलकूद प्रतियोगिताओं में हर एक मिनट और सेकेंड का बहुत मूल्य होता है जिसके कारण जीवन में भी समय के मूल्य को वह समझ पाते हैं।खेलकूद बच्चों के साथ-साथ बड़ो के लिए भी जरूरी है। यह अपने हर दिन के ऑफिस के कामों के बादपरिवार के साथ समय बिताने के लिए अच्छा है। बढ़ते बच्चों के लिए खेल में भाग लेना बहुत अच्छा होता है क्योंकि इससे उनका विकास और बेहतर तरीके से होता है।सामान्य अर्थ में खेल कूद एक प्रतिस्पर्धात्मक और प्रशिक्षित शारीरिक गतिविधि का नाम है जो हमें तनावों, चिंताओं एवं अनेक परेशनियों से मुक्त कर जिंदगी भर स्वस्थ्य बनाएं रखता है दूसरे शब्दों में कहे तो खेल से आप आजीवन फिट रह सकते है क्योंकि खेल ही है जो हरेक प्रकार के शारीरिक, सामाजिक, मानसिक, बौद्धिक, और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य गुणों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान करता है खेल कूद मानव जीवन के लिए एक वरदान है जो उसे स्वस्थ्य रखने के लिए उपहार स्वरूप मिली है खेल में भाग लेने से सबसे पहला लाभ स्वास्थ्य ही है क्योंकि खेल का मैदान वह स्थान है जो स्वास्थ्य पर एक स्थायी छाप छोड़ता है यह शरीर का एक ऐसा ढ़ाचा तैयार करता है जो चुस्त फुर्तीला और बलिष्ठ होता है खेल शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिमय बनाये रखता है खेल कूद के दौरान शरीर के लगभग सभी अंगों का व्यायाम हो जाता है, शारीरिक व्यायाम को विभिन्न कारणों से किया जाता है जिसमें मांसपेशियों और हृदयतंत्री प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, एथलीटिक कौशल को बढ़ाना, वजन घटाना या उसे बनाए रखना तथा मनोरंजन आदि शामिल हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम आवश्यक है। यदि किशोर शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं तो उनके बीमार होने का जोखिम बहुत है।बार बार और नियमित रूप से किया गया व्यायाम प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और हृदय रोग, हृदयतंत्री रोग टाइप टू का मधुमेह तथा मोटापे जैसी जीवन शैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में सहायता करता है। शरीर की मांसपेशिया सुदृढ़ बनती है और काया निरोगी रहती है एक प्राचीन कहावत है पहला सुख निरोगी काया सत्य ही है कि निरोग शरीर जीवन का सर्वश्रेष्ठ सुख है जब शरीर स्वस्थ्य होगा तो मनुष्य अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन और जीवन के सुखों का आनन्द उठा सकता है लेकिन आजीवन स्वास्थ्य सुखों का लाभ पाने के लिए शारीरिक क्षमताओं का विकास होना जरुरी होता है जो खेल के मैदान में सरलता से विकसित हो जाता है खेल का जीवन में समर्पण की भावना विकसित करने में मूल्यवान भूमिका होती है खेल के मैदान में खिलाड़ी निष्पक्षता, न्याय और हार दू जीत दोनों को समान रूप से ग्रहण करता है अपने प्रतिद्वंदी के प्रति सहज भाव रखता है वह जानता है कि खेल में कभी जीत होती है, तो कभी हार होती है वह अपने प्रतिद्वंदी के बढ़िया खेल की खुलकर सराहना करता है, उसकी जीत पर मुक्त कंठ से बधाई देता है और द्वेष की भावना को पास तक नहीं भटकने देता उसके जीवन में ये सब गुण खेलों से ही तो आते है कहा जाता है कि जीवन में सफलता हासिल करनी हो तो अनुशासन रूपी कुंजी साथ में जरुर होनी चाहिए और जो खेल के मैदान में तेजी से फलता फूलता है अनुशासन जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है राष्ट्रीय और सामाजिक जीवन में अनुशासन के महत्व का पाठ खेलों के मैदान में सरलता से सीखा जा सकता है खेलों के द्वारा जीवन में पारस्परिक सम्मान के सद्गुण का विकास होता है खेलों के खिलाडियों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे एक दूसरे खिलाडियों का सम्मान करे सम्मान पाने का उपाय भी यही है कि दूसरों का सम्मान करो खेलों में जब खिलाडी अपने साथी खिलाडी को सम्मान नहीं देते है तो उन्हें आदर्श खिलाड़ी नहीं कहा जाता इसलिए प्रत्येक श्रेष्ठ खिला ?ी अपने साथी खिलाड़ियों का सम्मान करता है जिससे उनमें पारस्परिक सम्मान के गुणों का विकास होता है खेलों से 'टीम स्प्रिट' का विकास होता है 'टीम स्प्रिट' का मतलब हर उस खिलाड़ी से है जो अपने पृथक दू पृथक व्यक्तित्व को टीम के व्यक्तित्व में विलीन कर दे इसमें टीम का हर खिलाड़ी सम्पूर्ण टीम के लिए खेलता है केवल अपने लिए नहीं यह 'टीम स्प्रिट' की भावना जो वह खेलों के द्वारा अपने अंदर विकसित करता है तो यही उसके व्यावहारिक जीवन की समस्याओं का समाधान करने में अत्यधिक लाभदायक सिद्ध होता है खेलकूद में शारीरिक व्यायाम भी महत्वपूर्ण है शारीरिक व्यायाम एक ऐसी गतिविधि है जो शारीरिक निरोगता अथवा समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाती है या बनाए रखती है। खेल देश की प्रगति के लिए भी बहुत जरूरी है जो ओलोंपिक में किसी खेल में ज्यादा मेडेल लाता है उसे दुनिया उतना ही अधिक शक्तिशाली मानती है महान क्रिकेटर श्री सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट में देश को वह गौरव प्रदान किया कि देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान किया गया आजकल क्रिकेट में भारत में आईपीएल लीग मैच चल रहा है और जब सारे चैनलों पर युद्ध की दर्दनाक कहानी सुनकर रातों की नींद हराम हो जाती है क्योंकि यह साफ हो गया कि दो राष्ट्र ईरान और अमेरिका इजराइल के बिच हुए युद्ध में हर जगह तबाही का मंजर दिख रहा है और अभी सीजफायर तो है लेकिन हार्मोज पर संकट गहराता जा रहा है और अभी भारत के जहाज पर आई आर जी सी द्वारा हुए हमले में भारत ने अपना कड़ा रुख अपनाया है इसलिए यूएई से कई क्षेत्र में अच्छा डील किया है और भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मलेन में ईरान की इस हेतु निंदा की है जो यह दिखाता है कि भारत किसी के बहकावे में नहीं आने वाला वह किसी भी देश को अपनी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों पर चलने वाला देश है मानवता की रक्षा करना ही उसका उद्देश्य है अतः इसपर वो किसी को समर्थन नहीं कर रहा है , पूर्व प्रधान मंत्री स्व अटलजी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बहुत बड़ा कदम 1998 में बिना किसी के डर के एक के बाद एक पांच परमाणु परीक्षण कर दिया और सारे देश दंग रह गए और इस अवसर पर 11मई को हर साल नेशनल टेक्नोलॉजी डे का ऐलान भी किया और जय जवान, जय किसान,के साथ जय विज्ञान का नारा भी दे दिया कुछ समय और सरकार चलती तो आज देश जरूर पुरी तरह देश के वैज्ञानिकों के बल पर आत्मनिर्भर हो जाता है उसके बाद 2004 के चुनाव में जब युपीए का शासन आया जब की बहुमत भी नहीं मिला लेकिन कम्युनिस्ट पार्टी के सपोर्ट से किसी तरह सरकार चलती रही व 26/11/2008 की आंतकवादी हमले ने देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई चंद पाकिस्तान के सपोर्ट से आंतकवादी हमले ने कई निर्दोष नागरिकों की बड़ी बेहरमी से हत्या कर दी और आश्चर्य तो तब हुआ जब पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री व भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री डाक्टर मनमोहन सिंह ने 2011 के भारत के साथ पाकिस्तान के खिलाफ मोहाली में सेमिफाइनल मैच का आनंद लेकर बिरयानी खा रहे थे ऐ देश के लिए बहुत ही शर्मिंदा जैसी घटनाएं हैं मैच भारत ने अवश्य जिता लेकिन मानवता हार गई क्योंकि आपने एक ऐसे देश के प्रधानमंत्री को मेहमाननवाजी की जिसके आंतकवादी संगठन ने देश को गुमराह किया उस समय पूर्व विदेश मंत्री स्व प्रणव मुखर्जी ने पाकिस्तान को इस हमले की कई डोसियस सौंपे थे आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने पुलवामा में सीआरपीएफ के गाड़ी के हमले के बाद उसके घर में ही मारा दो सर्जिकल स्ट्राइक ने उसकी निंव को हिला दिया और जब पहगांव में 26 निर्दोष नागरिक की आतंकवादी ने हत्या कर दि तो भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत उसके कई आतंकवादी शिविर को मिट्टी में मिला दिया आज पाकिस्तान की ईरान से बढ़ती नजदीकी भारत के लिए खतरा है गाली पाकिस्तान से दब जाएंगे तो देश का क्या हाल होगा कारगील युद्ध में भी अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने उसे उतनी ऊंचाई से भी बहुत पिछे खदेर दिया व भारत के एक एक इंच जमीन के लिए कौरवों को हराकर देश को आत्मनिर्भर बनाने की पुरी कोशिश है और आज मोदी सरकार के फैसलों ने तो रुस और अमेरिका दोनों हैरान हो गए लेकिन शायद कोई भी देश कितना मजबूत ही कर्मों न हो भारत के उपर आंख उठाकर भी नहीं देख सकता क्योंकि सबको मालूम है कि अभी मोदी सरकार है जो देश की रक्षा के लिए कोई भी खतरनाक कदम उठा सकती है। खेल चाहे किसी स्टेडियम में आईपीएल का मैच हो या जंग के मैदान में खुशी खेल खेला जाए अपने मिट्टी के लिए सब मिलकर अपने देश के लिए मर मिटने के लिए तैयार हों यह देश की शान का प्रश्न है भारत के लोगों में देशभक्ति का जज्बा है अमेरिका अब ईरान से डर कर कोई औपचारिक रूप से लड़ाई न लड़ पा रहा है क्योंकि उसे रुस की ताकत का एहसास है वो सिर्फ ईरान को बली का बकरा बनाकर रसियन के हथियारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा है और विजेता बनने के चक्कर में के ईरान के निर्दोष नागरिक को मरवा रहा है खैर खेल जो भी हो वह देशप्रेम की भावना से खेलना चाहिए क्योंकि आपका एक दिन मरना तय है लेकिन जो देश की रक्षा के लिए शहीद हो जाते हैं उसे लोग देश का गौरव मानते हैं उसे लोग सदियों तक याद करते हैं जिस अमेरिका ने जापान पर द्वितीय युद्ध के दौरान हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम गिराए और लाखों लोगों की मौत हो गई वह हारता देख पुनः कोई भी कदम ईरान के खिलाफ उठा सकता है इसलिए इस युद्ध को आपसी सहमति से टाला जाए।

- संजय गोस्वामी

आदिवासी मौन क्रांति के महानायक- गणि राजेन्द्र विजय

-ललित गर्ग

समाज परिवर्तन के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो मंचों की चकाचौंध, प्रचार के कोलाहल और सम्मान की आकांक्षाओं से दूर रहकर भी अपने कार्यों से युग की दिशा बदल देते हैं। वे न तो प्रसिद्धि के भूखे होते हैं, न राजनीतिक शक्ति के प्रदर्शन के इच्छुक। उनका जीवन ही उनका संदेश बन जाता है और उनका मौन कर्म ही उनकी पहचान। ऐसे ही व्यक्तित्व हैं गणि राजेन्द्र विजयजी, जिन्होंने आदिवासी समाज के उत्थान, अहिंसक चेतना के प्रसार और संस्कार आधारित सामाजिक पुनर्निर्माण के माध्यम से एक ऐसी परिवर्तन-धारा प्रवाहित की है, जो आज अनेक क्षेत्रों में आशा की नई किरण बनकर उभर रही है। आज जब समाज का बड़ा हिस्सा प्रदर्शन, प्रचार और शक्ति-प्रदर्शन की मानसिकता से प्रभावित है, तब गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य हमें यह विश्वास दिलाता है कि बिना शोर किए भी इतिहास रचा जा सकता है। उन्होंने अपने जीवन को आदिवासी समाज के पुनर्जागरण के लिए समर्पित कर दिया। यह समर्पण केवल भाषणों या घोषणाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धरातल पर उसके ठोस परिणाम दिखाई देते हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के अनेक आदिवासी क्षेत्रों-कंवाट, बलद, रंगपुर, बोडेली और अन्य अंचलों में सामाजिक परिवर्तन की जो नई तस्वीर दिखाई देती है, वह इसी तप, त्याग और दूरदर्शिता का परिणाम है। आदिवासी समाज को अक्सर विकास की मुख्यधारा से दूर माना गया है। इतिहास गवाह है कि इस समाज को लंबे समय तक उपेक्षा, अभाव, शोषण और विस्थापन का सामना करना पड़ा। उनके संसाधनों का उपयोग तो हुआ, पर उनके जीवन में समृद्धि नहीं पहुंची। उनके जंगल, जल और जमीन पर अधिकारों की लड़ाइयां चलती रहीं, लेकिन उनके आंसुओं को समझने वाले बहुत कम मिले। ऐसे समय में यदि कोई संत उनके बीच जाकर उन्हें आत्मविश्वास, शिक्षा, संस्कार और अहिंसा का मार्ग दिखाए, तो वह केवल सेवा नहीं बल्कि सामाजिक पुनर्जन्म का कार्य है। गणि राजेन्द्र विजयजी ने यही किया। उन्होंने आदिवासी समाज को दया का पात्र नहीं माना, बल्कि क्षमता और संभावनाओं से भरे समुदाय के रूप में देखा। उन्होंने उनमें आत्मसम्मान जगाया, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि विकसित की और यह विश्वास पैदा किया कि वे भी राष्ट्र निर्माण के सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। उनके प्रयासों का एक महत्वपूर्ण आयाम है-सुखी परिवार अभियान। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों की पहली पाठशाला है। यदि परिवार टूटते हैं तो समाज बिखरता है और यदि परिवार मजबूत होते हैं तो राष्ट्र मजबूत होता है। इसी सोच के साथ सुखी परिवार फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2006 से संचालित यह अभियान समाज में संस्कार, संवाद और समरसता का वातावरण निर्मित कर रहा है। मुझे इस अभियान से प्रारंभ से जुड़ने और संस्थापक महामंत्री से लेकर वर्तमान में अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, यह मेरा सौभाग्य है। इस यात्रा में मैंने निकट से देखा है कि गणिजी परिवार को समाज परिवर्तन की मूल इकाई मानते हैं। उनका स्पष्ट विचार है कि यदि माता-पिता संस्कारवान होंगे, तो बच्चों में स्वतः चरित्र, अनुशासन और नैतिकता का विकास होगा। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक संकट की है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ रही हैं, लेकिन संवेदनाएं घट रही हैं। शिक्षा का विस्तार हुआ है, पर संस्कारों का क्षरण भी तेज हुआ है। आधुनिकता की दौड़ में परिवारों का संवाद टूट रहा है और बच्चे दिशाहीनता की ओर बढ़ रहे हैं। यदि बाल पीढ़ी संस्कारों से वंचित हो गई, तो उसका प्रभाव केवल परिवार तक सीमित नहीं रहेगा; वह पूरे समाज और राष्ट्र के चरित्र को प्रभावित करेगा। यही कारण है कि गणि राजेन्द्र विजयजी बच्चों और युवाओं के चरित्र निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। वे मानते हैं कि भारत का भविष्य केवल तकनीकी विकास से सुरक्षित नहीं होगा, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से ही सशक्त बनेगा। आज भारत को केवल आर्थिक क्रांति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक क्रांति की आवश्यकता है। यह कार्य केवल सरकारी तंत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सरकारें सड़कें, भवन और योजनाएं बना सकती हैं, लेकिन संस्कारों का निर्माण समाज और परिवार ही कर सकते हैं। वास्तविक शिक्षा वही है जो व्यक्ति को मनुष्य बनाए, उसमें संवेदना जगाए, जिम्मेदारी का बोध कराए और उसे जीवन के प्रति नैतिक दृष्टि दे। केवल डिग्रियां समाज को महान नहीं बनातीं, चरित्र बनाता है। यदि शिक्षा के साथ संस्कार नहीं जुड़े, तो ज्ञान भी विनाश का कारण बन सकता है। आदिवासी क्षेत्रों में गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा किए गए प्रयास इसी दिशा में एक उज्ज्वल प्रयोग हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि समाज के सबसे उपेक्षित वर्गों तक प्रेम, शिक्षा और अवसर पहुंचाए जाएं, तो वे हिंसा से अहिंसा और निराशा से विकास की ओर अग्रसर हो सकते हैं। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि जिन क्षेत्रों में कभी हिंसा, संघर्ष, भय और वैमनस्य की स्थितियां बनी रहती थीं, वहां आज संवाद, सहयोग और शांति का वातावरण विकसित हुआ है। यह परिवर्तन किसी प्रशासनिक दबाव या राजनीतिक हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शक्ति और मानवीय विश्वास से संभव हुआ। कई अवसर ऐसे आए जब विभिन्न विरोधी समूह हिंसक संघर्ष की स्थिति में थे। वातावरण तनावपूर्ण था और जनहानि की आशंका थी। ऐसे समय में गणि राजेन्द्र विजयजी ने केवल मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभाई, बल्कि अपने आध्यात्मिक प्रभाव, विश्वास और संवाद की शक्ति से विरोधी पक्षों को एक मंच पर लाने में सफलता प्राप्त की। यह कार्य साधारण नहीं है। जहां हथियार बोलते हों, वहां प्रेम की भाषा स्थापित करना किसी चमत्कार से कम नहीं। हिंसा से घिरे क्षेत्रों को अहिंसा की दिशा में मोड़ देना वास्तव में सामाजिक क्रांति है। आज देश के सामने नक्सलवाद, माओवाद, आतंकवाद और अलगाववाद जैसी अनेक चुनौतियां हैं। इन समस्याओं के समाधान प्रायः राजनीतिक दृष्टिकोण से खोजे जाते हैं, लेकिन अनुभव यह बताता है कि केवल राजनीतिक उपाय पर्याप्त नहीं होते। जब तक अभाव, उपेक्षा और असमानता समाप्त नहीं होगी, तब तक समस्या की जड़ बनी रहेगी। हिंसा की भूमि अक्सर भूख, बेरोजगारी और उपेक्षा से तैयार होती है। जब व्यक्ति की मूल आवश्यकताएं अधूरी रहती हैं, तब उसके भीतर असंतोष जन्म लेता है। ऐसे में केवल सिद्धांत या भाषण समाधान नहीं बन सकते। जब किसी को रोटी चाहिए, तब उसे दर्शन नहीं, पहले भोजन चाहिए। जब जीवन में सम्मान और अवसर नहीं हों, तब आदर्शों की बातें खोखली लगने लगती हैं। इसलिए सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत मनुष्य की मूल आवश्यकताओं और उसकी गरिमा से होनी चाहिए। गणि राजेन्द्र विजयजी ने इस सत्य को समझा। उन्होंने आदिवासी समाज को केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि उन्हें जीवन जीने का आधार दिया-प्यार, करुणा, आत्मविश्वास और सहारा। वास्तव में आदिवासी समाज के भीतर अपार संभावनाएं हैं। उनके जीवन में प्रकृति से जुड़ाव है, श्रम की संस्कृति है, सामूहिकता की भावना है और जीवन के प्रति सहज दृष्टि है। लेकिन बाहरी शक्तियों ने कई बार उनके उजालों को छीनने का प्रयास किया। आज भी उनके सामने बाहरी चुनौतियों से अधिक भीतरी संकट हैं-हिंसा, अलगाव, नशा, अशिक्षा और सामाजिक विघटन। इन चुनौतियों का समाधान केवल कानून या राजनीति नहीं कर सकती। इसके लिए समाज के भीतर प्रकाश जगाने की आवश्यकता है। गणि राजेन्द्र विजयजी का कार्य उसी प्रकाश का अवतरण है। उन्होंने आदिवासी उत्थान को अपने जीवन का संकल्प ही नहीं, अपनी साधना बना लिया है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि यदि सेवा में समर्पण हो, दृष्टि में करुणा हो और लक्ष्य में मानवता हो, तो परिवर्तन अवश्य संभव है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते सोमवार को अनाज मंडी में चना बढ़त पर रहा। मसूर में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 7000-7200 रू. प्रति क्विंटल पर टिकाव रहा। किराना जिंसों में शक्कर व खोपरा गोला मजबूती पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली से बाजार बढ़त पर रहे। चना 5850-5900 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखा गया। मसूर में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन 7000-7200 रू. प्रति क्विंटल पर बाजार बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर व खोपरा गोला सुर्ख रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4140-4250, खोपरा गोला 340-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 225-250, ऊंझा हल्का 250-280, बेस्ट 270-290, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल- सींगदाना 1580-1600, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2470, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1465-1475, कपास्या 1460-1465, धूलिया 1470, कड़ी 1475,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1530, मुम्बई पाम 1475, मुम्बई सोया 1490

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6500-6700, सोयाबीन 7000-7200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5600-5700, विशाल 5775-5825, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7700-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, मीडियम 7800-7900, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को विदेशी बाजारों में बनी सुस्ती से स्थानीय सराफा बाजार में सोना नरमी पर रहा। चाँदी में तेजी रही। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 263000, चाँदी (99) 262900, टंच 262600, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 157700,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 42 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.23 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 96.25 प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, वैश्विक अनिश्चितताओं और मजबूत डॉलर के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत अमेरिकी डॉलर और जारी भू-राजनीतिक तनावों ने उभरते बाजारों की मुद्राओं को मुश्किल में डाल दिया है। रुपये पर इस तनाव का असर अब स्पष्ट नजर आ रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.19 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.25 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 44 पैसे की गिरावट दिखाता है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार नीचे आया हालांकि इसके बाद हुई रिकवरी से दिन भर के करोबार के बाद बाजार बढ़त पर बंद हुआ। आज बीएसई सेंसेक्स ने दिन के निचले स्तर से 1,100 अंकों से ज्यादा जबकि एनएसई निफ्टी 50 ने दिन के निचले स्तर से 300 अंकों से ज्यादा की रिकवरी की । इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 77.05 अंक बढ़कर 75,315.04 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 6.45 अंक ऊपर आकर 23,649.95 पर बंद हुआ। आज प्रमुख बेंचमार्कों की तुलना में व्यापक बाजारों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। निफ्टी स्मॉलकैप और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में गिरावट रही। क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी आईटी में 2.43 फीसदी की बढ़त रही और इसने अन्य

क्षेत्रों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर भी ऊपर आये जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी रियल्टी शेयरों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। वहीं निफ्टी50 इंडेक्स में टेक महिंद्रा, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, विप्रो, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, टीसीएस और कोटक बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि टाटा स्टील, पावरग्रिड, एनटीपीसी, ईं, बजाज-ऑटो, आयशर मोटर, ट्रेंट और मारुति के शेयरों सबसे ज्यादा गिरे। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 461 लाख करोड़ रुपए से घटकर 458 लाख करोड़ रुपए हो गया। इससे निवेशकों को एक ही सत्र में करीब 3 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं इससे पहले आज सुबह दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार गिरावट के साथ खुला। बाजार खुलते ही सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा गिर गया। वहीं निफ्टी भी 23,400 के नीचे आ गया।

मिडिल ईस्ट तनाव से सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय कॉमेक्स (कॉमेक्स) दोनों पर कीमती धातुओं के भाव लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक घरेलू बाजार में सोना लगभग 1,58,550 रुपये और चांदी 2,68,750 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब कारोबार कर रही थी, जो निवेशकों के लिए चिंता का विषय है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट में सोमवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। यह कॉन्ट्रैक्ट 471 रुपये की कमजोरी के साथ 1,58,076 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,58,547 रुपये था। खबर लिखे जाने तक, यह 551 रुपये की गिरावट के साथ 1,57,996 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,58,341 रुपये का उच्च और 1,57,547 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर भी छुआ था। इसी तरह एमसीएक्स पर चांदी के जुलाई कॉन्ट्रैक्ट ने भी सुस्त शुरुआत की। यह 4,486 रुपये की तेज गिरावट के साथ 2,67,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,71,886 रुपये था। वर्तमान में यह 3,118 रुपये टूटकर 2,68,768 रुपये पर कारोबार कर रहा है। दिन के दौरान इसका उच्चतम स्तर 2,69,890 रुपये और न्यूनतम स्तर 2,64,949 रुपये रहा। इस साल चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड स्तर भी बनाया था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में नरमी का रुख बना रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,547.60 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 4,561.90 डॉलर था। खबर लिखे जाने तक, यह 27.40 डॉलर की गिरावट के साथ 4,534.50 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी भी 76.20 डॉलर प्रति औंस पर खुलने के बाद 2.49 डॉलर गिरकर 75.05 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जिसका पिछला बंद भाव 77.54 डॉलर था।

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उबाल, अमेरिकी बाजार धड़ाम

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर सख्त बयान ने वैश्विक बाजारों में भारी उथल-पुथल मचा दी है। कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार ने बड़ी गिरावट दर्ज की है। बढ़ती बॉन्ड यील्ड ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे जोखिम वाली संपत्तियों से पैसा निकला है, और बाजार को अब दोतरफा राजनीतिक व आर्थिक जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। ब्रेंट क्रूड करीब 2 फीसदी चढ़कर 111.4 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी कच्चा तेल (डब्ल्यूटीआई) 2.4 फीसदी से अधिक बढ़कर 108 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह उछाल पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात के बीच आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान को जल्दी कदम उठाने की चेतावनी देते हुए कहा कि घड़ी तेजी से चल रही है, जिससे निवेशकों की चिंताएं गहरा गई हैं। बाजार को डर है कि अगर स्थिति और खराब हुई तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। तेल की कीमतों में तेजी के बीच अमेरिकी शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज लगभग 540 अंक लुढ़का, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 1.5 फीसदी टूट गया, जो मार्च के बाद उसकी सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट थी। बढ़ती बॉन्ड यील्ड ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया। अमेरिका के 30 साल के ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड एक साल के उच्च स्तर पर पहुंचने के कारण निवेशकों ने टेक्नोलॉजी और ग्रोथ जैसे जोखिम वाले शेयरों से दूरी बनानी शुरू कर दी। बाजार की सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है, जो दुनिया का सबसे अहम तेल मार्ग है और वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी यहीं से गुजरता है। यहां किसी भी तरह की बाधा से वैश्विक महंगाई बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती तेल कीमतें, भू-राजनीतिक तनाव और सख्त वित्तीय हालात वैश्विक बाजारों के लिए बड़ी चुनौती बन रहे हैं। शुरुआती संकेत बताते हैं कि आने वाले दिनों में भी बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

मेष- आज लापरवाही आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है, इसलिए हर काम पूरे फोकस के साथ करें। बिजनेस की कोई अहम डील बीच में अटक सकती है, जिससे मन थोड़ा परेशान रहेगा। परिवार की निजी बातों को घर तक ही सीमित रखना बेहतर होगा। बड़े बुजुर्गों के साथ बिताया गया समय रिश्तों में नई गर्माहट लाएगा। संतान की जिद्दी आदतें आपको सोचने पर मजबूर कर सकती हैं।

वृषभ- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता कमाल दिखा सकती है, लेकिन बिना मांगी सलाह देने से बचना ही समझदारी होगी। शॉपिंग के दौरान खर्चों पर कंट्रोल रखें। जीवनसाथी हर कदम पर आपका मजबूत सहारा बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कुछ लोग आपके खिलाफ चाल चल सकते हैं, लेकिन आपकी बुद्धिमानी सब पर भारी पड़ेगी। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होने के संकेत हैं।

मिथुन- आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा और नई उम्मीदों से भरा रहेगा। यात्रा या घूमने के दौरान कोई खास जानकारी हाथ लग सकती है। रुके हुए काम तेजी से पूरे होने लगेंगे। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को मेहनत जारी रखनी होगी। जीवनसाथी की सफलता आपका दिल खुश कर देगी। परिवार में किसी फैसले को लेकर जल्दबाज़ी से बचें और मीठी वाणी बनाए रखें।

कर्क- आज जिम्मेदारियों का बोझ थोड़ा ज्यादा महसूस हो सकता है। एक साथ कई काम आने से मन उलझन में रहेगा। पुरानी गलती से मिली सीख आज आपके बहुत काम आएगी। घर में मेहमानों के आने से रौनक बढ़ेगी। खर्च और आय के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। संतान की खुशी के लिए नया लैपटॉप या गैजेट खरीदने का योग बन सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए शानदार अवसर लेकर आ सकता है। यात्रा के दौरान कोई खास खबर या जानकारी मिल सकती है। पुरानी नौकरी से दोबारा ऑफर आने के संकेत हैं। ऑफिस में बॉस का भरोसा जीतने से आपकी छवि मजबूत होगी, हालांकि कुछ लोग इससे जल सकते हैं। सामाजिक गतिविधियों में आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। वाहन चलाते समय सावधानी बेहद जरूरी रहेगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए खास और उत्साह से भरा रह सकता है। शेयर मार्केट में निवेश का विचार आएगा, लेकिन विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी होगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत चिंता बढ़ा सकती है। जीवनसाथी के साथ चल रही नाराजगी को प्यार से सुलझाने की कोशिश करें। भगवान की भक्ति में मन लगने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी।

तुला- आज सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि छोटी परेशानी भी बड़ी लग सकती है। विद्यार्थी पढ़ाई में पूरी मेहनत करेंगे और सफलता के करीब पहुंचेंगे। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने से मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और काम करने का तरीका लोगों को प्रभावित करेगा। बॉस भी आपकी तारीफ कर सकते हैं। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचना ही बेहतर रहेगा।

वृश्चिक- आज आपकी सकारात्मक सोच सफलता का रास्ता खोल सकती है। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप शानदार तरीके से निभाएंगे। प्रॉपर्टी से जुड़ी रुकी हुई डील फाइनल होने के संकेत हैं। पुराने निवेश से जबरदस्त लाभ मिलने से खुशी दोगुनी हो जाएगी। भाई-बहनों और रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। आय में बढ़ोतरी आपके आत्मविश्वास को नई उड़ान देगी।

धनु- आज का दिन मिला-जुला असर लेकर आएगा। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है। बड़े सपने आपकी मेहनत को नई दिशा देंगे, लेकिन कुछ रुकावटें भी सामने आ सकती हैं। जीवनसाथी के साथ छोटी बातों को लेकर तनाव बढ़ सकता है, इसलिए धैर्य रखें। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े व्यक्तियों से मिलने का मौका मिल सकता है, जो भविष्य के लिए फायदेमंद रहेगा।

मकर- आज आपके दिमाग में बिजनेस और कमाई को लेकर शानदार आइडिया आ सकते हैं। सही समय पर उठाया गया कदम बड़ा फायदा दिला सकता है। आय बढ़ाने के नए रास्तों पर आपका पूरा ध्यान रहेगा। विरोधियों की बातों में आने से बचें। पुराने लेन-देन और सरकारी कामों में राहत मिलने के संकेत हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में फोकस बनाए रखना बेहद जरूरी होगा।

कुंभ- आज गुस्से पर कंट्रोल रखना आपकी सबसे बड़ी जीत साबित होगा। परिवार वाले आपकी छोटी बातों से भी नाराज हो सकते हैं, इसलिए शांत रहना बेहतर रहेगा। सुख-सुविधाओं और शौक की चीजों पर खर्च बढ़ सकता है। किसी को निजी जानकारी देना आगे परेशानी का कारण बन सकता है। घर में शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी से खुशियों का माहौल रहेगा। विदेश में पढ़ाई का सपना देखने वाले विद्यार्थियों को अच्छा अवसर मिल सकता है।

मीन- आज बेवजह के विवादों और झंझटों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी। परिवार को दी गई जिम्मेदारियाँ लोग अच्छे से निभाएंगे, जिससे आपका भरोसा बढ़ेगा। संतान की ओर से कोई खुशखबरी दिल को सुकून दे सकती है। पुराने दोस्त से मुलाकात यादों को ताज़ा कर देगी। मन में चल रही ईर्ष्या या नकारात्मक भावनाओं को छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो सफलता खुद आपके करीब आएगी।

शब्दजाल - 8263

त	स	आ	त्म	ली	न	घा	गु	वा	प	दे
क	अ	अ	त्म	त	अ	ला	र	न	द	जू
आ	स	आ	क	प्र	न	भि	द	नं	जू	व
जी	अ	चा	आ	र	ति	गु	आ	प	दे	न
व	अ	र्य	त	अ	ला	ग्र	न	श	म	क
न	आ	चा	र	वा	न	द	शा	व	य	त
वा	अ	सौ	र	जा	ला	गु	आ	प	दे	आ
ह	आ	मो	व	आ	वा	द	ह	यु	व	ग
क	जा	ह	व	प	गो	द	व	प	र	र
र	दी	ब्ब	फ्त	प	स	श	ह	वि	वा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	आ	गा	ह	र

शब्द जाल में 'आ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए. दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

आत्मलीन, आत्मप्रतिष्ठा, आचारवान, आगोश, आगाह, आनंद, आजीवन, आचार्य, आजादी, आचमन.

शब्दजाल - 8262 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

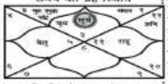

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	वृष में	वृष	05.03 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	07.05 बजे से
मंगल	मेष में	कर्क	09.19 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.35 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	13.47 बजे से
शुक्र	मिथुन में	तुला	15.58 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.12 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	20.28 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	22.33 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कुंभ	00.20 बजे से
		मीन	01.53 बजे से
		मेष	03.23 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 139 वां दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल
तिथि तृतीया 14.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 08.42 बजे को समाप्त।
योग धृति 17.49 बजे को समाप्त।
करण गर 14.19 बजे तदनन्तर वणिज 00.40 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 2.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 43'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872714
जूलियन दिन 2461179.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 02

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7207

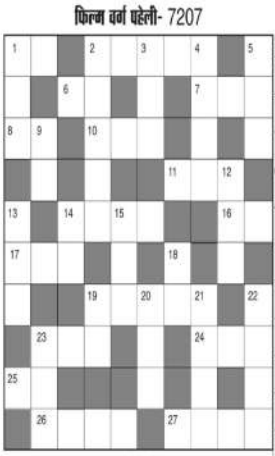

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नताशा की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉब्लम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मोनाली की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सता ये ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टि्वंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7206

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कछुए की चतुराई

एक कछुए ने राजा का कोई अपराध किया। राजा उसको कड़ी से कड़ी सजा देना चाहता था। राजा ने कछुए को उल्टा लटकाने का हुक्म दिया। सुनकर कछुए ने कहा- उल्टे लटकने से तो मुझे बड़ा माजा आएगा। मैं चाहता ही था कि सर्दी में मेरे पेट पर धूप लगे। कछुए का बात सुनकर राजा सोच में पड़ गया कि अगर उल्टे लटकने से कछुए को अच्छा लगता है तो यह सजा कैसे हुई? उसने हुक्म दिया कि कछुए का पीठ पर दनादन कोड़े बरसाए जाएं। यह हुक्म सुनकर कछुआ और भी खुश होकर बोला- वाह, यह तो और बहुत अच्छा होगा। इससे ते मेरी पीठ और मजबूत हो जाएगी। कछुए की बात सुनकर राजा ने अपना इरादा बदल दिया उसने कछुए को पानी में फिंकवाने का फैसला किया। कछुआ चिल्लाया- नहीं, नहीं। कुछ भी करो, लेकिन मुझको पानी में मत फेंको। पानी तो बहुत ठंड़ है। सर्दी के मारे मेरी जान ही निकल जाएगी। राजा ने कछुए की एक नहीं सुनी। कछुआ पानी में फेंक दिया गया। राजा खुश था कि आखिर उसने कछुए को सही सजा दी। कछुआ भी खुश था कि वह अपने घर वापस पहुंच गया।

सूडोकु नवताल- 7516

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7515 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8731

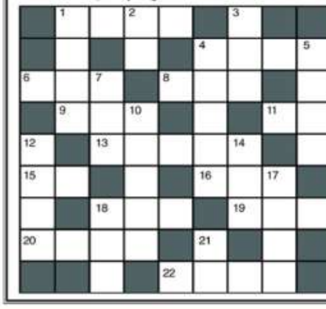

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -8730 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नगर परिषद में जल निकासी की विकराल समस्या, मानसून दस्तक देने को तैयार लेकिन प्रशासन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी में वर्षों से चली आ रही जल निकासी की विकराल समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। मानसून आने में अब महज दो-तीन सप्ताह का समय शेष है, लेकिन नगर परिषद प्रशासन और जिम्मेदार इंजीनियर अब तक किसी स्थायी समाधान की दिशा में ठोस पहल करते नजर नहीं आ रहे हैं। नगर के पुलिस थाना क्षेत्र से लेकर वार्ड क्रमांक 03, बस स्टैंड, बालाघाट रोड, दखनीटोला रोड और आमगांव रोड बाजार चौक तक का बरसाती पानी वर्षों से उस्मान के खेत होते हुए एरिगेशन कार्यालय के पीछे से काशी नाले और फिर सोन नदी तक पहुंचता रहा है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब कथित रूप से भूमि मालिक द्वारा जल निकासी मार्ग को बंद कर दिया गया। इसके बाद से हर वर्ष बारिश में जलभराव की आशंका और अधिक बढ़ती जा रही है। बावजूद इसके नगर परिषद प्रशासन केवल कागजी दावों और आश्वासनों तक सीमित दिखाई दे रहा है।

सीआरपीसी की धारा 133 से भी जुड़ा मामला

बताया जाता है कि यह मामला सीआरपीसी की धारा 133 से भी जुड़ा हुआ है, जिसके तहत प्राकृतिक जल निकासी बाधित करना दंडनीय माना गया है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों द्वारा वर्षों से कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई। नगर परिषद, राजस्व विभाग और जनपद पंचायत के बीच सीमावर्ती राजस्व भूमि पर अतिक्रमण और भू-माफियाओं के कब्जों ने समस्या को और विकराल बना दिया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि बीते दो वर्षों से नगर परिषद में पदस्थ इंजीनियर लगातार यही बयान देते आ रहे हैं कि जल निकासी व्यवस्था के लिए लगभग 5.50 करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी तथा इसका स्टीमेट शासन को भेजा गया है। बालाघाट रोड से काशी नाले तक लगभग एक किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने की बात भी कही जाती रही, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक न तो पाइपलाइन दिखी और न ही किसी बड़े निर्माण कार्य की शुरुआत हुई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि करोड़ों के अनुमान और प्रस्ताव केवल फाइलों में घूमते रहे, जबकि नगरवासी हर वर्ष जलभराव की दहशत झेलने को मजबूर हैं।

जलभराव के बाद जागते हैं इंजीनियर और अमला

नगर में पिछले दस वर्षों से बारिश के दौरान यही स्थिति बनती आ रही है कि पानी भरने के बाद प्रशासन जेसीबी मशीन से अस्थायी कच्ची नाली खोदकर खानापूर्ति कर देता है और बारिश खत्म होते ही मामला फिर ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। स्थायी जल निकासी योजना आज तक धरातल पर नहीं उतर सकी। विशेषज्ञों और नागरिकों का मानना है कि यदि समय रहते जल निकासी मार्गों को मुक्त नहीं कराया गया और स्थायी ड्रेनेज व्यवस्था विकसित नहीं की गई, तो इस वर्ष भारी बारिश के दौरान नगर के कई हिस्सों में गंभीर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसी स्थिति में प्रशासन को आपदा प्रबंधन दल तक बुलाने की नौबत आ सकती है। वहीं मानसून दस्तक देने को तैयार है, लेकिन नगर की सबसे गंभीर समस्या पर प्रशासनिक संवेदनशीलता अब भी दिखाई नहीं दे रही।

इनका कहना है

उक्त समस्या के समाधान के लिये नगर परिषद प्रयासरत है। आगामी 15 दिनों में नगर के जलभराव वाले क्षेत्रों की समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

अमित नगपुरे, इंजीनियर
नगर परिषद लांजी

दादा गुरु भगवान के प्रथम आगमन पर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्म का अलौकिक संगम

धर्मनगरी लांजी के धूनी दरबार सेवकों ने किया पूजन-अर्चन, कोटेश्वर धाम पधारने का दिया निमंत्रण

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म और अध्यात्म की प्राचीन परंपराओं से ओतप्रोत धर्मनगरी लांजी का नाम सदियों से भगवान कोटेश्वर महादेव की तपोभूमि के रूप में श्रद्धा से लिया जाता रहा है। यहां की आध्यात्मिक चेतना, संत परंपरा और धूनी संस्कृति ने क्षेत्र को विशेष पहचान प्रदान की है। कहा जाता है कि कोटेश्वर धाम में वर्षों से साधु-संतों की तपस्या और आराधना होती रही है, जिसके कारण यह भूमि शिवभक्ति और साधना का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। दादा गुरु भगवान के प्रति लांजी धूनी दरबार के सेवकों की आस्था कोई नई नहीं है। कुछ माह पूर्व जब दादा गुरु भगवान मां नर्मदा परिक्रमा के पावन यात्रा मार्ग पर निकले थे, तब भी धर्मनगरी लांजी का यह सेवक जत्था उनकी सेवा, सत्संग और दर्शन हेतु पहुंचा था। सेवा, समर्पण और संतों के प्रति श्रद्धा की यही परंपरा लांजी की आध्यात्मिक विरासत को जीवंत बनाए हुए है। दादा गुरु भगवान के संबंध में श्रद्धालुओं का मानना है कि वे सरलता, सेवा, तप और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उनके सत्संगों में अध्यात्म के साथ मानवता, सद्भाव और संयम का संदेश विशेष रूप से दिया जाता है, जिसके कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनसे जुड़ रहे हैं। जिले की पुण्यधरा पर दादा गुरु भगवान के प्रथम आगमन ने श्रद्धालुओं के हृदय में भक्ति, उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संचार कर दिया। कंजई में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम में भक्तों की भारी उपस्थिति ने वातावरण को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया। जगह-जगह जयकारों, पुष्पवर्षा और पूजन-अर्चन के साथ दादा गुरु भगवान का आत्मीय स्वागत किया गया।

सावनमास में धर्मनगरी लांजी आने का दिया न्यौता

इसके पश्चात धर्मनगरी लांजी के दादा धूनी दरबार के सेवकों ने लालबर्रा स्थित नर्मदा परिक्रमा वासी नरेंद्र बौपचे के प्रतिष्ठान पहुंचकर आयोजित विशेष पूजन कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान श्रद्धा और समर्पण भाव से दादा गुरु भगवान का पूजन-अर्चन किया गया तथा उन्हें दादा कोटेश्वर नाथ भगवान का छायाचित्र भेंट कर सावन मास में धर्मनगरी लांजी स्थित प्राचीन कोटेश्वर धाम पधारने हेतु विनम्र आमंत्रण दिया गया। दादा गुरु भगवान ने भक्तों की भावना को सहर्ष स्वीकार करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इस पावन अवसर पर धूनी दरबार लांजी से नारायणदत्त खरगाल, उमाकांत उपराड़े, मनोज किरनापुरे, कुशलेश कलपुरिया, परेश पटेल, महेंद्र मस्के, शिवम ठाकरे एवं नरेश ढोलस सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में सभी भक्तों ने प्रार्थना की कि दादा गुरु भगवान की असीम कृपा समस्त क्षेत्रवासियों पर बनी रहे तथा धर्मनगरी लांजी की आध्यात्मिक ज्योति निरंतर प्रज्ज्वलित होती रहे।

व्यावसायिक शिक्षा - खेतों से जुड़कर छात्र-छात्राओं ने सीखी आधुनिक कृषि की व्यावहारिक बारीकियां

पद्मेश न्यूज। लांजी। व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षण 2026 के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल साड़रा द्वारा आयोजित ऑन जॉब ट्रेनिंग कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के लिए व्यवहारिक शिक्षा का प्रेरणादायी माध्यम साबित हुआ। खेतों की मिट्टी से जुड़कर छात्र-छात्राओं ने आधुनिक कृषि तकनीकों, जैविक खेती, सिंचाई

प्रबंधन एवं फसल संरक्षण की बारीकियों को न केवल समझा, बल्कि किसानों के अनुभवों से कृषि क्षेत्र की वास्तविक चुनौतियों और संभावनाओं का भी गहन ज्ञान प्राप्त किया। यह शैक्षणिक भ्रमण छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़ाकर स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता और कृषि आधारित भविष्य की ओर प्रेरित करने वाला साबित हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को स्थानीय कृषक भोजराज बह्मारखेड़े के कृषि क्षेत्र का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने खेतों में जाकर खेती-किसानी की आधुनिक पद्धतियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस दौरान किसानों ने छात्र-छात्राओं को सब्जी फसलों की उन्नत खेती, गुणवत्तायुक्त बीज चयन, खेत की वैज्ञानिक तैयारी, सिंचाई प्रबंधन, जैविक खाद के उपयोग तथा कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न फसलों का निरीक्षण कर उनकी देखरेख की विधियां समझीं। विशेष रूप से बेल वाली फसलों को सहारा देने की तकनीक, पौधों की सुरक्षा, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा फसल संरक्षण संबंधी उपाय छात्र-छात्राओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। किसानों ने जैविक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव और जैविक खाद के लाभों से भी छात्र-छात्राओं को अवगत कराया। छात्र-छात्राओं ने खेती से होने वाले आर्थिक लाभ, बाजार की मांग के अनुरूप फसल चयन तथा उत्पादन बढ़ाकर अधिक मुनाफा अर्जित करने के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही खेती में आने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान पर किसानों से खुलकर चर्चा कर कृषि क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों को नजदीक से समझने का अवसर मिला। छात्र-छात्राओं ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण उन्हें वास्तविक कार्यप्रणाली को समझने के साथ-साथ भविष्य में कृषि आधारित रोजगार और आधुनिक खेती की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एस. के. नारनौरे, वरिष्ठ शिक्षक एम. के. गुर्दे, कृषि प्रशिक्षक कु. हर्षिता बैस, छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे। सभी ने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं व्यवहारिक शिक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

जिज्ञांश अरूण कालबेले ने किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र प्रतिभाओं और होनहार युवाओं की धरती के रूप में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहा है। खेलकूद, शिक्षा, व्यवसाय, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, कला-संस्कृति एवं धर्म-अध्यात्म जैसे विभिन्न क्षेत्रों में यहां के युवा अपनी काबिलियत और मेहनत का परचम बुलंद कर रहे हैं। ग्रामीण अंचलों से निकलकर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सफलता हासिल करने वाले इन प्रतिभाशाली युवाओं ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ऐसी ही एक शानदार उपलब्धि ग्राम दिघोरी के होनहार छात्र जिज्ञांश कालबेले ने हासिल कर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। क्षेत्र के ग्राम दिघोरी निवासी जिज्ञांश कालबेले ने खेल जगत में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए जिले और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जिज्ञांश कालबेले पिता अरुण कुमार कालबेले वर्तमान में पीएम श्री डेमोन्स्ट्रेशन मल्टीपरपज स्कूल, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई), भोपाल में कक्षा 5वीं के छात्र हैं। उन्होंने 8 से 10 मई 2026 तक इंदौर में आयोजित द्वितीय मध्य प्रदेश स्टेट किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

प्रदेशभर से पहुंचे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच जिज्ञांश ने अपने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन, आत्मविश्वास और जज्बे का शानदार परिचय दिया। कठिन मुकाबलों को पार करते हुए उन्होंने गोल्ड मेडल जीतकर न केवल अपने विद्यालय बल्कि लांजी क्षेत्र और बालाघाट जिले का भी नाम रोशन किया। कम उम्र में उनकी यह उपलब्धि खेल जगत में उनकी उज्ज्वल संभावनाओं की ओर इशारा कर रही है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ जिज्ञांश ने लगातार दूसरी बार नेशनल लेवल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है। यह उपलब्धि क्षेत्र के लिए गौरव और खुशी का क्षण है। खेल प्रेमियों का कहना है कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना और लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होना किसी बड़ी कामयाबी से कम नहीं है।

जिज्ञांश की इस सफलता से परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है। माता-पिता एवं परिजनों ने इसे उनकी मेहनत, लगन और नियमित अभ्यास का नतीजा बताया। वहीं मित्रों, समाजजनों, खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने उन्हें मुबारकबाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की दुआएं दी हैं। विद्यालय परिवार ने भी जिज्ञाश की उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी सफलताएं अन्य छात्र-छात्राओं को भी खेलों के प्रति प्रेरित करती हैं। शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि जिज्ञांश आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र और प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगे।

एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता ने आईटीआई बैहर का किया आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता (आईएएस) द्वारा सोमवार को शासकीय आईटीआई बैहर का आकस्मिक भ्रमण कर संस्था में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, प्लेसमेंट गतिविधियों, नवाचार कार्यों, कक्षाओं एवं कार्यशालाओं की स्थिति का जायजा लिया। एसडीएम श्री गुप्ता ने आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए संस्था परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा भवन मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकता एवं रोजगार संभावनाओं के अनुरूप नवीन व्यवसाय एवं ट्रेड प्रारंभ करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए तथा प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एसडीएम श्री गुप्ता ने संस्था के प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ के साथ संवाद कर प्रशिक्षण व्यवस्था, संस्था उन्नयन एवं विभिन्न समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन भी दिया।

स्वच्छता सर्वेक्षण टीम सर्वे के लिए जल्द आएगी भोपाल सडक़ों में गड्ढे, बस्तियों में गंदगी, सडक़ों पर धूल

भोपाल। राजधानी भोपाल में स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए दिल्ली से टीम कभी भी आ सकती है। इसको देखते हुए नगर निगम शहर को सजाने में लगा हुआ है। सडक़ों, बाजारों, बैंक लेन और नालों की सफाई के साथ पेंटिंग और मरम्मत का काम चल रहा है। लेकिन अभी भी तैयारियां आधी-अधूरी हैं। आलम यह है कि कई इलाकों में कई जगह नाले खुले मिले। कई जगहों पर डस्टबिन टूटे हुए दिखे और मेन रोड पर कई जगह गड्ढे हैं। बिट्टन मार्केट के पास झुग्गी से मल्टी की गलियों में चलना भी मुश्किल है। अशोका गार्डन से कमलापति स्टेशन तक सडक़ों पर जगह-जगह गड्ढे, धूल उड़ती मिली।

सफाई की परीक्षा में 200 अंक सिर्फ इस बात पर मिलेंगे कि डस्टबिन लगे हैं या नहीं, क्या कोई नया कचरा प्वाइंट तो नहीं बन गया है। फिर भी बोर्ड ऑफिस से कांग्रेस कार्यालय तक करीब 10 में से 9 डस्टबिनों से ढक्कन खुले मिले, तो तीन जगहों पर केवर एक ही डस्टबिन मिला, बाकी के दो डस्टबिन गायब थे। कमलापति स्टेशन से मानसरोवर चौराहे के बीच में एक कूड़े का ढेर मिला। अशोका गार्डन के वर्धमान ग्रीन पार्क में कचेर का ढेर लगा मिला। अशोका गार्डन थाने के पास भी यही हाल हैं। जानकारी के अनुसार, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में विजिबल क्लीनलीनेस यानी जमीन पर दिखने वाली सफाई पर विशेष फोकस किया है। नई गाइडलाइंस के तहत शहरों की रैंकिंग 10 मुख्य इंडिकेटर्स के आधार पर तय होगी। इसी वजह से निगम बैंक लेन से लेकर नालों और कचरा पॉइंट तक सुधार कार्यों में जुटा है। पिछली बार ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के कारण शहर चकाचक था, लेकिन इस बार नए काम तो छोड़ो पुराने को ही मेंटेन नहीं रख पाए हैं।

200 अंक नालियों की सफाई और व्यवस्थित निकासी पर मिलेंगे। राजधानी में ज्यादातर जगहों पर तो ढंकी हुई नालियां मिलीं, लेकिन प्रभात पेट्रोल पंप के पास ही 20 मीटर का एक खुला नाला बह रहा है। प्रगति पेट्रोल पंप से कमलापति स्टेशन के बीच में एक जगह कोलार का पाइप लाइन लीक होती मिली। भोपाल के लोगों ने सफाई को 10 में से 7 नंबर दिए। एक ने कहा कि केवल वीआईपी एरिया में ही आपको सफाई दिखेगी। अभी आप हमारी सोसाइटी के बाहर निकल जाएं। आप देखेंगी की पूरी गंदगी पड़ी हुई है। दूसरे ने कहा पुराने भोपाल में जाते तो सफाई की वहां स्थिति खराब है। नए भोपाल के भी अंदर की जो बस्तियां हैं वहां गंदगी मिलती है।

आवासीय क्षेत्रों और पार्कों में रोज एक बार, जबकि व्यावसायिक स्थलों, बस-रेलवे स्टेशनों, पर्यटन स्थलों और स्ट्रीट फूड जोन में दिन में दो बार सफाई जरूरी होती है। इस पैरामीटर के लिए 300 अंक तय हैं। अशोका गार्डन के स्वामी विवेकानंद पार्क में डस्टबिन टूटा था और बगल में कचरे का ढेर लगा था। यहीं महावीर गेट से न्यूमार्केट के बीच में पड़ने वाले पार्क का भी यही हाल है डस्टबिन टूटे हैं और कचरा बगल में है। स्लम क्षेत्रों और ढके नालों के लिए 150 अंक मिलते हैं। स्कूल परिसरों को कचरा मुक्त रखने के लिए 100 अंक तय किए गए हैं। नालों के आसपास कचरा पड़ा हुआ है। रवींद्र भवन के पास प्रमुख नाले के आसपास अब भी गंदगी है। जालियां भी कई जगह टूटी हैं।

मध्य प्रदेश में तेल पर टैक्स संकट- देश में तीसरा सबसे महंगा पेट्रोल, पड़ोसी राज्यों से भारी अंतर

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें पूरे देश में पेट्रोल-डीजल को महंगा कर रही हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में उपभोक्ताओं पर इसकी मार कहीं अधिक पड़ रही है। यहां पेट्रोल देश में तीसरा सबसे महंगा बिक रहा है, जिसकी मुख्य वजह राज्य का जटिल कर मॉडल को बताया जा रहा है। 16 मई, 2026 की राज्यवार रेट सूची के अनुसार, मध्य प्रदेश में पेट्रोल 109.71 रुपये प्रति लीटर है, जो केवल आंध्र प्रदेश (112.33 रुपये) और तेलंगाना (112.23 रुपये) से कम है। डीजल भी 94.88 रुपये के साथ देश के शीर्ष पांच महंगे राज्यों में शामिल है। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की तुलना में मध्यप्रदेश में पेट्रोल करीब 13 और डीजल 4 रुपये से अधिक महंगा है। यूपी में पेट्रोल 96.99 रुपये और डीजल 90.25 रुपये है, जिससे मप्र में पेट्रोल 12.72 रुपये और डीजल 4.72 रुपये महंगा पड़ रहा है। इस बड़ी कीमत के अंतर का कारण राज्य का विशिष्ट कर ढांचा है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश में पेट्रोल पर 29 प्रतिशत वैट, 2.50 रुपये प्रति लीटर फिक्स टैक्स और 1 प्रतिशत सेस लगता है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

खराब प्रदर्शन वाले मंत्रियों पर मंडरा रहा बाहर होने का खतरा!

मोहन कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें शुरू, मॉनसून सत्र के पहले होगा कैबिनेट का विस्तार

भोपाल। मप्र की मोहन कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें शुरू हो गई हैं। 13 जून को मोहन सरकार के ढाई साल पूरे हो जाएंगे। इससे पहले मप्र कैबिनेट में फेरबदल की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि दो दिन तक मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा की जा रही है। इस परफॉर्मेंस रिव्यू और रिपोर्ट कार्ड के आधार पर खराब प्रदर्शन करने वाले कुछ मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनके विभाग बदले जा सकते हैं। कुछ नए-नए चेहरों को मौका भी मिल सकता है। वर्तमान में मप्र कैबिनेट में चार पद खाली हैं। जिन मंत्रियों का परफॉर्मेंस और संगठन के साथ तालमेल बेहतरीन पाया जाएगा, उन्हें कैबिनेट विस्तार में बड़ी जिम्मेदारी या बड़े विभाग मिल सकते हैं।

भाजपा सूत्रों का कहना है हि इस रिव्यू के आधार पर जुलाई में होने वाले मॉनसुन सत्र से पहले मोहन कैबिनेट में बदलाव किया जा सकता है। वर्तमान कैबिनेट में से कुछ को हटाया जा सकता है। संभावना है कि इस लिस्ट में एक-दो वरिष्ठ मंत्रियों का नाम हो सकता है। उनकी जगह पर नए चेहरों को मोहन कैबिनेट में मौका मिलेगा। मप्र में सीएम मोहन यादव को लेकर कुल 31 मंत्री हैं। अभी चार पद खाली हैं। वहीं, कैबिनेट विस्तार की

अटकलें पिछले कई महीनों से है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री पद के लिए शपथ ली थी। इसी दिन छत्तीसगढ़ में भी सीएम ने शपथ ली थी। पिछले साल अगस्त में छत्तीसगढ़ कैबिनेट का विस्तार हुआ है। गुजरात में भी हुआ है। वहीं, 10 मई को यूपी में कैबिनेट का विस्तार हुआ है। अब बारी मप्र की है।

इन लोगों को मिल सकता है मौका

वहीं, जिन लोगों को कैबिनेट में शामिल किए जाने की आशंका है, उनमें कुछ पूर्व मंत्री भी शामिल हैं। ये पिछले ढाई साल से किसी पद के इंतजार में बैठे हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह फेरबदल बिल्कुल सही समय पर हो रहा है। क्योंकि नए मंत्रियों को 2028 के चुनावों से पहले काम करने के लिए पूरे दो साल का समय मिल जाएगा। जानकारी के अनुसार, मंत्रियों से प्रश्न का एक पत्रक भरवाकर मंगवाया गया था, इसी आधार पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनसे सवाल-जवाब किए। मुख्यमंत्री सचिवालय ने भी विभागवार रिपोर्ट तैयार की है। इसके अलावा मंत्रियों से यह भी पूछा गया कि उनके प्रभार वाले जिले में विभिन्न विभागों की अशासकीय समितियों का गठन कितना पूरा हो चुका है। कौन-कौन सी समितियां बन चुकी हैं, कितनी बाकी हैं, और जिनका गठन हो चुका है उनकी कार्यप्रणाली कैसी चल रही है इसकी जानकारी ली गई।

मैराथन बैठक में सत्ता-संगठन ने की चर्चा

दो दिनों तक चलने वाली बैठक के पहले दिन रविवार को शासकीय अवकाश के दिन समत्व भवन में दोपहर एक बजे से शुरू हुई बैठक देर रात तक चली। पार्टी संगठन और सरकार की इस संयुक्त समीक्षा बैठक में मंत्रियों के कार्य प्रदर्शन और संगठन समन्वय पर बात की गई। इसके साथ ही पार्टी संगठन द्वारा सौंपे गए कार्यों की समीक्षा भी हुई। विभागीय योजनाओं की प्रगति, संगठन के साथ तालमेल और चुनाव में कमजोर रही सीटों पर क्या प्रयास किए गए इन तमाम बिंदुओं की समीक्षा की गई। संगठन ने भी मंत्रियों से प्रश्न किए हैं। इसमें मंत्रियों की स्वयं की विधानसभा सीट, उनके गृह जिले और प्रभार वाले जिले की राजनीतिक क्या स्थिति है। आगामी नगर पालिका और ग्राम पंचायत चुनावों को लेकर मंत्रियों की क्या तैयारियां हैं। मुख्यमंत्री द्वारा संकल्प बिंदु की वर्तमान स्थिति, कितने पूरे हुए और बाकी कितने बचे हैं। राज्यमंत्रियों के साथ मंत्रियों के कार्य विभाजन स्थिति की जानकारी भी ली गई। बता दें कि अगले माह 13 जून को मध्य प्रदेश की मोहन सरकार को ढाई साल पूरे हो रहे हैं। इससे पहले ली गई इस बैठक को संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल से जोडक़र भी देखा जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री आवास में हुई मंत्रियों की वन-टू-वन बैठक की जानकारी में बताया कि 20 मंत्रियों के साथ वन टू वन चर्चा की। बैठक में मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में उनके प्रवास, संगठनात्मक कार्यक्रमों में भागीदारी और संगठन से समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन की रचना, बैठकों की नियमितता और संगठन के साथ मंत्रियों के तालमेल पर विशेष चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिलों में स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनबाड़ी सहित प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। सरकार की योजनाओं और नीतियों का जमीनी स्तर पर कितना प्रभाव है, इस पर मंत्रियों से फीडबैक लिया गया।

प्रदेश के 30 जिलों में पोषण आहार की सप्लाई ठप

जज्जा-बच्चा के स्वास्थ्य पर संकट, कई योजनाएं प्रभावित

भोपाल। मप्र में महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में दिए जाने वाले पूरक पोषण आहार यानी टेक होम राशन (टीएचआर) की सप्लाई व्यवस्था गंभीर संकट में है। प्रदेश के करीब 30 जिलों में पिछले तीन महीनों से राशन वितरण बंद है। सप्लाई चेन टूटने से राष्ट्रीय स्तर के अभियानों में जिलों की रैंकिंग गिर रही है। आंगनवाड़ी आने वाले बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं तक पोषण आहार नहीं पहुंच पा रहा।

पोषण आहार सप्लाई मामले में सबसे खराब स्थिति सागर संभाग की बताई गई है। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास, सागर संभाग ने 15 मई को पोषण आहार संयंत्र सागर के सीईओ को पत्र लिखकर बताया कि संयंत्र के जिम्मे 74 बाल विकास परियोजनाओं में टेक होम राशन वितरण व्यवस्था है, लेकिन 26 फरवरी 2026 से सप्लाई बंद है। इसके अलावा नर्मदापुरम, रीवा और मंडला प्लांट के अंतर्गत आने वाले जिलों में भी लगभग यही स्थिति है। महिला एवं बाल विकास विभाग और मप्र आजीविका मिशन फिलहाल सप्लाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों को सिर्फ इतना बताया जा रहा है कि संयंत्र बंद हैं। बंद होने का कारण और सप्लाई शुरू होने की समयसीमा नहीं बताई जा रही। इस मामले में आयुक्त महिला एवं बाल विकास विभाग और 9 जिलों के कलेक्टरों को भी पत्र भेजे गए हैं।

सात प्लांटों पर करीब 300 करोड़ की उधारी

टेक होम राशन संयंत्रों को सामग्री देने वाले निजी सप्लायर्स ने पुराना भुगतान नहीं मिलने पर सप्लाई रोक दी है। प्रदेश के 7 प्लांट पर करीब 300 करोड़ रुपए की उधारी बताई जा रही है। इसे देखते हुए वित्त विभाग ने 2026-27 के बजट में रेडी टू ईट टेक होम राशन के लिए 134 करोड़ रुपए मंजूर किए, लेकिन राशि अब तक जारी नहीं हुई। मंडला जिले की जिला कार्यक्रम अधिकारी ने 17 अप्रैल 2026 को सीईओ आजीविका मिशन को पत्र लिखकर बताया था कि अक्टूबर 2025 से अप्रैल 2026 तक टेक होम राशन उपलब्ध नहीं कराया गया। इससे मवई और नारायणगंज जैसे पीएम के आकांक्षी ब्लॉक प्रभावित हुए। पोषण आहार नहीं मिलने से पोर्टल एंट्री तक बंद हो गई और जिले की रैंकिंग गिर गई।

विवादो में पड़ी मप्र हेल्थ कॉर्पोरेशन की भर्ती

- संविदा नीति से ज्यादा तय कर दिया वेतन

भोपाल। मप्र पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा की जा रही भर्ती वेतनमान को लेकर विवादों में पड़ गई है। आरोप है कि कई पदों के लिए विज्ञापन में जो मासिक पारिश्रमिक घोषित किया गया है, वह राज्य शासन की सॅविदा नीति में निर्धारित वेतन से काफी अधिक है।

कॉर्पोरेशन ने 6 मई 2026 को जारी विज्ञापन में महाप्रबंधक और आईटी महाप्रबंधक जैसे पदों के लिए 1 लाख रुपए प्रतिमाह तक का वेतन तय किया है। वहीं प्रबंधक और डिवीजन मैनेजर के लिए 75 हजार रुपए, मानव संसाधन अधिकारी के लिए 67,300 रुपए और डेवलपर के लिए 65 हजार रुपए मासिक पारिश्रमिक रखा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की सॅविदा भर्ती नीति में विभिन्न श्रेणियों के पदों के लिए तय मानदेय का प्रावधान है। ऐसे में निगम द्वारा सीधे अधिक वेतन तय करना कई सवाल खड़े कर रहा है। खास बात यह है कि विज्ञापन में कहीं भी यह स्पष्ट नहीं किया गया कि बढ़े हुए वेतन को किस सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिली। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि किसी निगम या संस्था को सॅविदा नीति से अलग वेतन देना हो तो उसके लिए विशेष स्वीकृति आवश्यक होती है। लेकिन विज्ञापन में इसका कोई उल्लेख नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सॅविदा नीति से अलग जाकर वेतन तय किया गया है तो भर्ती प्रक्रिया पारदर्शिता और समान अवसर के सिद्धांत पर भी सवाल खड़े करती है।

प्रदेशभर में होगी कुदरत के सफाईकर्मियों की गिनती

- कान्हा टाइगर रिजर्व में खास तकनीक का इस्तेमाल

भोपाल। मध्य प्रदेश में 22 से 24 मई तक गिद्धों की ग्रीष्मकालीन गिनती किया जाना है। यह गणना वन विभाग द्वारा की जा रही है। इसका उद्देश्य गिद्धों की संख्या का पता लगाना और उनकी स्थिति का आकलन करना है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

वन क्षेत्र में गिद्धों की उपस्थिति महत्पूर्ण होती है। जंगलों में मृत जानवरों की साफ सफाई में उनकी भूमिका अहम होती है। गिद्ध पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखता है। कान्हा टाइगर रिजर्व के एसडीओ आशीष पांडे ने गिद्ध गणना की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी वन मंडलों में गिद्धों की गणना की जाएगी। पर्यावरण की दृष्टि से देखा जाए तो गिद्ध बहुत ही महत्वपूर्ण पक्षी है।

पर्यावरण के लिए जरूरी है गिद्ध

एसडीओ आशीष पांडे ने आगे कहा कि अगर गिद्ध नहीं होंगे तो जंगलों में मृत पशुओं का अंबार लग जाएगा। गिद्ध जंगल में मृत जीव जंतु और हमारे आसपास में भी मृत पशुओं की सफाई करने का कार्य करते हैं। इसलिए गिद्धों की संख्या और उनका स्टेटस क्या है? इसको जानने के लिए गिद्ध गणना की जा रही है। इसके पहले इसी साल फरवरी माह में गिद्धों की गणना की गई थी। एक बार फिर 22 से 24 मई तक प्रदेश व्यापी गणना कराई जाएगी।

खास तकनीक का होगा इस्तेमाल

गिद्धों की यह गणना कान्हा टाइगर रिजर्व के कोर एरिया के साथ बफर वनमंडल में की जाएगी। इसके अलावा अभयारण्य में आने वाले सभी 13 वन परिक्षेत्रों में की जाएगी। सर्वे में वनकर्मी गरूण डिजिटल नामक मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करेंगे। इसमें गिद्धों का डेटा दर्ज करेंगे। इसके अलावा फील्ड स्टाफ तय प्रारूप में मैनुअल रिकॉर्ड भी तैयार करेगा। इससे पहले फरवरी 2026 में शीतकालीन गिद्ध गणना अभियान चलाया गया था। इस दौरान वन परिक्षेत्र में कुल 224 गिद्ध दर्ज किए गए थे।

22 मई को कर्मचारी काला बैज लगाकर करेंगे विरोध प्रदर्शन

- रेलवे में 30 हजार पद सरेंडर करने के विरोध में उतरा बीआरएमएस

- 29 मई को देशभर के जीएम कार्यालयों के बाहर होगा धरना-प्रदर्शन

भोपाल। भारतीय रेलवे मजदूर संघ (बीआरएमएस) ने रेलवे में लगभग 30 हजार पदों को सरेंडर किए जाने के निर्णय के विरोध में देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। संगठन ने इसे रेलवे कर्मचारियों के हितों पर सीधा हमला बताते हुए सभी कर्मचारियों से एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।

बीआरएमएस के अनुसार पदों में कटौती से कर्मचारियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ेगा, जिसका असर रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्था पर भी पड़ सकता है। संगठन का कहना है कि लंबे समय से रिक्त पदों को भरने के बजाय उन्हें समाप्त किया जा रहा है, जो कर्मचारियों और यात्रियों दोनों के हित में नहीं है। आंदोलन के तहत 22 मई को रेलवे कर्मचारी काला बैज लगाकर विरोध दर्ज करेंगे। इस दौरान डीआरएम और सीडब्ल्यूएम कार्यालयों के बाहर धरना और प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद 29 मई को देशभर के जीएम कार्यालयों के सामने विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। संगठन ने कर्मचारियों से आंदोलन को सफल बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी की अपील की है और कहा है कि यह लड़ाई कर्मचारियों के अधिकारों और रेलवे के भविष्य से जुड़ी हुई है।

खजुराहो को मिलेगी दो बड़ी सौगात

भोपाल । खजुराहो को जल्द ही स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में दो सौगातें मिलने वाली हैं। खजुराहो में 15 करोड़ रुपए की लागत से 50 बिस्तरों वाले आधुनिक आयुष वेलनेस सेंटर की स्थापना को मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही युवाओं के स्किल डेवलपमेंट के लिए इलिट (ईएलआईटी) शिक्षण संस्थान को भी हरी झंडी मिल गई है। यह वेलनेस सेंटर स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों के लिए आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा का इंटरनेशनल हब बनेगा। सांसद और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वेलनेस सेंटर खुलने से केवल खजुराहो की वैश्विक ब्रांडिंग ही मजबूत नहीं होगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के सैकड़ों नए अवसर पैदा होंगे, जिससे पूरे बुंदेलखंड के आर्थिक विकास को एक नई गति मिलेगी।

आज सीएमएचओ दफ्तरों का घेराव करेंगे कर्मचारी

भोपाल । मध्य प्रदेश में आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सरकार और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान कर दिया है। कर्मचारियों का आरोप है कि प्रदेशभर में हजारों स्वास्थ्यकर्मी पिछले 5 से 6 महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन शासन स्तर पर अब तक कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने चरणबद्ध प्रदेशव्यापी आंदोलन के दूसरे चरण में 18 मई को सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालयों पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। इस दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी एकत्र होकर अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के नाम ज्ञापन सौंपेंगे।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी और इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह स्वास्थ्य प्रशासन की होगी। कर्मचारियों का कहना है कि भीषण गर्मी में सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है, ऐसे समय में यदि आउटसोर्स कर्मचारी हड़ताल पर गए तो व्यवस्थाएं चरमरा सकती हैं।

संघ ने आंदोलन के तीसरे चरण में 25 मई को राजधानी भोपाल के नीलम पार्क में विशाल धरना-प्रदर्शन की घोषणा की है। यहां आउटसोर्स कर्मचारी ठेका प्रथा खत्म करो, नौकरी सुरक्षित करो और न्यूनतम 26 हजार वेतन लागू करो जैसे नारों के साथ प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला को ज्ञापन सौंपा जाएगा। संघ ने साफ कहा है कि मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो आगे भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

- रिक्त पदों पर आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों को स्थायी किया जाए
- वर्षों से सेवाएं दे रहे संविदा सपोर्ट स्टाफ को ठेका प्रथा से बाहर किया जाए
- उत्तर प्रदेश और हरियाणा की तर्ज पर आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए स्थायी नीति बनाई जाए
- न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपए किया जाए
- लंबित एरियर का भुगतान तुरंत कराया जाए
- सीएल और मेडिकल अवकाश की सुविधा दी जाए
- तृतीय और चतुर्थ श्रेणी भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए

रिटायर्ड महिला जज की बहू ट्विशा शर्मा की मौत का मामला

- आरोपी पति समर्थ सिंह की जमानत याचिका खारिज

-10 हजार रुपये का इनाम घोषित, पुलिस टीम कर रही छापेमारी

भोपाल। कटारा हिल्स में पूर्व महिला जज की बहू ट्विशा शर्मा की सॅदिग्ध आत्महत्या का मामला प्रशासनिक और कानूनी पेचों में उलझता जा रहा है। घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी मृतका के स्वजनों ने शव लेने से साफ इनकार कर दिया है, वह आरोपित सास गिरिबाला सिंह को मिली जमानत से नाराज हैं और मामले की जांच मध्य प्रदेश से बाहर की एजेंसी से कराने तथा दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम की मांग पर अड़े हैं। न्याय की गुहार लेकर परिजनों ने मुख्यमंत्री निवास के सामने प्रदर्शन किया था।

वहीं, एम्स प्रबंधन द्वारा शव को लंबे समय तक मर्चुरी में रखने में असमर्थता जताने के बाद, कटारा हिल्स पुलिस ने शव के अंतिम संस्कार और सुपुर्दगी के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत जिला अदालत से मार्गदर्शन मांगा है। इस बीच, मामले की जांच के लिए गठित एसआइटी ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल रिकॉर्ड जब्त कर लिए हैं, जबकि फरार चल रहे आरोपित पति समर्थ सिंह पर कोर्ट ने सुनवाई की और उनके जमानत के आवेदन को खारिज कर दिया। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर दस हजार रुपये का इनाम घोषित कर उसका पासपोर्ट जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

राष्ट्रव्यापी अपील, नेतृत्व के आदेशों का पालन करें

वाहन रैलियां निकालने वाले नव नियुक्त अध्यक्षों पर सीएम गंभीर

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन बचाने और पेट्रोल डीजल का संयमित उपयोग करने की अपील को दरकिनार कर वाहन रैलियां निकालने वाले नव नियुक्त निगम-मंडलों, बोर्ड, प्राधिकरण और आयोगों के अध्यक्षों पर सीएम और भाजपा संगठन गंभीर है। सीएम और प्रदेश अध्यक्ष ने दोनों अध्यक्षों से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए यदि राष्ट्रव्यापी अपील की है तो हम सबको उसका बिना किसी के आदेश-निर्देश का इंतजार किए बिना स्वतः पालन करना शुरु कर देना चाहिए। हमारा आचरण ऐसा हो जिससे लोगों में सही संदेश जाए। पार्टी के जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं, कार्यकर्ताओं को इसका सबसे पहले ध्यान रखना होगा। सोमवार को भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह की मौजूदगी में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव और सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेन्द्र गोयल से सवाल-जवाब किए। सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेन्द्र गोयल ने सीएम और संगठन के नेताओं को सफाई देते हुए कहा कि मेरी रैली में रूटीन ट्रैफिक के वाहन जोडक़र वीडियो में दिखाए गए हैं। मेरे स्वागत समारोह में गिनी-चुनी गाडियां थीं, लेकिन कुछ लोगों ने सडक़ से गुजरने वाले वाहनों को भी मेरे साथ रैली में शामिल बताकर वीडियो वायरल किए। सीएम और संगठन के नेताओं के सामने महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव ने कहा- मेरा तो आयोग की तरफ से कार्यक्रम बना था। मैंने सागर में वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया और रात्रि विश्राम भी सागर में किया। उसके बाद छतरपुर जिले के मंदिरों के दर्शन करते हुए जाने का कार्यक्रम था। रास्ते में लोगों ने स्वागत के लिए रोका तो हम रुके उसी दौरान जो वीडियो दिखाए जा रहे हैं उनमें सडक़ पर चलने वाले दूसरे वाहनों को एडिट करके जोडक़र दिखाया गया है। मैं तो खुद ईवी कार से छतरपुर जिले में गई हूं। रैली निकालने का कोई कार्यक्रम ही नहीं था।

मुलताई और पांढुर्ना में भूकंप के झटके

बैतूल। बैतूल जिले के मुलताई और पांढुर्ना क्षेत्र में शनिवार रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार रात 9ः31 बजे आए भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई। इसका केंद्र मुलताई के मानखीपा गांव के पास और गहराई करीब 10 किलोमीटर थी। झटके मुलताई, खरसाली, पांढुर्ना और आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए गए। कई घरों में खिड़कियां और दरवाजे हिलने लगे, जिससे लोग घबराकर बाहर निकल आए। हालांकि किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

सरकार कोर्ट में पेश नहीं कर पाई जवाब

सरकारी वकीलों की नियुक्ति पर हाईकोर्ट सख्त

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में सरकारी वकीलों की नियुक्ति को लेकर चल रहे विवाद में सोमवार एक बार फिर राज्य सरकार जवाब पेश करने में नाकाम रही। इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए हाईकोर्ट ने महाधिवक्ता कार्यालय और शासन को जवाब दाखिल करने के लिए 'अंतिम मोहलत' दी है।

बता दें कि इससे पहले हुई तीन अलग-अलग सुनवाई में भी हाईकोर्ट सरकार से जवाब मांग चुका है, लेकिन हर बार समय मांग लिया गया। अब इस बेहद संवेदनशील मामले की अगली सुनवाई 19 जून को तय की गई है।

यह पूरा मामला हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त सचिव योगेश सोनी द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा हुआ है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि महाधिवक्ता कार्यालय में की गई नियुक्तियां पूरी तरह से मनमानी, नियम विरुद्ध और पक्षपातपूर्ण हैं। अपात्र लोगों को नियमों को ताक पर रखकर सरकारी वकील की जिम्मेदारी सौंप दी गई है।

10 साल की प्रैक्टिस का नियम टूटा?

याचिकाकर्ता योगेश सोनी का कहना है कि स्थापित नियमों के मुताबिक, किसी भी वकील को सरकारी लॉ ऑफिसर (सरकारी वकील) नियुक्त करने के लिए कम से कम 10 साल की वकालत (प्रैक्टिस) का अनुभव होना अनिवार्य है। लेकिन वर्तमान में नियुक्त किए गए कई वकीलों के पास 10 साल का अनुभव नहीं है। आपको बता दें कि महाधिवक्ता कार्यालय में वर्तमान में कुल 157 सरकारी लॉ ऑफिसर्स की नियुक्ति की गई है, जो इस याचिका के बाद जांच के दायरे में हैं।

नोटिस तामील न कराने पर भी कोर्ट सख्त

सुनवाई के दौरान यह गंभीर बात भी सामने आई कि पूर्व में कोर्ट द्वारा जारी किए गए नोटिसों को महाधिवक्ता कार्यालय और संबंधित लॉ ऑफिसर्स ने स्वीकार (तामिल) नहीं किया था। हाईकोर्ट ने इस बयान को अपने रिकॉर्ड में दर्ज किया है। अब कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अगली सुनवाई तक सरकार को अपना पक्ष मजबूती से रखना होगा, अन्यथा न्यायालय कड़ा रुख अपना सकता है।

एसआईआर से नाम कटने के बाद भी कर सकेंगे वोटिंग!

राज्य चुनाव आयोग 18 जून को जारी करेगा लिस्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में जिन वोटर्स का नाम एसआईआर लिस्ट से हट गया है, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। एसआईआर में नाम ना होने के बावजूद ऐसे मतदाता अगले साल नगर निगम और पंचायत चुनावों में वोट डाल सकते हैं। वोटर लिस्ट को लेकर राज्य चुनाव आयोग ने केंद्रीय चुनाव आयोग को कई बार पत्र लिखा लेकिन जवाब ना मिलने के कारण अब नाम कटने वाले मतदाताओं के वोटिंग करने की संभावना है।

केंद्रीय चुनाव आयोग की तरफ से 21 फरवरी को आखिरी लिस्ट जारी की गई थी। लिस्ट को लेकर राज्य चुनाव आयोग ने केंद्रीय चुनाव आयोग पत्र लिखा था। लेकिन इसके बावजूद जवाब नहीं आया। जिसके बाद कुल 4 बार पत्र लिखने के बावजूद कोई

जवाब नहीं मिला। नियम के मुताबिक एक केंद्रीय चुनाव आयोग के लिस्ट से नाम हटाने के बाद राज्य चुनाव आयोग लिस्ट में मतदाता का नाम शामिल कर सकता है। एसआईआर करवाने के बाद राज्य चुनाव ने केंद्रीय चुनाव आयोग को पत्र लिखा था। इस पत्र में राज्य आयोग ने बताया था कि प्रदेश में अगले साल पंचायत और नगरीय चुनाव होने हैं, इसके लिए एसआईआर लिस्ट मांगी थी। लेकिन केंद्रीय आयोग की तरफ से नहीं भेजी गई। अब राज्य चुनाव आयोग 18 जून को फाइनल वोटर लिस्ट जारी करेगा। ऐसे में जिन लोगों का नाम केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा कराए गए एसआईआर में नहीं हैं, वे भी वोट डाल सकेंगे। बता दें केंद्रीय चुनाव आयोगन ने 21 फरवरी को एसाआईआर के बाद जो लिस्ट जारी की थी, उसमें से 34 लाख वोटर्स के नाम कट गए थे।

रिवीजन प्रक्रिया के लिए वोटर लिस्ट उपलब्ध नहीं कराते

संयुक्त मुख्य राज्य निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक राज्य चुनाव आयोग ने रिवीजन के लिए वोटर्स की लिस्ट मांगी थी। लेकिन केंद्रीय निर्वाचन आयोग की तरफ से जवाब में कहा गया कि वह रिवीजन के लिए लिस्ट नहीं उपलब्ध करवाता है। केंद्रीय और राज्य चुनाव आयोग के बीच समन्वय की कमी का असर आगामी पंचायत और नगरीय चुनाव पर पड़ सकता है। ऐसे में जिन 34 लाख वोटर्स का नाम केंद्रीय चुनाव आयोग की एसआईआर में कट गया था, अब उनके दस्तावेज दोबारा करवाकर वोटर लिस्ट में जोड़ा जा सकता है।

विश्वकप नहीं खेल पाये ईशांत, लक्षमण सहित ये क्रिकेटर

मुम्बई । भारतीय टीम में शामिल हर क्रिकेटर का सपना है होता है कि वह विश्वकप में खेले और विजेता टीम का हिस्सा बने पर कई क्रिकेटर इस मामले में खुशनसीब नहीं रहे। ईशांत शर्मा, इरफान पठान, वीवीएस लक्ष्मण से लेकर अंबाती रायुडू और पार्थिव पटेल ऐसे क्रिकेटर रहे हैं जिन्हें अच्छे प्रदर्शन के बाद भी विश्वकप टीम में कभी अवसर नहीं मिला।

इस सूची में पहला नाम तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का है। अपनी शुरुआती रफ्तार और घातक स्विंग से उन्होंने बल्लेबाजों को खूब परेशान किया और उन्हें देखकर लगता था कि वे एकदिवसय क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी बनेंगे। लेकिन किस्मत ने कभी उन्हें विश्व कप खेलने का मौका नहीं दिया। अपने एकदिवसय करियर के दूसरे हिस्से में इशांत काफी महंगे साबित होने लगे, जिससे टीम में उनकी जगह पर सवाल उठने लगे। साल 2015 के विश्व कप में उन्हें टीम में चुने जाने का पूरा मौका था, लेकिन ऐन वक्त पर लगी चोट उनके लिए एक बड़ा झटका साबित हुई, जिसने उन्हें विश्व कप से बाहर कर दिया। 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने और 115 एकदिवसीय विकेट लेने के बावजूद, विश्व कप में वह नहीं खेल पाये।

इरफान पठान भी ऐसे ही क्रिकेटर रहे। भारतीय टीम में अपने शुरुआती दिनों में इरफान नई गेंद से दुनिया के सबसे खतरनाक स्विंग गेंदबाजों में से एक थे, उन्होंने टेस्ट मैच के पहले ही ओवर में हैट्रिक लेने का कारनामा भी किया था। लेकिन, ऑलराउंडर बनने के प्रयास और बार-बार चोटिल होने की वजह से उनकी गेंदबाजी की चमक कम हो गई। वे 2007 के विश्व कप की भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन भारत के शुरुआती दौर में ही बाहर होने के बावजूद, उन्हें उन 3 मैचों में से एक में भी अंतिम इलेवन में शामिल नहीं किया गया।

वहीं साल 2019 के विश्व कप में अंबाती रायुडू को अंतिम समय में टीम से बाहर कर दिया गया। रायुडू मध्य क्रम के बेहतरीन बल्लेबाज थे, उनका 47 से अधिक का एकदिवसीय बल्लेबाजी औसत था पर चयनकर्ताओं ने उनकी जगह विजय शंकर को शामिल कर लिया जिसकी काफी लोचना हुई। विश्व कप टीम से बाहर होने के बाद निराशा में रायुडू ने संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने अपने वनडे करियर में 3 शतकों के साथ 1694 रन बनाए, लेकिन विश्व कप खेलने का उनका सपना अधूरा ही रह गया।

पार्थिव पटेल एक ऐसे बाएं हाथ के बल्लेबाज और विकेटकीपर थे पर उस समय टीम में विकेटकीपरों के लिए काफी प्रतिस्पर्धा थी। राहुल द्रविड़, दिनेश कार्तिक और फिर महेन्द्र धोनी के आने से पार्थिव का करियर लंबा नहीं चला। पार्थिव को 2003 के विश्व कप टीम में चुना तो गया था पर अंत समय पर कप्तान सौरव गांगुली ने राहुल द्रविड़ से विकेटकीपिंग कराने का फैसला किया। इस वजह से पार्थिव पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ बेंच पर बैठे रहे। इसके बाद एमएस धोनी के आने से पार्थिव के रास्ते हमेशा के लिए बंद हो गए। उन्होंने 38 वनडे मैचों में 736 रन बनाए, लेकिन कभी विश्व कप के मैदान पर नहीं उतर सके।

इस सूची में सबसे बड़ा नाम महान बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण का है। लक्ष्मण टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े दिग्गजों में से एक हैं, जिन्होंने 130 से ज्यादा टेस्ट मैचों में 8000 से अधिक रन बनाए पर एकदिवसी क्रिकेट में उनका प्रभाव कम रहा। साल 2003 के विश्व कप में लक्ष्मण का चुना जाना लगभग पक्का था पर चयन समिति ने अंतिम समय पर उनकी जगह दिनेश मोंगिया को टीम में शामिल कर लिया। यह फैसला हर किसी के लिए चौंकाने वाला था। लक्ष्मण ने भारत के लिए 86 वनडे मैच खेले, लेकिन टेस्ट क्रिकेट का यह महान खिलाड़ी कभी विश्व कप का एक भी मैच नहीं खेल पाया। ये पांचों क्रिकेटर अपनी-अपनी प्रतिभा और योगदान के लिए जाने जाते हैं, लेकिन विश्व कप में खेलने का उनका सपना एक पूरा नहीं हो पाया।

वैभव को टी20 टीम में शामिल करें - रवि शास्त्री

मुम्बइ। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने कहा है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। ऐसे में उसे भारतीय टी20 टीम में जगह दी जानी चाहिये। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में लगातार दूसरे साल वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से धूम मचाई हुई है। ऐसे में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से अपील की है कि उन्हें शीघ्र ही टीम में जगह दी जानी चाहिये। साथ ही सुझाव दिया कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए भी वैभव को शामिल करना सबसे अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, उन्हें टी20 में मौका देना सही होगा क्योंकि अगर आप किसी युवा खिलाड़ी को जल्दी टीम में शामिल करना चाहते हैं, तो यह प्रारुप सबसे उपयुक्त है। शास्त्री ने

वैभव की प्रतिभा को सराहते हुए कहा, वह किसी भी लिहाज से कम नहीं है। यह खिलाड़ी इस समय दुनिया की कई टीमों में खेल सकता है। जब आप उसकी युवा ऊर्जा देखते हैं, तो वह उसके चेहरे पर साफ नजर आती है। 15 साल के इस बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ने पिछले कुछ महीनों में असाधारण प्रदर्शन किया है। इसी साल की शुरुआत में, उन्होंने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में टीम की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से भी उनका आतिशी बल्लेबाजी जारी रही। इस सत्र में

वैभव ने केवल 11 पारियों में 236.56 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से कुल 440 रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी की सबसे बड़ी खासियत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बनाया गया उनका 36 गेंदों में तेज शतक रहा। इस सत्र में उन्होंने सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाकर भी अपने को साबित किया है। शास्त्री ने कहा कि जून में भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे के लिए वैभव को शामिल किया जाना चाहिये। उन्होंने कम उम्र के सवाल को खारिज करते हुए कहा कि हमें केवल उसका खेल देखन चाहिये। उन्होंने कहा, तो मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से दावेदार है। और जब आयरलैंड जैसे दौरे हो रहे हैं, तो मैं उसे तुरंत खेलते देखना चाहूंगा।

जडेजा की अनुपस्थिति को लेकर कोच और कप्तान के बयानों से संशय गहराया

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को यहां हुए मुकाबले में जस्थान रॉयल्स के प्रमुख ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा उपलब्ध नहीं थे। जिसको लेकर कोच और कप्तान के अलग-अलग बयान आये हैं जिससे लगता है कि रॉयल्स में सब कुछ ठीक नहीं है।

टॉस के समय राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे रियान पराग ने रविंद्र जडेजा की गैरमौजूदगी के पीछे वर्कलोड मैनेजमेंट को वजह बताया था। पराग ने कहा, जडेजा अपने वर्कलोड मैनेजमेंट और उस सब की वजह से इस मैच का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। जडेजा की जगह इस मैच में रवि सिंह को आईपीएल डेब्यू करने का मौका मिला, जिससे यह लगा कि टीम एक स्थापित खिलाड़ी को आराम देकर युवा प्रतिभा को आज़मा रही है।

हालांकि, मैच में हार के बाद बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जडेजा के बाहर होने का कारण घुटने में थोड़ी तकलीफ बताया। उन्होंने कहा, उसके घुटने में बस थोड़ी सी तकलीफ थी। वे बस उसे मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं।

ग्रीन ने केकेआर के शुरुआती मैच में खराब प्रदर्शन का कारण बताया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने आईपीएल के इस सत्र में टीम के शुरुआत में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने का कारण बताया है। ग्रीन ने कहा कि टीम संयोजन और खिलाड़ियों की भूमिका तय करने में काफी समय लगा दिया गया था जिससे कारण भी टीम पिछड़ गयी। साथ ही कहा कि एक बार सही संयोजित बैठने के बाद टीम ने लय हासिल कर ली। केकेआर ने शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदों को बनाये रखा है। ग्रीन ने बताया, टीम के अंदर किसी तरह की आशंका नहीं थी। मुझे लगता है कि हमने खिलाड़ियों की सही भूमिका और बल्लेबाजी क्रम में उनके स्थान को तय करने में थोड़ा ज्यादा समय लगा दिया। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम में सभी खिलाड़ी प्रतिभाशाली हैं पर उनके लिए सही जगह खोजना ही असली चुनौती थी। ग्रीन ने स्वयं अपनी बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैं किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि टीम के लिए सबसे अच्छा क्या है। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शीर्ष क्रम में शानदार प्रदर्शन किया है। युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने भी नंबर तीन पर अच्छी बल्लेबाजी की। ग्रीन ने कहा, अब हमने अपनी जगह तय कर ली है और इसीलिए हम खुद को थोड़ा मौका दे रहे हैं। इस स्पष्टता के बाद ही टीम का बेहतर प्रदर्शन होने लगा है। केकेआर ने हाल ही में गुजरात टाइटंस के सामने खेले गए मुकाबले में शानदार खेल दिखाया, जहां कैमरून ग्रीन ने नाबाद 52 रन की आक्रामक पारी खेली। केकेआर इस सीजन में अब तक 12 मैच खेल चुकी है। इनमें से टीम को 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया और पांच में उसने जीत दर्ज की है।

द्रविड़ का करियर बचाने उन्हें विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी थी - गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि साल 2003 एकदिवसीय विश्वकप से पहले राहुल द्रविड़ को टीम में रखने पर सवाल उठने लगे थे पर उस समय उन्होंने चयनकर्ताओं के खिलाफ जाकर उन्हें टीम में बनाये रखा था। इसके लिए उन्हें टीम का ढ़ांच तक बदलना पड़ा था। इसी के तहत ही द्रविड़ को विकेटकीपर की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी। गांगुली के अनुसार, 2000 के दशक की शुरुआत में, विशेष रूप से 2003 विश्व कप से पहले द्रविड़ की एकदिवसीय टीम में जगह को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे थे। चयनकर्ता और विशेषज्ञ उनके स्ट्राइक रेट से संतुष्ट नहीं थे। ऐसे में कहा जा रहा था कि द्रविड की जगह किसी और खिलाड़ी को मौका दिया जाना चाहिए पर मैंने उन्हें नहीं छोड़ा, क्योंकि अगर मैंने उन्हें छोड़ दिया होता, तो उनका करियर समाप्त हो सकता था।

इस हालात में गांगुली ने एक साहसिक फैसला लेकर न केवल द्रविड़ का करियर बचाया बल्कि भारतीय टीम को एक नई दिशा भी दी। उस समय टीम को एक ऐसे विकेटकीपर-

बल्लेबाज की सख्त जरूरत थी जो मध्य क्रम में बल्लेबाजी कर सके। गांगुली ने इस समस्या को समझाते हुए कहा कि द्रविड़ को विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी दी। तब के समय में श्रीलंका के पास कुमार संगकारा, दक्षिण अफ्रीका के पास मार्क बाउचर और ऑस्ट्रेलिया के पास एडम गिलक्रिस्ट जैसे बेहतरीन विकेटकीपर-बल्लेबाज थे, जबकि भारत की बल्लेबाजी छठे नंबर पर समाप्त हो जाती थी। इस कमी को पूरा करने के लिए, गांगुली ने द्रविड़ को मध्य क्रम में बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी सौंपी।

यह फैसला भारतीय क्रिकेट के लिए सफल रहा। इस कदम से न केवल टीम को मजबूती मिली और बल्लेबाजी का क्रम निचले पायदान तक बढ़ गया, जिससे सातवें नंबर पर मोहम्मद कैफ जैसे बल्लेबाज को मौका देना संभव हो सका। गांगुली ने यह भी बताया कि उस समय भारतीय टीम में ऑलराउंडरों की भी कमी थी। उन्होंने कहा, हमारे पास उस तरह का ऑलराउंडर नहीं था। इसलिए वीरेन्द्र सहवाग से लेकर सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह के अलावा मैंने भी गेंदबाजी की। यह दर्शाता है कि उस दौर में टीम को संतुलन प्रदान करने के लिए कितने प्रकार के प्रयासों की जरूरत थी। द्रविड़ ने कई सालों तक इस दोहरी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और अपनी शानदार बल्लेबाजी और भरोसेमंद विकेटकीपिंग से टीम के लिए अमूल्य योगदान दिया। हालांकि, बाद में जब महेंद्र सिंह धोनी विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल हुए तो विकेटकीपिंग की समस्या स्थायी रूप से हल हो गई और धोनी ने लगभग डेढ़ दशक तक विकेट के पीछे से भारतीय क्रिकेट की बागडोर संभाली।

ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं बेकहम

लंदन । इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बेकहम अब ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में आ गये हैं उनकी संपत्ति एक अरब पाउंड से ऊपर निकल गयी है। बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वह संपत्ति के मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं।

बेकहम को कई जगह से आय होती है। वह अभी अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के सह-मालिक हैं, जिसे मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी माना जाता है। इस क्लब की अनुमानित कीमत 1.45 अरब डॉलर (लगभग 1.07 अरब पाउंड) है, जो खेल प्रबंधन में बेकहम की दूरदर्शिता और निवेश की सफलता को दर्शाता है।

बेकहम एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी वैश्विक कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी भारी कमाई करते हैं। उनकी पत्नी

विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके सफल फैशन लेबल से आती है। स्पाइस गर्ल्स की सदस्य के रूप में अपनी शुरुआती प्रसिद्धि के बाद, विक्टोरिया ने एक सफल उद्यमी और फैशन डिजाइनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

वहीं पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन को परिवार संपत्ति के मामले में पहले नंबर पर बना हुआ है। उनके परिवार की संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। एक्लेस्टोन परिवार की संपत्ति खेल प्रबंधन और व्यवसाय से जुड़ी है, जबकि बेकहम ने पहले खिलाड़ी और उसके बाद कारोबारी के तौर पर काम किया है। वहीं

बेकहम के अलावा उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैक्लरॉय भी 325 मिलियन पाउंड की संपत्ति के साथ शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। लगातार दो मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने के बाद हासिल हुई सफलता और वैश्विक ब्रांड अपील से उनकी आय बढ़ी है। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ भी सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं।

सूर्यकुमार को लेकर फैसला करेगा बीसीसीसीआई, गंभीर की सलाह रहेगी अहम

मुम्बई । भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है जिससे उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गया है। ऐसे में अनुमान है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही उनके मामले में कोई फैसला ले सकता है। हाल ही में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीता था पर माना जा रहा है कि बोर्ड अब भविष्य को देखते हुए नये कप्तान पर विचार कर सकता है। ऐसे में बोर्ड की बैठक में चयन समिति और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया सूर्यकुमार के भविष्य पर अनौपचारिक रुप से बात कर सकते हैं। इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह काफी अहम मानी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर की सलाह से ही तय होगा कि सूर्यकुमार को कप्तान बनाये रखा जाये या किसी और को अवसर दिया जाये। यदि सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाया जाता है, तो एक बल्लेबाज के तौर पर भी उनकी राष्ट्रीय टीम में जगह खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में एक विकल्प यह भी सुझाया जा रहा है कि उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तान के तौर पर ही अवसर दिया जाये। इन सीरीज में उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन के आधार पर ही उनके भविष्य पर कोई अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

सूर्यकुमार के प्रदर्शन में निरंतरत की कमी है। पिछले साल उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये। इस दौरान वह पूरे साल एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। साल 2026 में उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब जीता पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। आईपीएल 2026 में भी वह रन नहीं बना पा रहे हैं।

ऋषभ को टेस्ट प्रारुप में उपकप्तानी से हटा सकता है बीसीसीआई

मुम्बई । पिछले कुछ समय से लगातार फार्म से बाहर चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की मुश्किलें बढ़ने जा रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब उन्हें टेस्ट मैच में उपकप्तानी से भी हटाने पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित करने वाला है। जून में होने वाले इस मैच के लिए ऋषभ को शायद ही उपकप्तान रखा जाये। यह एकमात्र टेस्ट मैच 6 से 10 जून के बीच खेला जाएगा, जिसके बाद तीन एकदिवीसय मैच 14, 17 और 20 जून को खेले जाएंगे। उसमें भी उनकी जगह खतरे में नजर आ रही है क्योंकि सीमित ओवरों के प्रारुप में भी उनका प्रदर्शन गिरा है।

गौरतलब है कि जिस प्रकार से ऋषभ की कप्तानी में लगातार दूसरे सत्र में भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम आईपीएल में असफल हुई है। उससे ऋषभ बोर्ड का भरोसा खो चुके हैं। लीग में वह न तो रन बना पाये और न ही टीम को जीत दिला पाये। उनकी कप्तानी भी बेहद खराब रही। टीम जहां पिछले सत्र में सातवें नंबर पर रही थी। वहीं इस सत्र में दसवें स्थान पर खिसक गयी। अब तक के दोनो ही सत्र में उनकी कप्तानी पर सवाल उठे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड को मुख्य चिंता इस बात को लेकर है कि कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी से उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। ऐसे में चयनकर्ता नहीं चाहते कि उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हो। चयनकर्ताओं का मानना है कि जब पंत पर कप्तानी का दबाव होता है, तो उनकी बल्लेबाजी प्रभावित होती है। ऐसे में, उन्हें मैदान पर अधिक आजादी से निडर होकर खेलने का अवसर दिखा जाना चाहिये। ताकि वह अपनी स्वाभाविक प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सकें!

आईपीएल में खराब प्रदर्शन के कारण एकदिवसीय में भी ऋषभ पंत की जगह अब खतरे में है। वह 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में दूसरे विकेटकीपर के रूप में चुने गए थे पर लगातार खराब फॉर्म के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 ओवर के मैचों से बाहर हो गए थे। वह एकदिवसीय में पिछली 11 पारियों में केवल 251 रन ही बना पाये हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 138.67 रन ही रहा है। ऐसे में चयनकर्ता अब फार्म में चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को अवसर देना चाहते हैं।

पंजाब किंग्स की लगातार हार से निराश नजर आयीं प्रीति जिंटा

धर्मशाला। पंजाब किंग्स की सह-मालिक प्रीति जिंटा अपनी टीम की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ हार के बाद निराश नजर आयीं। हार के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर से बात करते हुए प्रीति काफी निराश दिखीं। इस सत्र में शानदार शुरुआत के बाद जिस प्रकार से पंजाब पिछले कुछ मैचों में हार बाद प्लेऑफ के लिए तरस रही है। उससे टीम मालिक के दर्द का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पंजाब किंग्स के पास लीग चरण में अब केवल एक मैच शेष है, और उनके 13 मैचों में 13 अंक हैं। यदि टीम अपना आखिरी मैच जीत भी जाती है, तो उनके अधिकतम 15 अंक होंगे, जिससे उन्हें अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ेगा। हालांकि, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसी टीमें 16 अंक तक पहुंच सकती हैं, जिससे पंजाब के लिए प्लेऑफ में पहुंचना बेहद कठिन है। इस मुश्किल गणित और लगातार हार ने ही प्रीति को परेशान कर दिया है। वहीं धर्मशाला में खेले गए इस महत्वपूर्ण मुकाबले में आरसीबी ने 23 रनों से जीत हासिल कर अपनी प्लेऑफ की जगह पक्की कर ली।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी रॉयल्स

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स टीम मंगलवार को यहां होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखने उतरेगी। रायल्स ने अब तक इस सत्र में 6 मैच जीते हैं और उसके 12 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं दूसरी और सुपरजायंट्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसके ऊपर कोई दबाव नहीं है और वह इस मैच में निडर होकर खेलते हुए रॉयल्स का खेल बिगाड़ने का प्रयास करेगी। उसके चार मैचों में केवल 8 अंक हैं और वह अंतिम स्थान पर है। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स टीम पिछले मैच की गलतियों को इस मैच में नहीं दौहराना चाहेगी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ

पिछले मैच में टीम की फील्डिंग बेहद खराब रही थी ओर उसने कई कैच छोड़े थे। इसी कारण उसे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। सुपरजायंटस ने अपने पिछले तीन मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) तक को हराया है। ऐसे में इस मैच में रॉयल्स को सतर्क रहना है।

वहीं अगर आंकड़ों की बात करें तो दोनो के बीच अब तक 7 मैच हुए हैं। जिसमें से राजस्थान रॉयल्स ने 5 जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं। ऐसे में मुकाबला तकरीबन बराबरी का रहा है। जयपुर के मैदान में बल्लेबाजों को सहायता मिलती है ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। अब तक यहां हुए मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन बनाये हैं। राजस्थान की बल्लेबाजी यशस्वी जायसवाल के अलावा वैभव सूर्यवंशी पर निर्भर करेगी। वहीं गेंदबाजी की कमान जोफ्रा आर्चर, रवींद्र जड़ेजा संभालेंगे। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स की बल्लेबाज मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, के अलावा कप्तान ऋषभ पंत पर अधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी प्रिंस यादव, के अलवा मोहम्मदश शमी के पास रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। इस मैच में रॉयल्स पर जीत के लिए दबाव रहेगा जिसका लाभ भी सुपरजायंट्स उठाना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :-

राजस्थान रॉयल्सः- रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, यशराज पुंजा

इम्पैक्ट प्लेयरः- शुभम दुबे

लखनऊ सुपर जाइंट्सः- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, निकोलस पूरन, एडेन मार्कराम, मुकुल चौधरी, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयरः- जोश इंगलिस

वेंकटेश ने पंजाब के खिलाफ अर्धशतक के बाद विजय के अंदाज में मनाया जश्न

धर्मशाला। वेंकटेश अय्यर की शानदार बल्लेबाज से यहां खेले गये आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पंजाब किंग्स को 23 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही आरसीबी इस सत्र से प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी है। इस मैच में वेंकटेश ने केवल 40 गेंदों पर आठ चौकों और चार छक्कों की सहायता से नाबाद 73 रन बना दिये। उनकी इस आक्रामक पारी की आरसीबी की जीत में अहम भूमिका रही। खास बात ये रही कि अय्यर ने अपना अर्धशतक पूरा करते ही दक्षिण भारत के सुपरस्टार विजय की हिट फिल्म मेर्सल में उनके दिये पोज को कापी किया। इस जश्न का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। विजय हाल ही में बड़ी जीत दर्ज करते हुए तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री बने हैं। उनके प्रशंसकों की तादाद दक्षिण भारत ही नहीं देश भर में है। वेंकटेश के जश्न का अंदाज इससे साबित करता है।

इस मैच में पंजाब किंग्स को करारी हार झेलनी पड़ी 223 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही।

6 माह में गिर जाएगी थलापति की सरकार, स्टालिन के हाथों में ही राज्य की कमान

डीएमके की विधायक ने किया चौंकाने वाला दावा

चेन्नई। तमिलनाडु में सियासी माहौल गर्माया हुआ है। तिरुचेंदुर से विधायक अनीता राधाकृष्णन ने एक बड़ा दावा कर कहा है कि मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की अगुवाई वाली टीवीके (तामिलागा वेत्री कझगम) सरकार आगामी छह महीनों में गिर जाएगी। डीएमके विधायक के अनुसार, राज्य में द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के नेता एमके स्टालिन मुख्यमंत्री पद पर वापसी करने वाले है। राधाकृष्णन ने कहा, थलाईवर (नेता) अगले मुख्यमंत्री हैं। चार या छह महीने बाद हमारे नेता मुख्यमंत्री बनने वाले है। इस दावे पर टीवीके की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिसने हाल ही में दक्षिणी राज्य की सत्ता संभाली है।

डीएमके विधायक राधाकृष्णन ने केवल भविष्यवाणी ही नहीं की, बल्कि टीवीके के विधायक आधव अर्जुन को खुली चुनौती भी दी है। उन्होंने अर्जुन से कहा, यह टीवीके सरकार सिर्फ चार और महीने टिक पाएगी। अगर आप में हिम्मत है, तब अपने विधायक पद से इस्तीफा दें। मैं भी ऐसा ही करूंगा। फिर तिरुचेंदुर में मुकाबला करते हैं। यह हमारा शहर है, हम किसी को भी हरा सकते हैं। गौरतलब है कि तिरुचेंदुर पिछले 25 सालों से राधाकृष्णन का गढ़ रहा है, जहां उन्होंने पहली बार 2001 में जीत हासिल की थी।

एक ओर जहां राज्य में सत्ता को लेकर दावे-प्रतिदावे चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुख्य विपक्षी दल डीएमके अपनी हालिया विधानसभा चुनाव की करारी हार के कारणों का विश्लेषण करने में जुटा गई है। डीएमके पार्टी ने इस अप्रत्याशित हार के बाद 36 सदस्यीय समिति का गठन किया है, जिसे हार के कारणों का आत्मनिरीक्षण और निष्पक्ष विश्लेषण करने का काम सौंपा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने समिति से हार की वजहों पर एक स्पष्ट और विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

स्टालिन ने समिति के सदस्यों को संबोधित कर स्पष्ट किया कि यह कवायद केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पार्टी की चुनावी गिरावट के मूल कारणों को समझने का एक गंभीर प्रयास है। उन्होंने इस प्रक्रिया की तुलना मेडिकल डायग्नोसिस से करते हुए कहा कि जैसे प्रभावी इलाज के लिए डॉक्टर को मरीज की बीमारी की सटीक जानकारी चाहिए, वैसे ही पार्टी नेतृत्व को सुधारात्मक कदम उठाने के लिए जमीनी हकीकत की पूरी जानकारी चाहिए। पैनल को तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक जमीनी अध्ययन करने और कार्यकर्ताओं व लोकल पदाधिकारियों से सीधा फीडबैक लेने का निर्देश दिया गया है। समिति को 5 जून तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने की समय सीमा दी गई है। खुद अपनी पारंपरिक सीट कोलाथुर से हार का सामना करने वाले स्टालिन ने कहा कि यह समीक्षा आंतरिक राजनीति, पक्षपात या दोषारोपण से मुक्त होनी चाहिए। उन्होंने सदस्यों से कहा, आपका कर्तव्य न तो किसी को बचाना है और न ही किसी को निशाना बनाना है।

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की पैरवी करेंगी महिला अधिवक्ता

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलापती रोजाना ही नए-नए ऐसे निर्णय ले रहे हैं, जो भारतीय राजनीति के लिए बड़े क्रांतिकारी फैसले के रूप में देखे जा रहे हैं। इसी कड़ी में सुप्रीम कोर्ट में सरकार की ओर से महिला अधिवक्ता पैरवी करने का मामला भी जुड़ गया है।

दरअसल तमिलनाडु के बहुत से मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, जिनमें लगातार तमिलनाडु सरकार को अपना पक्ष रखना होता है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से जो वरिष्ठ अधिवक्ता जूनियर सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किए जाते हैं। उसके लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय महिला टीम को सुप्रीम कोर्ट में उतारना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की पैरवी महिला अधिवक्ताओं द्वारा हो, यह निर्णय तमिलनाडु सरकार लेने जा रही है।

महिलाओं को लेकर इस समय भारत की राजनीति उफान पर है। 2023 में 33 फीसदी महिला आरक्षण बिल संसद में पास हो चुका है। इसे मोदी सरकार ने जनगणना और परिसीमन के बाद लागू करने का निर्णय लिया था। पांच राज्यों में जब विधानसभा के चुनाव चल रहे थे। तीन राज्यों का मतदान हो चुका था। तमिलनाडु के चुनाव चल रहे थे। उस समय केंद्र सरकार ने विशेष सत्र बुलाकर

परिसीमन बिल को महिला बिल कहकर, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनाव में मतदान के पहले महिलाओं के नाम पर जो राजनीति की थी। उसी का जवाब अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय केंद्र सरकार को देना चाह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में महिला अधिवक्ताओं के माध्यम से वह यह संदेश सारे देश में पहुंचाना चाहते हैं।

तमिलनाडु महिलाओं के लिए आज से नहीं बहुत पहले से विशेष सुविधाएं देता आया है। अब न्याय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में तमिलनाडु सरकार शत- प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी दे रही है। तमिलनाडु सरकार देश को यह संदेश देना चाहती है, महिलाओं के आरक्षण और महिलाओं के सामाजिक विकास में मुख्यमंत्री विजय विशेष रुचि लेकर काम कर रहे हैं। तमिलनाडु सरकार के इस निर्णय से केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा को एक बड़ी चुनौती सारे देश में देने की तैयारी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय कर रहे हैं। उनके शपथ ग्रहण समारोह को लेकर जिस तरह से केंद्र सरकार और राज्यपाल ने शपथ लेने से रोका था। उसके बाद से ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय काफी आक्रामक हैं। तमिलनाडु की इस विधानसभा चुनाव में विजय को महिलाओं का एक बड़ा समर्थन मिला है। महिलाओं को आगे रखकर अब वह एक बड़ी राजनीति की शुरुआत करने जा रहे हैं।

सीबीएसई ने 12वीं रीवैल्यूएशन फीस में की कटौती, प्रति सवाल सिर्फ 25 रुपये शुल्क

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं बोर्ड परीक्षा के रीवैल्यूएशन और वेरिफिकेशन शुल्क में बड़ी कटौती की घोषणा की है। शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर अब छात्रों को उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी, मार्क्स वेरिफिकेशन और रीवैल्यूएशन के लिए पहले की तुलना में काफी कम फीस देनी होगी। यह फैसला 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम के बाद छात्रों और अभिभावकों के विरोध के बीच लिया गया है।

स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, अब उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी के लिए 700 रुपये की जगह केवल 100 रुपये देने होंगे। वहीं मार्क्स वेरिफिकेशन या टोटलिंग के लिए भी शुल्क 500 रुपये से घटाकर 100 रुपये कर दिया गया है। सबसे बड़ी राहत रीवैल्यूएशन फीस में दी गई है, जहां प्रति प्रश्न दोबारा जांच के लिए अब 100 रुपये के बजाय केवल 25 रुपये ही देने होंगे। शिक्षा बोर्ड ने यह भी घोषणा की है कि यदि किसी छात्र के कुल अंकों में रीवैल्यूएशन के बाद एक अंक की भी बढ़ोतरी होती है, तो उससे ली गई पूरी फीस वापस कर दी जाएगी। यह कदम छात्रों के हित में पारदर्शिता और भरोसा बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बोर्ड के अनुसार, छात्र 19 मई से 22 मई के बीच अपनी स्कैन की गई उत्तर पुस्तिका प्राप्त कर सकेंगे। इसके बाद यदि वे वेरिफिकेशन या री-इवैल्युएशन कराना चाहें, तो 26 मई से 29 मई के बीच आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि रीवैल्यूएशन प्रक्रिया भी ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम (ओएसएम) के माध्यम से ही होगी, मैनुअल जांच नहीं की जाएगी। यदि आवेदन अधिक संख्या में आते हैं तो प्रक्रिया की अंतिम तारीख बढ़ाई जा सकती है।

राहुल भी साध चुके हैं निशाना

दरअसल, इस वर्ष सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम को लेकर कई छात्रों और अभिभावकों ने सवाल उठाए थे। उनका आरोप था कि ओएसएम प्रणाली के कारण छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिले हैं, जिससे कई विद्यार्थियों की कॉलेज प्रवेश पात्रता प्रभावित हुई। इस मुद्दे पर राहुल गांधी भी केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साध चुके हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, नीट पेपर लीक से लेकर सीबीएसई परिणाम और नई भाषा नीति तक, शिक्षा मंत्रालय लगातार छात्रों को निराश कर रहा है।

अभिषेक बनर्जी समेत कई बड़े नेताओं की सुरक्षा घटी

बंगाल में वीआईपी सुरक्षा में भारी कटौती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार ने वीआईपी सुरक्षा की समीक्षा करते हुए बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। सरकार ने रविवार को एक व्यापक सिक्योरिटी रिव्यू के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सहित कई हाई-प्रोफाइल नेताओं और पूर्व पुलिस अधिकारियों की सुरक्षा में भारी कटौती कर दी है। गृह विभाग द्वारा की गई इस प्रशासनिक समीक्षा के बाद कई पूर्व मंत्रियों, सांसदों और शीर्ष अधिकारियों के आवासों के बाहर तैनात हाउस गार्ड्स को तुरंत प्रभाव से वापस बुला लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, नए थ्रेट परसेप्शन (खतरे के आकलन) में पाया गया कि इन लोगों को अब अत्यधिक सुरक्षा घेरे की कोई आवश्यकता नहीं है।

इस सुरक्षा समीक्षा के तहत सबसे बड़ी कार्रवाई टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के खिलाफ की गई है। सरकार ने उनकी जेड-प्लस कैटेगरी की सुरक्षा व्यवस्था और उन्हें मिलने वाली विशेष पायलट कार की सुविधा को पूरी तरह से बंद कर दिया है। इसके साथ ही, कालीघाट स्थित उनके निजी आवास और कैमैक स्ट्रीट पर उनके कार्यालय परिसर के बाहर तैनात अतिरिक्त पुलिस बल को भी हटा लिया गया है। हालांकि, सरकार ने यह पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी की सुरक्षा व्यवस्था में कोई कटौती नहीं की जाएगी। कोलकाता पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि ममता बनर्जी के आवास और दौरों के समय सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहने चाहिए।

नई गाइडलाइन के अनुसार, अब सांसदों और विधायकों को केवल उनके मौजूदा संवैधानिक पद के तय प्रोटोकॉल के मुताबिक ही सुरक्षा मिलेगी। इसी आधार पर टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और पूर्व पुलिस प्रमुख राजीव कुमार की अतिरिक्त सुरक्षा हटाकर उन्हें केवल सांसद स्तर की सुरक्षा दी गई है। पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास के पास वर्तमान में कोई विधायी पद न होने के कारण उनकी पुरानी सुरक्षा पूरी तरह हटा दी गई है। वहीं, बेलियाघाटा के विधायक कुणाल घोष को भी कोर्ट के निर्देश पर मिली पुरानी अतिरिक्त सुरक्षा को हटाकर अब केवल विधायक स्तर का सुरक्षा कवर दिया गया है। सुरक्षा में कटौती की इस सूची में पूर्व डीजीपी मनोज मालवीय, पूर्व कार्यवाहक डीजीपी पीयूष पांडे और टीएमसी के लिए कानूनी पैरवी करने वाले एक प्रमुख अधिवक्ता का नाम भी शामिल है। पीयूष पांडे को अब केवल उनके वर्तमान पद के अनुसार ही सुरक्षा मिलेगी। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सरकार का यह स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी व्यक्ति को उसकी वास्तविक आवश्यकता और तय नियमों से अधिक सुरक्षा नहीं दी जानी चाहिए, इसलिए इन सभी अतिरिक्त सुरक्षा बलों को वापस सेवा में बुला लिया गया है।

सीएम शुभेंदु अधिकारी के निजी सचिव की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, मुजफ्फरनगर से पकड़ा

मुजफ्फरनगर। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी सफलता हासिल की है। सीबीआई ने हरिद्वार से लौटते समय बलिया के शार्प शूटर राजकुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। छपार क्षेत्र में टोल प्लाजा के निकट से उसे पकड़ा गया। ट्रांजिट रिमांड के लिए सीबीआई सीजेएम कोर्ट पहुंच गई है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में हमलावरों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई की जांच में बलिया के रातोपुर निवासी राजकुमार सिंह का नाम सामने आया था। राजकुमार अपने परिवार के साथ सोमवार तड़के हरिद्वार से वापस लौट रहा था। सीबीआई की टीम ने पहले से ही मुजफ्फरनगर स्थित टोल प्लाजा पर डेरा डाल रखा था। इसके बाद छपार पुलिस के सहयोग से आरोपी राजकुमार को दबोच लिया गया।

बंगाल में गठबंधन नहीं, बिखराव बना हार की वजह? ममता-कांग्रेस की दूरी से टीएमसी को भारी नुकसान

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर गठबंधन की अहमियत पर बहस तेज हो गई है। ताजा चुनावी नतीजों के बाद राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहा है कि अगर ममता बनर्जी ने कांग्रेस के साथ समय रहते तालमेल किया होता, तो क्या तस्वीर कुछ और होती?

चुनावी आंकड़ों के विश्लेषण से संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा विरोधी वोटों के बंटवारे का सबसे बड़ा नुकसान तृणमूल को उठाना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक दर्जन से ज्यादा सीटों पर कांग्रेस को मिले वोट टीएमसी और भाजपा के बीच जीत के अंतर से ज्यादा रहे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सिर्फ वोटों के इस बिखराव ने टीएमसी को करीब तीन दर्जन सीटों तक का नुकसान पहुंचाया।

294 सीटों वाली विधानसभा में टीएमसी महज 80 सीटों पर सिमट गई, जबकि भाजपा ने 207 सीटों पर जीत दर्ज कर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। कांग्रेस को सिर्फ दो और लेफ्ट को एक सीट मिली, लेकिन वोट प्रतिशत ने यह साफ कर दिया कि विपक्षी एकजुटता की कमी भाजपा के लिए सबसे बड़ा फायदा बन गई।

इकबाल मिर्ची की सात सौ करोड़ की संपत्तियों पर शिकंजा - अंडरवर्ल्ड, ड्रग तस्करी और काले धन के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। देश की जांच एजेंसियों ने संगठित अपराध, ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक बड़े नेटवर्क पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक को अंजाम दिया है। प्रवर्तन निदेशालय ने कुख्यात अंडरवर्ल्ड सरगना इकबाल मिर्ची और उसके परिवार से जुड़ी सात सौ करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून के तहत की गई है।

जांच एजेंसी ने देश की आर्थिक राजधानी के समुद्री इलाके में स्थित तीन बेहद कीमती संपत्तियों को अपने कब्जे में लिया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब चार सौ सत्तानवे करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा खाड़ी देश में मौजूद दो सौ करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी संपत्तियों को भी अटैच किया गया है।

जांच में सामने आया है कि अपराध से अर्जित काली कमाई को देश और विदेश में रियल एस्टेट में निवेश कर सफेद किया गया। एजेंसी के मुताबिक कई संपत्तियां ट्रस्ट और कंपनियों के नाम पर दिखाई गईं, लेकिन वास्तविक नियंत्रण आरोपी परिवार के पास ही था।

जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि उन्नीस सौ छियासी में बेहद कम कीमत पर खरीदी गई प्राइम संपत्तियों का बाजार मूल्य आज सैकड़ों करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। एजेंसी का आरोप है कि संपत्तियों को बचाने के लिए अदालत में भ्रामक जानकारी दी गई और महत्वपूर्ण तथ्य छिपाए गए।

विदेशों में होटल, अपार्टमेंट और कॉर्पोरेट टावरों में कई रियल एस्टेट यूनिट खरीदे जाने के सबूत भी जांच एजेंसी को मिले हैं। विशेष अदालत पहले ही परिवार के कई सदस्यों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर चुकी है।

सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कैबिनेट बैठक में लिए कई बड़े फैसले

बंगाल में इमाम-मुअज्जिन और पुजारियों का भत्ता बंद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कैबिनेट बैठक में कई बड़े फैसले लिए। राज्य सरकार ने इमाम, मुअज्जिन और पुजारियों को दिए जाने वाले भत्ते को 1 जून से बंद करने का फैसला किया है। इसके अलावा टीएमसी सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार और महिला उत्पीड़न की जांच के लिए 2 आयोग बनेंगे। दोनों आयोगों की अध्यक्षता कलकत्ता हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज करेंगे। साथ ही महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना के तहत हर महीने 3000 रुपए देने, मुफ्त बस यात्रा शुरू करने, सातवां वेतन आयोग गठित करने और ओबीसी सूची में बदलाव जैसे अहम निर्णय भी लिए गए।

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार ने इसी साल मार्च में धार्मिक नेताओं के मानदेय में 500 रुपए की बढ़ोतरी की थी। इसके बाद राज्य की रजिस्टर्ड मस्जिदों के इमामों को हर महीने 3000 रुपए, जबकि मुअज्जिन और पुजारियों को 2000 रुपए की मदद दी जा रही थी। नई सरकार ने अब इस योजना को बंद करने का फैसला लिया है। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि छात्रों की कोई भी छात्रवृत्ति योजना बंद नहीं की जाएगी।

कैबिनेट ने महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के लिए 'अन्नपूर्णा योजना' को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत 1 जून से महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए दिए जाएंगे। सरकार ने कहा कि जो महिलाएं पहले से 'लक्ष्मी भंडार योजना' का लाभ ले रही हैं, उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। राशि सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। सरकार जल्द ही नया वेब पोर्टल भी शुरू करेगी, ताकि नई पात्र महिलाएं आवेदन कर सकें। राज्य सरकार ने 1 जून से महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की भी मंजूरी दी है। हालांकि फिलहाल बसों की संख्या बढ़ाने की कोई योजना नहीं है।

सरकार ने संस्थागत भ्रष्टाचार की जांच के लिए रिटायर्ड जस्टिस बिस्वजीत बसु की अध्यक्षता में आयोग बनाया है। इसमें एडीजी रैंक के आईपीएस अधिकारी जयरामन सदस्य सचिव होंगे। आयोग कटमनी, रिश्वतखोरी, सरकारी धन के दुरुपयोग और आम लोगों से धोखाधड़ी जैसे मामलों की जांच करेगा। इसके दायरे में सरकारी अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, बिचौलिए, ठेकेदार, एनजीओ और सहकारी संस्थाएं भी आएंगी।

देश में बनी कॉकरोच जनता पार्टी, टीएमसी सांसद हुए शामिल

नई दिल्ली। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी पर मचे बवाल के बाद देश में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का गठन हुआ है। इस व्यंग्यात्मक पार्टी को अब तृणमूल कांग्रेस के सांसदों महुआ मोइत्रा और कीर्ति आजाद का भी समर्थन मिल रहा है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी सदस्यता लेने की घोषणा की है।

यह पार्टी असल में कोई चुनावी संगठन नहीं है, बल्कि युवाओं द्वारा सीजेआई की टिप्पणी के विरोध में बनाया गया एक पैरोडी सोशल मीडिया अकाउंट है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लांच होते ही यह तेजी से लोकप्रिय हो गई। 24 घंटे के भीतर इसके 15,000 से अधिक फॉलोअर्स हो गए, और अब तक 40,000 से ज्यादा लोग इसके सदस्य बन चुके हैं। पार्टी ने अपनी बायो में खुद को बेरोजगारों की आवाज बताया है। वहीं तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने पोस्ट किया, मैं एंटी-नेशनल पार्टी की सदस्य होने के अलावा सीजेपी में भी शामिल होना चाहूंगी। पूर्व क्रिकेटर और सांसद कीर्ति आजाद ने भी इसी तरह का पोस्ट कर पार्टी की सदस्यता ली। सीजेपी ने दोनों नेताओं का स्वागत किया है।

नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर में अमित शाह का बड़ा ऐलान

बस्तर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को बस्तर में सेवा डेरा की शुरुआत की। इसके तहत अर्धसैनिक बलों के लिए बनाए गए सुरक्षा कैंप को सेवा कैंप में तब्दील किया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षा कैंप को सेवा डेरा में बदलने की शुरुआत ने की। बस्तर के नेतानार में अर्धसैनिक बल के कैंप को सेवा कैंप में तब्दील किया गया। सुरक्षा कैंप को सेवा कैंप में तब्दीली छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समाप्ति के बाद विकास के ओर बढ़ते कदम का परिचायक है।

इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि मेरे लिए बहुत ऐतिहासिक दिन है। शहीद वीर गुंडाधुर ने विदेशी शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उसी की प्रेरणा से सुरक्षा कैंप को सेवा केंद्र में बदला गया है। यहां छह पुलिसकर्मी मारे गए, जहां छह जवान शहीद हुए थे। वहां आदिवासियों के लिए सेवा केंद्र खोला गया है।शाह ने कहा कि मैंने विभीषिका देखी थी। नक्सलियों के प्रकोप की आईईडी धमाके से पांव गए लोगों के बच्चों को स्कूल से उठाया जाता था।आजादी के बाद से ही सरकार की कोई योजना यहां नहीं आई।

बस्तर के लोगों को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ

उन्होंने कहा कि सात किलो चावल पांच लाख तक के इलाज की सुविधा बस्तर के लोगों को मिल रही है, ये बहुत बड़ी उपलब्धि है। पीएम मोदी के नेतृत्व में ये संभव हो सका है। आदिवासी के नाम से जिन लोगों ने इस इलाके में अशांति फैलाई थी। उनको हमारे सुरक्षाबलों ने समाप्त किया है। उन्होंने कहा कि तीन हजार नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनमें से करीब 200 को पढ़ना भी नहीं आता। आरएसएस के जरिए दो हजार लोगों को प्रौढ़ शिक्षा दी जा रही है। एक साल में रायपुर को बस्तर के गांव तक लाएंगे। यहां के लोगों को बस्तर नहीं जाना पड़ेगा। देशभर को पीसी के जरिए बताऊंगा बस्तर के दो सौ में सत्तर कैंप को इसी तरीके से जन सुविधा केन्द्र के रूप में तब्दील किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट आफ डीजाइन कैंप का डिजाइन करेगी, ताकि सरकार की सारी योजनाओं का लाभ बस्तर के लोगों को मिले। तीन महीने पहले मैंने डिप्टी सीएम को गुजरात भेजा था ताकि डेरी का मॉडल जो गुजरात का है वो यहां पर लागू हो सके। बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडूम कांसेप्ट शुरू किया है।

जो आतंक फैला रहे थे, सुरक्षा बलों ने उनका किया खात्मा

उन्होंने कहा कि मशीनगन लेकर जो यहां लोग आंतक फैलाए थे। उनको सुरक्षाबलों ने खात्मा किया। एक साल में हम सरकार को रायपुर से आपके गांव तक लेकर आएंगे। आपको रायपुर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि आपके लिए बनाई गई एक राष्ट्रीय स्तर की कोऑपरेटिव के माध्यम से वन उपज का भी अच्छे तरीके से पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग करने का हमने संकल्प लिया है। डेयरी और वन उपज, ये दोनों मिलकर यहां रोजगार के क्षेत्र में एक नया युग शुरू करेंगे।

शाह का बस्तर में विकास पर जोर

शाह ने कहा कि इन कैंपों को बेहतर ढंग से डिजाइन करने के लिए हम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन को यह प्रोजेक्ट देने वाले हैं। हर कैंप का डिजाइन संपूर्ण होगा, जिसके अंदर बैंकिंग की सुविधा भी होगी। आपका आधार कार्ड भी बनेगा, राशन कार्ड भी बनेगा और सरकार की योजनाओं के पैसे भी आपको यहीं से मिल जाएंगे। कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से राज्य सरकार और केंद्र सरकार की 371 योजनाओं का लाभ एक ही भवन से आपको मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमने डेयरी का मॉडल भी नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के माध्यम से लागू करने का निर्णय लिया है।

730 रुपये की खरीदारी के बाद ग्राहक-दुकानदार के बीच सड़क पर चले बैट-स्टंप

झांसी । झांसी के सबसे व्यस्त बाजारों में से एक मानिकचौक अखाड़े में तब्दील हो गया, जब एक दुकानदार और ग्राहक के बीच मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। बच्चों के लिए क्रिकेट का सामान खरीदने पहुंचे ग्राहक और दुकान के संचालक के बीच विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों के बीच सड़क पर प्लास्टिक के क्रिकेट बैट और स्टंप चलने लगे। बाजार में मौजूद लोगों ने अप्रत्याशित क्रिकेट मैच का वीडियो अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगातार हमला करते दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास खड़ी भीड़ तमाशबीन बनी रही। इस घटना के दौरान कुछ देर के लिए पूरे बाजार में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया था। जानकारी के अनुसार, झांसी स्थित लक्ष्मी स्पोर्ट्स की दुकान पर ग्राहक ने करीब 730 रुपये का सामान खरीदा था, जिसका भुगतान ऑनलाइन माध्यम से कर दिया गया था। शुरुआत में सब सामान्य था, लेकिन दुकान से बाहर निकलते समय किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई।

दुकान के संचालक ने बताया कि ग्राहक ने सामान खरीदने के बाद उनके परिवार को लेकर अभद्र टिप्पणी और गाली-गलौज शुरू कर दी थी। अग्रवाल के मुताबिक, उन्होंने ग्राहक से केवल इतना कहा था कि परिवार के बारे में गलत बातें न करें और यदि उनका व्यवहार पसंद नहीं है तो आगे दुकान पर न आएं।

निजी क्लीनिक में इलाज के बाद बिगड़ी किशोरी की आंखों की हालत, परिजनों ने डॉक्टर पर लगाए लापरवाही के आरोप

माइग्रेन के उपचार के बाद आंखों में संक्रमण और लगातार पानी आने की शिकायत, परिजनों ने कोतवाली में की शिकायत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला चिकित्सालय में अपनी सेवाएं दे रहीं महिला डॉक्टर उन्नति पिछोड़े पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए शहर के वार्ड क्रमांक 13 निवासी रुकसार खान ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर द्वारा दी गई दवा के सेवन के बाद उनकी 15 वर्षीय बेटी की आंखों में गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई। रुकसार खान ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि उनकी बेटी लंबे समय से माइग्रेन की समस्या से परेशान थी। इलाज के लिए वे उसे गली मोहल्ला स्थित डॉक्टर उन्नति पिछोड़े के क्लीनिक लेकर गए थे। वहां जांच के बाद डॉक्टर ने कुछ दवाइयां लिखीं और नियमित रूप से सेवन करने की सलाह दी। परिजनों के अनुसार दवा लेने के कुछ समय बाद ही बच्ची की आंखों से लगातार पानी आने लगा और आंखों में जलन, सूजन व संक्रमण जैसी समस्या दिखाई देने लगी। धीरे-धीरे परेशानी बढ़ती गई, जिससे बच्ची को आंख खोलने और सामान्य काम करने में भी दिक्कत होने लगी। परिवार का कहना है कि वर्तमान में बच्ची काफी तकलीफ में है और उसकी आंखों की समस्या को लेकर वे बेहद चिंतित हैं। मामले को गंभीर बताते हुए रुकसार खान ने कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

शहर के वार्ड क्रमांक 13 में रहने वाली रुकसार खान ने महिला चिकित्सक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। रुकसार खान का कहना है कि उनकी 15 वर्षीय बेटी पिछले कुछ दिनों से लगातार सिर दर्द और माइग्रेन जैसी समस्या से परेशान थी। बच्ची को अक्सर तेज दर्द होता था, जिसके चलते परिवार चिंतित था। इलाज के उद्देश्य से वे 9 मई को शहर के गली मोहल्ला क्षेत्र स्थित डॉक्टर उन्नति पिछोड़े के निजी क्लीनिक पहुंचीं, जहां बच्ची का उपचार किया गया। रुकसार खान के मुताबिक डॉक्टर उन्नति पिछोड़े जिला चिकित्सालय में भी पदस्थ हैं, लेकिन वहां मरीजों की अत्यधिक भीड़ होने के कारण उन्होंने निजी क्लीनिक में जाकर बच्ची का इलाज कराना उचित समझा। परिजनों का आरोप है कि क्लीनिक में डॉक्टर ने बच्ची की जांच करने के बाद कुछ आई ड्रॉप और दवाइयां दीं तथा उन्हें नियमित रूप से उपयोग करने की सलाह दी। रुकसार का कहना है कि घर पहुंचने के बाद जैसे ही बच्ची को दवाइयां और ड्रॉप दिए गए, जिसके 3 दिन बाद उसकी आंखों से लगातार पानी निकलने लगा। देखते ही देखते दोनों आंखें लाल हो गईं और बच्ची ने आंखों में तेज जलन की शिकायत शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बच्ची को आंखें खोलने में भी परेशानी होने लगी। परिवार का कहना है कि शुरुआत में उन्हें लगा कि यह दवा का सामान्य असर होगा, लेकिन धीरे-धीरे समस्या बढ़ती चली गई और बच्ची की तकलीफ कम होने के बजाय और गंभीर होती गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि बच्ची की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें लगा कि कहीं इलाज में लापरवाही तो नहीं हुई है। इसी आशंका के चलते रुकसार खान 18 मई की शाम लगभग 5 बजे कोतवाली थाना पहुंचीं और एक लिखित आवेदन देकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की। आवेदन में उन्होंने डॉक्टर पर गलत दवा देने और लापरवाही बरतने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। रुकसार खान ने कहा कि आंखें शरीर का बेहद संवेदनशील अंग होती हैं और यदि किसी दवा का गलत प्रभाव पड़ जाए तो इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते बच्ची को सही उपचार नहीं मिला तो उसकी आंखों को स्थायी नुकसान भी हो सकता है। उन्होंने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार- उन्नति

इस पूरे मामले को लेकर जब डॉक्टर उन्नति पिछोड़े से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। डॉक्टर ने कहा कि कुछ दिन पहले एक किशोरी माइग्रेन की समस्या को लेकर उनके पास जरूर आई थी, जिसका उन्होंने सामान्य उपचार किया था। उन्होंने बताया कि उन्हें अन्य लोगों के माध्यम से जानकारी मिल रही है कि बच्ची को कोई परेशानी हो रही है, लेकिन बच्ची के परिजन दोबारा उनके पास नहीं आए हैं। डॉक्टर उन्नति पिछोड़े ने कहा कि किसी भी मरीज की वास्तविक स्थिति समझने के लिए उसका दोबारा परीक्षण करना जरूरी होता है। बिना मरीज को देखे किसी निष्कर्ष पर पहुंचना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि एक डॉक्टर का पहला कर्तव्य अपने मरीज को बेहतर से बेहतर उपचार देना होता है और वे हमेशा अपने दायित्व का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन पर लगाए जा रहे सभी आरोप आधारहीन हैं और यदि परिजन बच्ची को दोबारा दिखाते तो स्थिति स्पष्ट हो सकती थी। फिलहाल मामले को लेकर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की आगे की कार्रवाई पर सभी की नजर बनी हुई है।

जंगली सूअर के हमले से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

पीएम के बाद सौपा गया शव, कटंगी के ग्राम कटेधरा का मामला,जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटेधरा में 11 मई की रात एक जंगली सूअर के हमले में एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया था जिसकी18 मई सोमवार को उपचार के दौरान मौत हो गई।मृतक का नाम ग्राम कटेधरा निवासी 49 वर्षीय लखनलाल पिता दामाजी नेवारे बताया गया है जिसके शव का सोमवार की शाम जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है तो वही मामले की जांच के लिए डायरी कटंगी थाना पहुंचाई जा रही है।जिसके आधार पर कटंगी पुलिस द्वारा मामले में आगामी कार्यवाही की जाएगी।

बस्ती में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने गया था लखन

प्राप्त जानकारी के अनुसार कटंगी के कटेधरा निवासी लखनलाल नेवारे मजदूरी का कार्य करता था। बताया गया की 11 मई की रात बस्ती के आगे कार्यक्रम था जहां पर शामिल होने के लिए लखनलाल गांव के ही एक व्यक्ति राजेश पिता रमेश गोनेकर के साथ गया हुआ था। जहां से देर रात वापस लौटते समय बोधवा और जोड़ सड़क के बीच झाड़ियों से आए एक जंगली सूअर ने लखन पर अचानक से जानलेवा हमला कर दिया, इस हमले में लखन गंभीर रूप से घायल हो गया और रात भर वहीं पड़ा रहा, उधर 12 मई की सुबह जब परिजनों को मामले की जानकारी लगी तो परिजनों ने अन्य ग्रामीणों की मदद से उसे उपचार के लिए कटंगी के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर उसके बेहतर उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल रिफर कर दिया,जहां जिला अस्पताल में लाखन का उपचार जारी था।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर 18 मई की सुबह उपचार के दौरान लखन की मौत हो गई, अस्पताल से मार्ग तहरीर मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर, शव को अपने कब्जे में लिया, वहीं परिजनों के बयान दर्ज कर शव परीक्षण के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।तो वही मामले की जांच के लिए डायरी कटंगी थाना पहुंचाई जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट